{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 14 मई 2026
वैशाख कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 229
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | - | 74,608.98 |
| निफ्टी | - | 23,412.60 |
| सोना | - | 1,62,000 |
| चांदी | - | 3,10,000 |
| डॉलर | - | 95.64 |

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### 20 मई को दवा विक्रेताओं की राष्ट्रव्यापी हड़ताल

नई दिल्ली। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने 20 मई को देशभर में एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। संगठन के अनुसार, ई-फार्मेसी कंपनियों द्वारा भारी छूट पर दवाओं की बिक्री से मेडिकल स्टोर कारोबार प्रभावित हो रहा है। दवा विक्रेताओं ने बिना जांच और फर्जी पर्चों पर दवा बिक्री का भी आरोप लगाया है। एंटीबायोटिक और नशीली दवाओं की आसान उपलब्धता पर चिंता जताते हुए ई-फार्मेसी से जुड़ी अधिसूचनाएं वापस लेने की मांग की गई है। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस हड़ताल का असर भोपाल सहित कई शहरों में देखने को मिल सकता है।

### अमूल दूध फिर महंगा

अहमदाबाद। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) द्वारा अमूल ब्रांड के तहत बेचे जाने वाले दूध के दामों में एक बार फिर वृद्धि की गई है। फेडरेशन ने विभिन्न दूध उत्पादों की कीमतों में प्रति लीटर रु. 2 तक का इजाफा करने की घोषणा की है। नए दाम 14 मई 2026 से पूरे देश में लागू होंगे। नई दरों के अनुसार, अमूल ताज़ा के 1 लीटर पैक की कीमत में रु. 2 की बढ़ोतरी की गई है, जबकि अमूल गोल्ड के 500 मिली पैक पर रु. 1 अधिक चुकाने होंगे। कंपनी के अनुसार यह बढ़ोतरी अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में लगभग 2.5 से 3.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है, जो औसत खाद्य महंगाई दर से कम है।

### सीएम विजय ने ज्योतिषी ओएसडी को पद से हटाया

चेन्नई। तमिलनाडु में फ्लोर टेस्ट पास करने के कुछ घंटे बाद ही मुख्यमंत्री विजय ने ज्योतिषी राधन पंडित को स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर (ओएसडी) पद से हटा दिया। विजय ने मंगलवार को उन्हें यह जिम्मेदारी दी थी, लेकिन विपक्ष और सहयोगी पार्टियों के विरोध के बाद उन्हें हटा दिया। बात दें कि राधन लंबे समय से विजय के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने विजय के मुख्यमंत्री बनने की भविष्यवाणी की थी। उनकी सलाह पर ही 10 मई को विजय के शपथ ग्रहण का समय बदला था। राधन ज्योतिषी होने के साथ टीवीके के प्रवक्ता रहे हैं। टीवीके की सहयोगी पार्टी एमजेके के प्रमुख थमीमुन अंसारी ने कहा कि निजी तौर पर कोई ज्योतिष में विश्वास रखता है,तब यह उसकी पसंद हो सकती है, लेकिन तमिलनाडु सरकार में ज्योतिष नहीं आना चाहिए। वहीं डीएमडीके महासचिव और विधायक प्रेमलता विजयकांत ने भी एक ज्योतिषी को मुख्यमंत्री का ओएसडी बनाए जाने को निंदनीय बताया है।

# एनटीए को हटाकर नई पारदर्शी, मजबूत और स्वायत्त संस्था बनाई जाए

## नीट मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, एफएआईएमए ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,। नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं और बड़े सुधारों की मांग की है। एफएआईएमए ने कहा कि पिछले कुछ समय से नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल उठते रहे हैं। खासकर पेपर लीक, तकनीकी गड़बड़ियों और पारदर्शिता की कमी जैसी शिकायतों ने लाखों छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसी वजह से संगठन ने मांग की है कि नीट यूजी 2026 की पूरी प्रक्रिया को या तो दोबारा कराया जाए या फिर इसे न्यायिक निगरानी में कराया जाए, ताकि निष्पक्षता बनी रहे। याचिका में सबसे बड़ा मुद्दा एनटीए को लेकर उठाया। एफएआईएमए ने कहा कि पिछले कुछ सालों में एनटीए की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसलिए या तो इसे पूरी तरह हटाया जाए या फिर इसका पुनर्गठन करके एक नई, ज्यादा पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और स्वायत्त संस्था बनाई जाए। इसके अलावा याचिका में मांग की गई कि जब तक नई स्वतंत्र परीक्षा संस्था की व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक

नीट यूजी 2026 की परीक्षा और उससे जुड़ी पूरी प्रक्रिया एक हाई-पावर्ड कमेटी की निगरानी में हो। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज करें और इसमें एक साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ और एक फॉरेंसिक साइंटिस्ट को भी शामिल किया जाए। एफएआईएमए ने सुझाव दिया है कि परीक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए डिजिटल लॉकिंग सिस्टम, कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल और आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाए। साथ ही पारंपरिक ऑफलाइन परीक्षा के बजाय कंप्यूटर आधारित टेस्ट मॉडल को अपनाने पर भी जोर दिया गया है।

याचिका में कहा गया है कि सीबीआई चार हफ्तों के अंदर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। इस रिपोर्ट में अब तक की जांच, पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क, गिरफ्तारियां, आरोपियों की जानकारी और आगे की कार्रवाई का पूरा विवरण शामिल होना चाहिए। इसके साथ ही यह भी मांग की गई है कि नीट यूजी 2026 के सेंटर-वाइज रिजल्ट सार्वजनिक किए जाएं, ताकि किसी भी तरह की असामान्यता या गड़बड़ी को आसानी से पहचाना जा सके और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जा सके।

### नीट पेपर लीक : आरोपी दिनेश बिंवाल भाजपा नेता, कांग्रेस का आरोप

नीट पेपर लीक मामले में राजस्थान से हुई गिरफ्तारी ने एक नया मोड़ ले लिया है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने आरोपी दिनेश बिंवाल को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नेता बताया है। कांग्रेस ने बिंवाल की कई तस्वीरें और पोस्टर साझा किए हैं, जिसमें वह खुद को भाजपा नेता के रूप में पेश कर रहा है। इन पोस्टरों में से एक में बिंवाल स्पष्ट रूप से भाजयुमो जिला मंत्री, जयपुर देहात लिखा गया है। राजस्थान भाजपा की ओर से अभी इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

लेकिन राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भी इन आरोपों का समर्थन किया है। उन्होंने बिंवाल के पोस्टर और अखबार की कटिंग साझा कर दावा किया कि गिरफ्तार आरोपी भाजपा का पदाधिकारी है। कांग्रेस नेता गहलोत ने गंभीर सवाल उठाकर पूछा कि क्या यही वजह है कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने नीट पेपर लीक को छिपाने का प्रयास किया और इस संबंध में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की। उन्होंने 11 मई से ही एफआईआर दर्ज न करने पर सवाल उठाए थे और अब भाजपा पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले पेपर लीक माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया है।

### मोदी कैबिनेट- एमएसपी को मंजूरी, पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन रेल परियोजना को हरी झंडी

## नागपुर एयरपोर्ट इंटरनेशनल स्तर पर तैयार होगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में बुधवार को बुनियादी ढांचे और कृषि क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी फैसलों को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेसवार्ता में बताया कि केंद्र सरकार ने अहमदाबाद (सरखेज) से धोलेरा के बीच देश की पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन रेल परियोजना को हरी झंडी दे दी है। करीब 20,667 करोड़ रुपये की लागत वाला यह प्रोजेक्ट न केवल सफर की रफ्तार बढ़ाएगा, बल्कि धोलेरा को भविष्य के सेमीकंडक्टर हब के रूप में स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह 134 किलोमीटर लंबी रेल लाइन गुजरात के अहमदाबाद जिले के 284 गांवों को सीधे जोड़ेगी। इससे करीब 5 लाख लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। यह प्रोजेक्ट आने वाले धोलेरा एयरपोर्ट और लोथल मैरीटाइम कॉम्प्लेक्स को भी जोड़ेगा। सबसे खास बात यह है कि यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से तैयार होगा। इस प्रोजेक्ट से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि हर साल 0.48 करोड़ लीटर तेल की बचत भी होगी, जो पर्यावरण के लिए 10 लाख पेड़ लगाने के सामान होगा।

मोदी सरकार ने साल 2026-27 के लिए खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सिफारिशों पर आधारित यह एमएसपी उत्पादन लागत से करीब 50 प्रतिशत अधिक रखी गई है। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि इससे किसानों को करीब 2.60 लाख करोड़ रुपये का भुगतान होगा। 824.41 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ताकत देगा।

मोदी कैबिनेट ने कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय वाली योजना को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि भारत के पास 200 साल का कोयला भंडार है, जिसका उपयोग अब गैस बनाने में किया जाएगा। इसमें 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसके अलावा, नागपुर एयरपोर्ट को अब पीपीपी मॉडल के तहत इंटरनेशनल स्तर पर तैयार किया जाएगा, जिससे विदर्भ क्षेत्र में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिल सकेगा।

## पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट-हृदय गति रुकने से हुई प्रतीक यादव की मौत, फेफड़ों में जमे थे खून के थक्के; नीली पड़ी लाश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। 38 वर्षीय प्रतीक यादव अपनी फिटनेस को लेकर बेहद सतर्क रहते थे और प्रतिदिन जिम में घण्टों कसरत भी किया करते थे। लेकिन अचानक उनकी मौत होने पर प्रशासन ने शव का पोस्टमार्टम कराया। अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें मौत का असली कारण पता चला है। डॉक्टरों के अनुसार, प्रतीक यादव की हृदय गति रुक गई थी। साथ ही उनके फेफड़ों की रक्त वाहिकाओं में खून के थक्के जम गए थे।

डाक्टरों के मुताबिक जिस वजह से उनको सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इस वजह से उनकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, उनके शरीर का रंग पूरी तरह से नीला पड़ चुका है। उनके शरीर का वजन काफी बढ़ गया था। इस वजह से उनके हार्ट और विसरा को सुरक्षित रख दिया गया है। प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह पल्मोनरी एम्बोलिज्म सामने आई है। जांच में पता चला कि शरीर में बना खून का थक्का फेफड़ों की धमनियों में जाकर फंस गया था। मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार इस स्थिति को पल्मोनरी एम्बोलिज्म कहा जाता है, जिसमें फेफड़ों तक खून और ऑक्सीजन का प्रवाह अचानक रुक जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, खून का बड़ा क्लॉट फेफड़ों की मुख्य धमनी में पहुंचने से सांस लेने की प्रक्रिया अचानक प्रभावित हुई। ऑक्सीजन की आपूर्ति रुकने से दिल के दाहिने हिस्से पर अत्यधिक दबाव पड़ा और कुछ ही मिनटों में हालत गंभीर हो गई।

डॉक्टरों का कहना है कि बड़े क्लॉट की वजह से अचानक सांसें थम गईं, जिससे प्रतीक यादव की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद परिवार और समर्थकों में शोक का माहौल है।

इस बीच जानकारी मिली है कि प्रतीक यादव का उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) और हाइपरटेंशन के मरीज थे। कुछ दिन पहले उन्हें पल्मोनरी एम्बोलिज्म (फेफड़ों में ब्लड क्लॉट) की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस बीमारी में ब्लड क्लॉट फेफड़ों की धमनियों में जाकर रुक जाता है, जिससे हृदय का कार्य प्रभावित हो जाता है। यह भी जानकारी मिली है कि प्रतीक यादव ब्लड थिनर दवाओं पर थे और वे अपने बीमारी से पूरी तरह अवगत थे। वे नियमित रूप से अपनी ब्लड प्रेशर की दवाएं लेते थे।

प्रतीक के साथ ही जिम करने वाले एक युवक अंकित ने पहले कहा कि प्रतीक यादव की बॉडी नीली पड़ गई थी फिर वो अपने बयान से मुकर गया और कहा कि मैंने कुछ भी नहीं कहा है। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी सुबह ही केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रतीक अपनी मेहनत से बहुत कुछ हासिल करना चाहता था। वो अब हमारे बीच नहीं है। ये दुखद है।

## पीएम मोदी की अपील का असर, शाह और नड्डा ने अपने काफिले में गाड़ी कम कीं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या आधी की है। उन्होंने यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद लिया है, जिसमें उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों को देखकर पेट्रोल-डीजल बचत की अपील की थी।

इसके पहले पीएम मोदी ने भी हाल ही में गुजरात और असम दौरे पर अपने काफिले को छोटा रखा था और केवल उन्हीं गाड़ियों को शामिल किया, जो सुरक्षा के लिहाज से जरूरी थीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां भी संभव हो, काफिले में इलेक्ट्रिक गाड़ियां शामिल करें।

वहीं, दिल्ली में मंत्री आशीष सूद कार्यक्रम में जाने के लिए पहले मेट्रो और फिर ई-रिक्शा में बैठे। मध्य प्रदेश में जस्टिस डीडी बंसल साइकिल चलाकर हाईकोर्ट पहुंचे। वहीं, सीएम मोहन यादव ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या घटा दी है।

उधर, उत्तरप्रदेश में सांसद-विधायकों को एक दिन बस-मेट्रो से चलने का आदेश दिया गया है। राज्य में जितने भी बड़े कॉर्पोरेट ऑफिस हैं, वहां हफ्ते में 2 दिन वर्क फ्रॉम होम होगा। इसके अलावा महाराष्ट्र में मंत्री आशीष शेलार ने विदेश यात्रा टालने का ऐलान किया। उन्होंने सोमवार को कहा कि वे इस साल फ्रांस में हो रहे कान्स फिल्म फेस्टिवल में शामिल नहीं हो रहे है।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री शेलार ने कहा वे इस साल फ्रांस में होने वाले कांस फिल्म फेस्टिवल में शामिल नहीं हो रहे है। मंत्री शेलार ने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में राष्ट्रीय हितों को सबसे ऊपर रखते हुए विभागीय खर्च में संयम बरतने का फैसला लिया गया है। राज्य के सांस्कृतिक मामलों, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मंत्री ने कहा कि वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए मीटिंग की जाएंगी।

## एन. रंगासामी ने पांचवीं बार संभाली पुडुचेरी की कमान

पुडुचेरी। पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने एक बार फिर सत्ता में वापसी करते हुए नई सरकार का गठन कर लिया है। अनुभवी नेता और ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) के संस्थापक एन. रंगासामी ने बुधवार को लगातार दूसरी बार और कुल पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राजनिवास में आयोजित भव्य समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री रंगासामी के साथ एआईएनआरसी के वरिष्ठ नेता मल्लाडी कृष्णा राव तथा भाजपा नेता ए. नमशिवायम ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पार्टी के वरिष्ठ नेता बी.एल. संतोष सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने पर अत्यंत खुशी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार राज्य के विकास और जनता की भलाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी।

## सीबीएसई 12वीं का परिणाम घोषित : 85.20 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण

### -पास प्रतिशत में आई 3 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा के नतीजे जारी किए हैं। इस वर्ष कुल 85.20 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो पिछले साल की तुलना में 3 प्रतिशत कम है। सीबीएसई बोर्ड ने कॉपियों की जांच के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का उपयोग किया था। छात्रों के लिए रिजल्ट चेक करने के कई तरीके उपलब्ध हैं। यदि इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या हो या सर्वर डाउन हो, तब छात्र एसएमएस भेजकर भी अपने विषयवार अंक प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, डिजीलॉकर और उमंग एप्लिकेशन पर भी मार्कशीट उपलब्ध है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ऑनलाइन जारी किए गए सीबीएसई एग्जाम के स्कोर कार्ड केवल अनंतिम (प्रोविजनल) होगा। छात्रों को अपनी मूल मार्कशीट के लिए अपने संबंधित स्कूलों से संपर्क करना आवश्यक होगा।

सीबीएसई बोर्ड ने इस साल भी मैरिट लिस्ट जारी नहीं की है और न ही किसी टॉपर की घोषणा की है। बोर्ड ने सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे किसी भी छात्र को स्कूल या जिले का टॉपर घोषित न करें। इस वर्ष सीबीएसई 12वीं की परीक्षाएं 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक आयोजित की गई थीं, जिसमें देशभर से 17 लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था। बोर्ड ने मूल्यांकन प्रक्रिया को तेज करने के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का बड़े पैमाने पर उपयोग किया। हालांकि, कुछ विषयों में मूल्यांकन और अंकों को अपलोड करने में देरी के कारण परिणाम घोषित होने में थोड़ा समय लगा।

## एयर इंडिया ने तीन महीनों के लिए की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। मध्य पूर्व संकट के कारण जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयर इंडिया ने जून की शुरुआत से तीन महीनों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित करने का फैसला लिया है। कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि दिल्ली से जिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कमी की गई है उनमें शिकागो और नेवार्क, सिंगापुर और शंघाई जैसे प्रमुख गंतव्य शामिल हैं। इसके अलावा, एयर इंडिया ने सैन फ्रांसिस्को, पेरिस और टोरंटो जैसे गंतव्यों के लिए भी उड़ानें कम कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुल मिलाकर एयरलाइन ने रोज करीब 100 उड़ानों को कम किया है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने पिछले सप्ताह कहा था कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में कटौती जारी रखेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बढ़ते वित्तीय दबाव और परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करते हुए, एयर इंडिया ने अपने आंतरिक अनुपालन और लागत नियंत्रण उपायों को और कड़ा कर दिया है। एयरलाइन ने पिछले तीन सालों में नैतिक कदाचार और नीतिगत उल्लंघनों के लिए 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों को बर्खास्त किया है।

### कुछ ना कहना

## तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय ने जीता विश्वास मत

### -बहुमत से 36 ज्यादा मिले मत

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को राज्य विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है। हालिया चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने सदन के पटल पर अपनी मजबूती साबित कर दी। 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता थी, जिसके मुकाबले विजय सरकार के पक्ष में 144 वोट पड़े।

विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री विजय ने विश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसे कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), वीसीके और आईयूएमएल जैसे प्रमुख गठबंधन सहयोगियों का औपचारिक समर्थन प्राप्त हुआ। हालांकि, सदन में सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब मुख्य विपक्षी दल एआईएडीएमके के भीतर मची कलह खुलकर सामने आ गई। एसपी वेलुमणि और सीवी षणमुगम के नेतृत्व वाले बागी गुट ने मुख्यमंत्री विजय के समर्थन में वोट करने का ऐलान कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, एआईएडीएमके के 47 में से करीब 30 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व से बगावत की, जिनमें से कम से कम 25 विधायकों ने सरकार के पक्ष में मतदान किया। दूसरी ओर, भाजपा और पीएमके ने इस मतदान प्रक्रिया से दूरी बनाए रखी। विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान वीसीके विधायक वन्नी अरसु ने नई सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण नीतिगत मांगें रखीं। उन्होंने तमिलनाडु के तर्कवादी राजनीतिक इतिहास का हवाला देते हुए अंधविश्वास और ज्योतिष जैसी प्रथाओं के खिलाफ सख्त कानून बनाने की वकालत की।

## भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 45 दिन का एलपीजी स्टॉक

### -मंत्री पुरी बोले- अफरा-तफरी मचाना बेकार, पीएम की बातें ध्यान से सुनें

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 60 दिन की एलएनजी और 45 दिन की एलपीजी का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। पुरी ने दिल्ली में आयोजित सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में पीएम मोदी की बचत की अपील का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कही हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का इस्तेमाल कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। विदेशी यात्राओं से बचें। हरदीप पुरी ने समिट में कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा सप्लाई में आई रुकावटों को बोझ आम जनता पर पड़ने नहीं दिया है। तेल कंपनियों को हर दिन 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, तो घाटा 1,98,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला है।

रिपोर्ट के मुताबिक तिमाही के आंकड़ों को देखें तो कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपए का है। ऐसे में, आप इसे कब तक इसी तरह बनाए रख सकते हैं? तेल की कीमतें कहां पहुंच गई हैं? पहले यह लगभग 65 डॉलर के आसपास हुआ करती थीं। अब यह बढ़कर 115 प्रति बैरल डॉलर के स्तर तक पहुंच गई हैं। पुरी ने कहा कि दुनिया की कुल ऊर्जा का 20फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता था। हमारे कच्चे तेल के आयात का 85 फीसदी हिस्सा वहीं से आता था, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी बात यह है कि हमारी एलपीजी यानी वह सिलेंडर वाली गैस जिसे आप अपनी रसोई में इस्तेमाल करते हैं। उसका लगभग 60फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता था। अब जब वह रास्ता बंद है तो हमें इसके लिए इंतजाम करने थे। इस संकट से पहले, हमारा घरेलू एलपीजी उत्पादन रोजाना 35,000 या 36,000 मीट्रिक टन था। हमने अपने घरेलू उत्पादन को 36,000 से बढ़ाकर 54,000 मीट्रिक टन तक पहुंचा दिया। यह अपने आप में एक हैरान कर देने वाली उपलब्धि है।

# सीबीएसई बोर्ड ने जारी किया कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। जिले के सीबीएसई स्कूलों का परिणाम उत्कृष्ट रहा। केंद्रीय विद्यालय बालाघाट की मीनल अग्रवाल ने वाणिज्य संकाय में 96.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वहीं, जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। जवाहर नवोदय विद्यालय में वाणिज्य संकाय से राज वर्धन सिंह और ऋषिकेश ठाकरे ने (श्रेष्ठ पांच विषय में) 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वहीं, विज्ञान संकाय से भावना चौधरी ने 95.2 अंक हासिल किए। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बालाघाट के प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे ने बताया कि विद्यालय के वाणिज्य संकाय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। वाणिज्य संकाय में इस वर्ष कुल 27 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। विज्ञान संकाय में 33 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 31 विद्यार्थी सफल रहे तथा दो विद्यार्थियों को पूरक प्राप्त हुई। विद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 97 प्रतिशत रहा।**

MINAL AGRAWAL 23-09-2024 | PALASH KHONGAL 23-09-2024 | HIMANI HARINKHEDE 23-09-2024 | RIYA KANKARIYA 23-09-2024 | RAGINI GAUTAM 23-09-2024 | KESHAV NANDAN BAGHEL 16-09-2025

वाणिज्य संकाय में केंद्रीय विद्यालय बालाघाट की मीनल अग्रवाल ने 96.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। पलाश खोंगल ने 96.4 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे और रिया कांकरिया ने 93.8 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। विज्ञान संकाय में हिमानी हरिनखेरे ने 93.8 प्रतिशत अंक, केशव नंदन बघेल ने 90.2 प्रतिशत अंक और रागिनी गौतम ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में 12वीं में कुल 74 विद्यार्थी रहे। इसमें विज्ञान संकाय के 41 और वाणिज्य के 33 विद्यार्थी थे। सभी 74 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। 12 विद्यार्थी ऐसे हैं, जिन्होंने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

बालाघाट इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। अक्षिता भारत ने 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में स्कूल टापर अक्षिता भरत को 7100 रुपये के चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान वीणा गुप्ता और तृतीय स्थान तनुजा नागपुरे को क्रमशः 5100 एवं 3100 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। सम्मान समारोह में प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का ही परिणाम है कि विद्यालय लगातार उत्कृष्ट परिणाम दे रहा है।

### नियमित अध्ययन सफलता की कुंजी- पलाश

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के छात्र पलाश खोंगल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 95.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है।वाणिज्य संकाय के छात्र पलाश खोंगल ने अकाउंटेंसी में 98 अंक, योगा में 98 अंक, इंफॉर्मेटिक्स प्रैक्टिस में 96 अंक तथा इंग्लिश, इकोनॉमिक्स और बिजनेस स्टडीज में 95-95 अंक प्राप्त किए। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।पलाश की इस सफलता पर माता विजया खोंगल, पिता मुकेश खोंगल सहित परिवारजनों, मित्रों एवं शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।पलाश ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, आत्मविश्वास और समय प्रबंधन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।विद्यालय प्रबंधन ने भी पलाश की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

## भैंस से टकराई मोटरसाइकिल- युवक घायल

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** हट्टा थाना अंतर्गत किरनापुर रोड पर मंगलवार को एक सड़क हादसा हो गया। ग्राम सिंगोड़ी के पास मोटरसाइकिल सवार एक युवक अचानक सामने आई भैंस से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान संजय मातरे पिता पेखरी मातरे 27 वर्ष ग्राम मुर्री थाना किरनापुर निवासी है। जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 मई को सुबह करीब 10 बजे संजय अपने किसी निजी काम से ग्राम हट्टा आए थे। काम निपटाकर वह मोटरसाइकिल से हट्टा से अपने गांव मुर्री लौट रहे थे। इसी दौरान किरनापुर रोड पर ग्राम सिंगोड़ी के पास अचानक एक भैंस उनकी मोटरसाइकिल के सामने आ गई। मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर भैंस से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि संजय मोटरसाइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल संजय को जिला अस्पताल, बालाघाट लाया गया। फिलहाल उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। हट्टा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।


### हिन्दी मुदलेखन प्रमाण पत्र गुम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं चन्द्रसिंह सैयाम वार्ड न. 23 संजय सरोवर कालोनी बालाघाट तह. जिला बालाघाट(म.प्र) का निवासी हुं।

मै कार्यालय कार्यपालन, यंत्री वैनगंगा संभाग बालाघाट में सहायक ग्रेड 2 के पद पर कार्यरत हुं। मैने सन 2000 में हिन्दी मुद्र लेखन की परीक्षा उत्तीर्ण की थी जिसका मूल प्रमाण पत्र रखरखाव के अभाव में गुम हो गया है।

अतः यह प्रमाण पत्र किसी भी व्यक्ति को मिले कृप्या संपर्क करे।

**चंद्रसिंह सैयाम**
**वार्ड न. 23 संजय सरोवर कालोनी**
**बालाघाट(म.प्र)**
**मो.न. 9131334214**



### न्यायालय तहसीलदार परसवाडा

रा.प्र.क्र.0002 ङ-154 वर्ष 2026-27
मौजा पटोरा प.ह.न. 25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता ग्राम पटोरा तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट को सूचित किया जाता है कि आवेदक भमोती उइके आ. जेठुसिंह जाति गोंड निवासी ग्राम ठेमा तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट ने अपने पुत्र/पुत्री/ पिता/पति जेठुसिंह उइके पिता माधुसिंह की मृत्यु दिनांक 15/02/2025 के मृत्यु संबंध घटना का ग्राम पंचायत पटोरा मे रजिस्ट्रीकरण नही हाने से मृत्यु की प्रविष्टि ग्राम पंचायत पटोरा में दर्ज कर मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति विशेष को आपत्ति / दावा प्रस्तुत करना हो तो नियत दिनांक 21/05/2026 तक मेरे न्यायलय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने अधिकर्ता के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के प्रश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज तारीख 06/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया है।

**तहसीलदार**
**परसवाडा जिला बालाघाट(म.प्र)**



### In The Court Of Sourabh Goswami,IV Civil Judge Junior Division,District Court Balaghat

Presiding Officer: सौरभ गोस्वामी

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000045/2026)

प्रमोद कुमार बैस..............................वादी
Vs
आम जनता..............................प्रतिवादी

Process Id-/2026
पेशी तारीख-19/06/2026

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- आम जनता

यह कि प्रार्थी प्रमोद कुमार बैस ने आपके विरूद्ध वाद वास्ते उदघोषणार्थ के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के **30 दिवस** के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज को लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 11 May 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

**न्यायाधीश**

कृपया ध्यान दे-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।


## स्वास्थ्य, खेल एवं कल्याण विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग तथा 'उमंग' स्वास्थ्य एवं कल्याण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन बुधवार, 13 मई 2026 को सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी का विषय फ्रस्वास्थ्य, कल्याण एवं आधुनिक विश्व के लिए खेलफ्र रहा। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के

रूप में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलब उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजाराम चक्रवर्ती, डॉ. डी.के. राणा रायपुर, सिविल सर्जन निलय जैन, महाविद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार मराठे तथा कार्यक्रम समन्वयक पी.एस. कातुलकर सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन एवं स्वागत गीत के साथ किया गया। संगोष्ठी के दौरान कनाडा से डॉ. समर ई. भागीरथी तथा ऑस्ट्रेलिया से डॉ. पूनम चौहान ने ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिए। इसके अलावा डॉ. डी.के. राणा रायपुर, सुशील पटवा, सुनील दत्त लखेरा, डॉ. ऋषिकेश पटेल, अधीर घोड़ेश्वर, रोशनी टेम्भरे तथा शोधार्थी मोहित मौर्य ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम संयोजक अनिल कुमार झरखड़े ने सहभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों, खेल अधिकारियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय परिवार, जिले के खेल अधिकारियों तथा खेल प्रेमियों का विशेष योगदान रहा।

# खबर प्रकाशन के बाद जागा अस्पताल प्रबंधन, हटाया गया पानी से पहरा

### वाटर कूलर पहुंच मार्ग से हटाए गए सरकारी वाहन, रास्ता हुआ साफ
### पुनः लोगों को मिलने लगी ठंडे पानी की सुविधा

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है। जहां खबर का प्रकाशन होते ही अस्पताल प्रबंधन ने ट्रामा सेंटर परिसर गेट के पास लगाए गए वाटर कूलर तक लोगों के आवागमन के लिए व्यवस्था बना दी है।जहां खबर का संज्ञान लेते हुए वाटर कूलर पहुंच मार्ग पर अड़ाकर रखे गए सभी सरकारी वाहनों को वहां से हटा दिया गया है जिसके चलते वाटर कूलर तक पहुंचाने का रास्ता अब साफ हो गया है। जिसका लाभ अभी अब ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को मिलने लगा है। जिससे लोगों ने एक बार फिर राहत की सांस ली है।

### भीषण गर्मी में ठंडे पानी के लिए भटक रहे थे मरीजो के परिजन

आपको बताएं कि पिछले कुछ दिनों से ट्रामा सेंटर परिसर में वाटर कूलर पहुंच मार्ग पर सरकारी वाहन खड़े किए जा रहे थे ,जहां तीन-तीन सरकारी वाहन मार्ग पर खड़े होने के चलते वाटर कूलर तक पहुंचाने का मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया था और ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीज व उनके परिजनों को ठंडे पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा था, स्थानीय लोगों से मिली शिकायत के आधार पर पदमेश न्यूज़ और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में यह खबर प्रमुखता के साथ प्रकाशित की गई थी। जहां मंगलवार को खबर का प्रकाशन होते ही संबंधित विभाग हरकत में आया और उन्होंने सरकारी वाहनो को वाटर कूलर पहुंच मार्ग से हटाने के आदेश जारी कर दिए।जिससे सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि वाटर कूलर पहुंच मार्ग पर सरकारी वाहन लगना बंद हो चुके हैं,तो दूसरी ओर यह मार्ग पूरी तरह से खाली हो चुका है। जिसका लाभ भी स्थानीय लोगों को मिलने लगा है। जबकि कुछ दिनों से ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीज और उनके परिजन पीने के पानी के लिए कभी कैंटीन, कभी जिला अस्पताल तो कभी इधर-उधर भटकते नजर आते थे, तो कभी उन्हें अपने सूखे गले को तर करने के लिए 20रु की पानी की बोतल खरीद कर अपनी प्याज बुझानी पड़ती थी,जिससे अब मरीजों और उनके परिजनों को छुटकारा मिल गया है और उन्हें अब 24 घंटे ठंडे पेयजल की सुविधा वाटर कूलर के माध्यम से मिलने लगी है।वही सरकारी वाहन भी वाटर कूलर पहुंच मार्ग पर अड़ा के नहीं रखे जा रहे हैं जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सास ली है।

### नालियों की साफ सफाई कर बनाई गई पानी निकासी की व्यवस्था

उधर नालियों की साफ सफाई कर पानी निकालने की व्यवस्था भी बनाई गई है, बताया गया कि नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों को बुलाकर पिछले तीन माह से चोक हुई नाली की साफ सफाई कराई गई है। जिससे परिसरवासियों मरीजो और उनके परिजनों को काफी हद तक राहत मिल गई है। वही संक्रमण फैलने का खतरा भी काफी कम हो गया है। हालांकि नालियों की साफ सफाई का यह कार्य अभी पूर्ण नहीं हो पाया है,जिसके चलते थोड़ी अव्यवस्था जरूर देखी जा रही है, लेकिन यह कार्य भी जल्द पूरा कराए जाने की बात अस्पताल प्रबंधन द्वारा कहीं गई है।

# अवैध रेत परिवहन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित लगभग 100 ट्रॉली रेत जप्त

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं व्यापार करने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना वारासिवनी पुलिस ने कटंगी रोड स्थित विजय नगर कॉलोनी के एक प्लॉट पर अवैध रूप से डंप की गई रेत के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रेत का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ लिया तथा मौके से लगभग 100 ट्रॉली अवैध रेत जप्त की। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि विजय नगर कॉलोनी स्थित एक प्लॉट पर अवैध रूप से रेत डंप कर उसका परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना वारासिवनी पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान रेत लेकर जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहन क्रमांक MP502619 को जप्त किया गया। मामले में आरोपी चालक युवराज बाहेश्वर 26 वर्ष खंडवा थाना वारासिवनी निवासी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। इस मामले में थाना वारासिवनी में अपराध क्रमांक 209/26 दर्ज कर धारा 303(2), 317(5) बीएनएस, 21/4 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 तथा 53(1) म.प्र. गौण खनिज अधिनियम 1996 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध खनिज कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उक्त कार्रवाई में थाना वारासिवनी पुलिस स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

## पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट का बारहवीं परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट का कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे ने बताया कि विद्यालय के वाणिज्य संकाय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत दर्ज किया गया है, वाणिज्य संकाय में इस वर्ष कुल 27 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी और सभी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंकों के साथ सफलता प्राप्त की। वहीं विज्ञान संकाय में 33 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 31 विद्यार्थी सफल रहे तथा 2 विद्यार्थियों को पूरक प्राप्त हुई। विद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 97 प्रतिशत रहा। सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। वाणिज्य संकाय में कु. मीनल अग्रवाल ने 96.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। मास्टर पलाश खोंगल ने 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा कु. रिया कांकरिया ने 93.8 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार विज्ञान संकाय में कु. हिमानी हरिनखेरे ने 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मास्टर केशव नंदन बघेल ने 90.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय एवं कु. रागिनी गौतम ने 89 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा विद्यालय परिवार को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## कांग्रेस पूर्व प्रदेश सचिव जुगल शर्मा ने सरकार से की सादगी अपनाने की मांग

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव जुगल शर्मा ने देश और प्रदेश की वर्तमान आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए सरकार से सादगी अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जब आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक दबाव का सामना कर रही है, तब सरकार और जनप्रतिनिधियों को भी फिजूलखर्ची पर रोक लगाकर जनता के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।जुगल शर्मा ने जनता की भी सरकार से 7 अपील के माध्यम से सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि एक वर्ष तक सरकारी उत्सवों और अनावश्यक आयोजनों पर रोक लगाई जाए तथा सरकारी कार्यक्रमों में सादगी अपनाई जाए। इसके साथ ही सांसदों और विधायकों के वेतन, भत्तों एवं पेंशन में अस्थायी कटौती कर उस राशि को जनहित और विकास कार्यों में लगाया जाए।उन्होंने कहा कि राजनीतिक रैलियों में होने वाली भीड़-भाड़ और अनावश्यक खर्च कम होना चाहिए तथा डिजिटल रैली और ऑनलाइन संवाद को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विदेशी दौरों, बड़े-बड़े डेलिगेशन और वीआईपी काफिलों पर होने वाले खर्चों पर भी नियंत्रण जरूरी है।

**मकान बेचना है**
17×44 एरिया में निर्मित डबल स्टोरी सेमी फर्निश्ड बोरिंग सहित पूर्वमुखी मकान बेचना है
वार्ड नं. 6 चित्रगुप्त नगर, बालाघाट
9244108543

**आवश्यकता है**
होटल कान्हा में काम करने वाले लड़के की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता
9993282223
9425139875

**किराये पर उपलब्ध**
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

**बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध**
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
**तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स**
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

## न्यूज गैलरी

### घरेलू विवाद में बीच बचाव करने आए बेटे पर गिरी कुल्हाड़ी पैर में आई चोट

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी अंतर्गत ग्राम कोस्ते में बुधवार की शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ माता पिता के बीच हो रहे झगड़े को शांत कराने पहुँचे १५ वर्षीय किशोर पर अचानक कुल्हाड़ी गिर गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किशोर को तत्काल सिविल अस्पताल लाया गया जहाँ

चिकित्सकों के द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोस्ते निवासी धूपलाल मरकाम का बुधवार की शाम किसी पारिवारिक विषय को लेकर अपनी पत्नी के साथ विवाद हो रहा था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि घर में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर धूपलाल का १५ वर्षीय पुत्र मोहित मरकाम मौके पर पहुँचा और अपने माता पिता के बीच हो रहे झगड़े को शांत कराने का प्रयास करने लगा। परिजनों के मुताबिक गुस्से में आपा खो चुके धूपलाल ने अपनी पत्नी को छोड़कर बेटे मोहित के साथ ही मारपीट शुरू कर दी। इसी छीना झपटी और धक्का मुक्की के दौरान मोहित को एक तेज धक्का लगा जिससे वह अनियंत्रित होकर जमीन पर गिर पड़ा। दुर्भाग्यवश वहीं पास में रखी एक कुल्हाड़ी अचानक मोहित के पैर पर जा गिरी। कुल्हाड़ी की धार तेज होने के कारण मोहित का पैर बुरी तरह कट गया और वह लहूलुहान होकर वहीं तड़पने लगा। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। लहूलुहान हालत में मोहित को उसकी माँ और चाचा के द्वारा तत्काल सिविल अस्पताल लाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फौरन प्राथमिक उपचार शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक मामले में किसी भी प्रकार की पुलिस शिकायत दर्ज होने की पुष्टि नहीं हुई है।

# अवंतीबाई चौक निर्माण कार्य से बिगड़ी यातायात व्यवस्था, बस स्टैंड में लग रहा जाम

**जिला चिकित्सालय की ओर से आने वाला ट्रैफिक बस स्टैंड मार्ग पर डायवर्ट, जाम लगने से लोग परेशान**

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका द्वारा अवंतीबाई चौक में चल रहे निर्माण कार्य के चलते एक तरफ का मार्ग बंद कर दिया गया है। इसके कारण जिला चिकित्सालय की ओर से आने वाला पूरा यातायात अब बस स्टैंड मार्ग की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। वहीं पहले से ही अव्यवस्थित बस संचालन और सड़क पर खड़ी रहने वाली बसों के कारण स्थानीय बस स्टैंड क्षेत्र में जाम जैसे हालात बने रहते थे, लेकिन अब ट्रैफिक डायवर्ट होने के बाद स्थिति और अधिक खराब हो गई है। वर्तमान में जिला चिकित्सालय की दिशा से आने वाले चारपहिया, दोपहिया और अन्य वाहन बस स्टैंड होकर गुजर रहे हैं। ऐसे में बसों के आने और निकलने के दौरान सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हर घंटे यहां जाम की स्थिति निर्मित हो रही है, जिससे आम नागरिकों के साथ मरीजों और स्कूली बच्चों को भी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। इस अव्यवस्था का एक नजारा 13 मई की दोपहर करीब 3:30 बजे देखने को मिला, जब बस स्टैंड क्षेत्र में जाम लग गया। लोग अपने वाहनों को निकालने के लिए इधर-उधर रास्ता खोजते नजर आए। जाम के कारण कुछ समय तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा और लोगों को भीषण गर्मी में परेशान होना पड़ा।

शहर में पिछले कुछ दिनों से यातायात व्यवस्था लगातार बिगड़ती नजर आ रही है। शहर के भटेरा, बूढ़ी, अवंती बाई चौक और मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ने से लोगों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर दिनभर जाम जैसे हालात बने रहते हैं, जिससे आमजन खासे परेशान हैं। भटेरा क्षेत्र में इन दिनों ओवरब्रिज निर्माण कार्य और बनवे व्यवस्था के चलते यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। स्थिति यह है कि यहां से गुजरने वाले लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं प्रशासन द्वारा यातायात डायवर्ट करने के लिए जिस वैकल्पिक मार्ग का चयन किया गया था, उसे अब तक शुरू नहीं किया गया है, जिसके कारण भटेरा मार्ग पर लगातार जाम की स्थिति बन रही है। इधर अवंती बाई चौक में नगर पालिका द्वारा चल रहे निर्माण कार्य के चलते बूढ़ी अस्पताल की ओर से आने वाले मार्ग को खोदकर पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इसके चलते अब पूरा यातायात बस स्टैंड होकर गुजर रहा है। जबकि बस स्टैंड क्षेत्र पहले से ही अव्यवस्थित यातायात और बसों के समय से पहले पहुंचने की समस्या से जूझ रहा है। ऐसे में अतिरिक्त ट्रैफिक आने से यहां हालात और बिगड़ गए हैं। बस स्टैंड के अंदर से दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बढ़ने के कारण यहां बार-बार जाम लग रहा है। लोग रास्ता निकालने के लिए इधर-उधर से वाहन निकालते नजर आ रहे हैं, जिससे अव्यवस्था और बढ़ रही है। इसका नजारा 13 मई की दोपहर करीब 3:30 बजे भी देखने को मिला, जब बूढ़ी की ओर से आ रहे भारी ट्रैफिक के चलते बस स्टैंड क्षेत्र में लंबा जाम लग गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब यहां दिनभर ऐसी ही स्थिति बनी रहती है। लगातार बसों की आवाजाही और अतिरिक्त ट्रैफिक के कारण आम नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों ने संबंधित विभाग से जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

### रोड़ खोदने से कुछ परेशानी हो रही है - यीना राहंगडाले

इस मामले को लेकर यातायात थाना प्रभारी सूबेदार यीना राहंगडाले से दूरभाष पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि अवंती बाई चौक में नगर पालिका द्वारा सड़क खोदने के कारण फिलहाल कुछ परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात व्यवस्था संभालने के लिए एक प्वाइंट लगाया जाएगा और वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर भी जल्द प्रयास किए जाएंगे। साथ ही भटेरा क्षेत्र में निर्माण कार्य के चलते हो रही समस्याओं के समाधान के लिए भी जल्द आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

## रंजीश ऐसी की बकरा बकरियों को खाने में मिलाकर दे दिया जहर?

**जहर खुरानी से दो बकरों सहित एक बकरी की हुई मौत, ग्राम धापेवाड़ा का मामला, पशुपालक ने पुलिस से की शिकायत**

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम धापेवाड़ा में बकरा बकरी और उसके मालिक से रंजिश का एक मामला सामने आया है। एक बकरी पालक किसान ने, गांव के ही 2 लोगो पर रंजिश के तहत उनके बकरा बकरियों को जहर देकर मारने का आरोप लगाया है।आरोप है कि गांव के ही व्यक्ति रामकिशोर और उसका भाई पवन मोहारे ने बकरी पालक किसान प्रेमचंद लिल्हारे के घर की बकरा बकरी को खाने में मिलाकर जहर दे दिया। जिससे 2बकरा और एक बकरी की तड़प तड़प कर मौके पर ही मौत हो गई।उधर बकरी पालक किसान प्रेमचंद लिल्हारे ने कोतवाली पुलिस से मामले की शिकायत की है जिसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

### पहले बकरा बकरियों को जहर देकर मारने की दी धमकी, दो दिन बाद घटना को दिया अंजाम

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम धापेवाड़ा निवासी प्रेमचंद लिल्हारे, खेती किसानी का काम करते हैं। जिन्होंने अपने घर में बकरा बकरी भी पाल रखी है।किसान द्वारा बताया गया कि गांव के ही दो व्यक्ति रामकिशोर मोहारे और उसके भाई पवन मोहारे की बड़ी में उनकी बकरा बकरी चली गई थी जिस पर दोनों भाइयों ने बकरियों को कुल्हाड़ी से या फिर जहर देकर करने की धमकी दी थी।किसान का आरोप है कि धमकी देने के दो दिन बाद दोनों भाइयों ने बकरी को खाने में जहर देकर मार दिया।

### मौत के वक्त बकरा बकरी के मुह से निकल रहा था झांग

बताया गया कि यह घटना उस वक्त घटी जब किसान प्रेमचंद लिल्हारे का भतीजा चन्द्रप्रकाश पिता ज्ञानचंद लिल्हारे बकरी चराने के लिए खेत की तरफ गया था, बकरियां चराने के दौरान उसे प्यास लगी ,तो वह घर पानी पीने के लिए आ गया,जबकि बकरा बकरी बंधी में ही चर रही थी। इसी दरमियान उनकी पड़ोसी ज्ञानता बाई ने बताया कि उनके बकरा बकरी बंधी में तड़प रहे हैं, जब किसान के परिजनों ने बंधी में जाकर देखा तो बकरा बकरियों के मुंह से झाग निकल रहा था पास में ही दो कटोरो में खाना रखा हुआ था और कुछ देर में ही 2बकरा सहित एक बकरी ने तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया।

### चावल में जहर मिलाकर खिलाने से हुई है मौत

पशु मालिक प्रेमचंद लिल्हारे ने बताया कि गांव के ही रामकिशोर मोहारे व उसके भाई द्वारा धमकी दी गई थी कि बकरियां अगर उनके घर-बाड़ी में पहुंची तो वह जहर देकर या कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर देंगे। इसके बाद में 12 मई को शाम कटोरा में चावल व जहरीली दवा खिलाई गई है जिससे बकरियों की देर शाम मौत हो गई।उन्होंने डायल 112 में शिकायत की इसके बाद में पुलिस भी मौके पर पहुंची, वहीं 13 मई को पशु चिकित्सालय बालाघाट लाया गया जहां पर मृत 2 बकरों व एक बकरी का पोस्टमार्टम किया गया। पीड़ित को लगभग 20 से 30 हजार रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया है।

### लैब जांच के लिए स्वयं के खर्च से सागर जाने कह रहे अधिकारी

किसान ने पशु चिकित्सालय में उन्हें उचित सुविधा नहीं मिलने पर नाराजगी जताई है उनका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट लैब जांच के लिए पशु मालिक को ही सागर जाने के लिए कहा जा रहा है जिससे उन्हें और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है उनका कहना है कि वे गरीब परिवार से आते है।लैब रिपोर्ट के लिए सागर आने जाने का खर्च वे कहां से जुटा पाएंगे।उन्होंने लैब जांच व रिपोर्ट के लिए प्रशासनिक व्यवस्था किए जाने की भी मांग की है।

## तरुण हत्याकांड-प्रेमिका सविता और उसके दो नाबालिक भतीजे गिरफ्तार

**सविता के दो सगे भाई सहित पांच लोग पूर्व में हो चुके हैं गिरफ्तार**

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** रामपायली थाने के चर्चित तरुण हत्याकांड की मुख्य आरोपी और साजिश करता उसकी प्रेमिका और उसके दो नाबालिक भतीजे को गिरफ्तार कर लिया गया।पिछले सप्ताह हुए इस हत्याकांड ने लोगों को झकझोर दिया था। प्रेमिका को अपना बनाने के लिए 20 किमी दूर से तरुण लिल्हारे शादी में पहुंचा था।उसी प्रेमिका ने प्रेमी तरुण की हत्या करवा दी। जिस रात एक घर में शादी की खुशियां मनाई जा रही थीं, उसी रात एक प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत हो गया। इसी के साथ ही सविता की डोली उठने के साथ ही प्रेमी की अर्थी उठने की मनसा तो पूरी हो गई। किंतु वह भी पुलिस के हत्थे चढ़ गई। उसे गिरफ्तार कर लिया। इसी के साथ ही उसके दो नाबालिक भतीजे भी शामिल थे, उन्हें पुलिस ने भी गिरफ्तार किया है। सविता को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया और उसके दो भतीजे को बाल सुधार गृह सिवनी भिजवा दिया गया है। अब तरुण हत्या कांड में दो नाबालिक सहित आरोपियों की संख्या 8 हो गई हैं।

जानकारी के मुताबिक ग्राम ऐरवाटोला निवासी सविता लिल्हारे 28 वर्ष और तरुण लिल्हारे खैरलांजी निवासी के बीच पिछले 6 साल से प्रेम प्रसंग था और सविता की शादी उसी के बहन के देवर के साथ तय हो गई थी और शादी 5 मई को थी। इसी के साथ ही दोनों के बीच ब्रेकअप हो गया था कि।क्योंकि परिवारजनों के बीच पहले भी सामाजिक रूप से बैठक कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया। दोनों की बीच ब्रेकअप होने के बाद तरुण लिल्हारे ने अपना मुंडन भी करवा लिया था। इधर ब्रेकअप के बाद भी सविता लिल्हारे तरुण लिल्हारे को फोन लगाकर बातचीत करते रहती थी। 5 मई को सविता लिल्हारे की शादी उसके बहन के देवर से होनी थी। हाथों में मेंहदी लगाई गई थी। इसी दिन सविता लिल्हारे, तरुण लिल्हारे को फोन लगाते रहे और उसे बुलाते रही। यहां तक कि नहीं आने पर फांसी लगाने की भी धमकी दी थी और वह दुल्हन बनने के लिए तैयार नहीं हो रही थी। सविता लिल्हारे दुल्हन बन कर बारात का इंतजार कर रही थी और वह तरुण लिल्हारे से कॉल में बातें भी हो रहीं थी सविता ने तरुण लिल्हारे को शादी समारोह में आने और साथ भगा ले जाने की बात कहीं थी फिर तरुण लिल्हारे रात 10 बजे करीब अपने घर से मोटरसाइकिल में शादी में शामिल होने की बात कहकर निकला। उसे नहीं पता था कि जिस प्रेमिका से मिलने जा रहा हैं उसी ने उसकी मौत का जाल बिछाया हुआ हैं। तरुण लिल्हारे अपनी प्रेमिका की शादी में उससे आखिरी बार मिलने पहुंचा था। शादी के मंडप में जैसा ही दुल्हन के भाइयों ने तरुण को देख लिया। जिसके बाद विवाद बढ़ गया। फिर तरुण को मंडप से दूर ले जाकर लाठी-डंडों और मुक्कों से बेरहमी से पीटा गया। गंभीर चोटों के चलते उसकी मौत हो गई।जिसके बाद शादी समारोह के 100 मीटर दूर में ही उसे रख दिया गया। घर बारात आई लग्न लगी, साथ फेरे लिए और फिर माहौल शांत होने के बाद तरुण के शव ठिकाना लगने के लिए सविता के दो भतीजे नाबालिक लड़कों ने बाईक पर बिठालकर निर्वस्त्र कर गर्राबोड़ी-मुरझड़ मार्ग के पास फेंक दिया और बाइक डालकर इसे सड़क हादसा साबित करने की कोशिश की।

रामपायली पुलिस ने 8 मई को मामले का खुलासा करते हुए वेदप्रकाश लिल्हारे व हरिप्रकाश लिल्हारे (दुल्हन के सगे भाई), दिलीप लिल्हारे व कमलकिशोर (चचेरे भाई) और अन्य साथी योगेश वरकड़े यह सभी येरवाटोला निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, अब तरुण लिल्हारे हत्या कांड की मुख्य आरोपी उसकी कथित प्रेमिका सविता लिल्हारे को 12 मई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वहीं कथित प्रेमिका सविता के दो नाबालिक भतीजे को गिरफ्तार कर उन्हें बालसुधार गृह सिवनी में भेज दिया गया हैं। इस तरह प्रेम, धोखे और साजिश की इस कहानी में दुल्हन सविता की डोली उठने के साथ ही उसके प्रेमी तरुण की अर्थी उठ गई।

## खेत में धान काटने को लेकर चाचा-भतीजे में मारपीट

**जमीन विवाद में दोनों पक्षों पर अपराध दर्ज**

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम खारा में पारिवारिक जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। खेत से धान काटने के लिए मशीन ले जाने को लेकर चाचा खुशरंग पारधी और उनके दो भतीजे दिनेश व योगेश पारधी आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। किरनापुर पुलिस ने दोनों पक्ष के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खेती-किसानी करने वाले खुशरंग पारधी का अपने बड़े भाई के बेटे दिनेश और योगेश से जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। 12 मई को खुशरंग जब अपने खेत की धान काटने मशीन लेकर जा रहे थे।तब दिनेश और योगेश ने रास्ते में मशीन ले जाने से रोक दिया था। अगले दिन 13 मई की सुबह करीब 9:30 बजे जब खुशरंग अपने खेत में थे, उसी समय दिनेश और योगेश अपनी धान काटने की मशीन लेकर जा रहे थे। यह देख खुशरंग ने आपत्ति जताई कि कल मुझे मशीन नहीं ले जाने दी और आज खुद ले जा रहे हो, मैं अपनी धान कैसे काटूंगा। इसी बात पर विवाद बढ़ा और चाचा-भतीजों के बीच हाथापाई हो गई। खुशरंग पारधी ने भतीजे दिनेश और योगेश पर मारपीट व जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया। वहीं दिनेश ने भी चाचा खुशरंग पर मारपीट और जान से खत्म करने की धमकी देने का आरोप लगाया। बीच-बचाव के बाद दोनों पक्ष किरनापुर थाने पहुंचे। पुलिस ने दिनेश पारधी, उसके भाई योगेश पारधी और चाचा खुशरंग पारधी के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने कि आप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

## सड़क हादसे में युवक की मौत, लांजी के आमगांव रोड़ ,कटंगी का मामला

**खड़े डेकोरेशन वाहन से बाईक टकराने से हुआ हादसा , नाराज लोगों ने वाहन में की मामुली तोड़फोड़**

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** लांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आमगांव रोड, स्थित कटंगी में बीती रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक मोटरसाइकिल सवार युवक, सड़क किनारे खड़े डेकोरेशन वाहन से मोटरसाइकिल सहित जा टकराया। जहां इस सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई, मृतक युवक का नाम ग्राम नीमटोला निवासी 25 वर्षीय विजय पिता राधेश्याम वाकडे बताया गया है। इस सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत होने पर देर रात स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई जिन्होंने अपना आक्रोश जताते हुए सड़क पर खड़े डेकोरेशन के वाहन पर मामूली तोड़फोड़ भी की,उधर सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस में वस्तु स्थिति को संभालते हुए शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचा, जहां बुधवार की सुबह-शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है

### परिचित को छोड़ने आमगांव गया था युवक,वापस लौटते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार नीमटोला निवासी विजय वाकड़े मंगलवार की दोपहर किसी परिचित को छोड़ने आमगांव गया था, जहां से वह अपने परिचित को छोड़कर वापस लौटते समय, वह हादसे का शिकार हो गया। घटना की जानकारी के बाद डायल 112 मौके पर पहुंची

और मृतक युवक के शव को पीएम के लिए सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। जिसके शव का बुधवार की सुबह पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

### स्थानीय लोगो ने वाहन में की आंशिक तोड़फोड़

उधर घटना के बाद, वहां लोगों की भीड़ लग गई और घटना से नाराज लोगों ने वाहन में मामुली तोड़फोड़ भी की। घटना के बाद लांजी पुलिस ने डेकोरेशन वाहन को जब्त कर उसे थाने में खड़ा करा दिया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

### देवलगांव मिनी ट्रांसपोर्ट का बताया गया वाहन, पुलिस ने किया जप्त

बीती रात जिस डेकोरेशन वाहन के कारण यहा हादसा हुआ वह डेकोरेशन वाहन क्रमांक एमएच 35 एजे 0209 मनोज मिनी ट्रांसपोर्ट देवलगांव का बताया जा रहा है। जिसमें डेकोरेशन का सामान भरा था। जो सड़क पर खड़ा था।बताया गया कि उस ट्रक में कोई संकेतक नहीं होने से अंधेरा होने के कारण बाईक सवार विजय को वाहन दिखा नहीं और वह बाईक क्रमांक एमपी 50 जेडएफ 9624 सहित सीधे वाहन के पीछे से जा टकराया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उधर पुलिस ने डेकोरेशन के समान सहित उस वाहन को जप्त कर, थाने में खड़ा करवा लिया है।

# आस-पास की खबरें

## सर्व हिन्दू समाज की बैठक आज

दादागुरू भगवान की आगवानी की रूपरेखा पर होगी चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

निराहरी, परम तपस्वी, अवधूत सिध्द महायोगी दादागुरू भगवान का स्वागत समारोह की तैयारी करने 14 मई को शाम 7 बजे से मानपुर स्थित लॉन में सर्व हिन्दु समाज की आवश्यक बैठक आहूत की गई है। चर्चा में सर्व हिन्दु समा ज के पदाधिकारियों ने बताया कि निराहरी, परम तपस्वी, अवधूत सिध्द महायोगी दादागुरू भगवान का 17 मई को भरवेली आगमन होना है और वे बालाघाट-सिवनी मार्ग से होते हुए भरवेली प्रस्थान करेगें। उनके आगमन की जानकारी लगते ही उनके अनुयायियों के द्वारा नगर में स्वागत सत्कार करने की रणनीति तैयार की जा रही है। जिसकी तैयारी के संबंध में 14 मई को दादागुरू भगवान के आगमन पर उनकी अगवानी की रूपरेखा तय करने बैठक आयोजित की है। आयोजित बैठक में निराहारी, परम तपस्वी, अवधूत सिध्द महायोगी दादागुरू भगवान भरवेली आगमन पर नगर में स्वागत करने सहित विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया जायेगा। आगे बताया कि निराहरी, परम तपस्वी, अवधूत सिध्द महायोगी दादागुरू भगवान जी का सिवनी-लालबर्रा मार्ग से होते हुए भरवेली जायेगें और इस दौरान वे लालबर्रा में अल्प समय के लिए रूकेंगे। इसी बीच नगर में श्रध्दालुओं के द्वारा उनकी आगवानी एवं अभिनंदन भी किया जायेगा। इस अवसर पर नगर के सामाजिक, धार्मिक एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, युवाओं तथा श्रध्दालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है।

# खुले आसमान के नीचे पुराने कृषि उपज मंडी भवन के लोहे के एंगल और अन्य सामग्री

## लाखों रूपये की सामग्री हो रही खराब, जिम्मेदार मौन, नीलामी की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में कृषि उपज मंडी लालबर्रा का कार्यालय करीब 5 वर्ष पूर्व स्थानांतरित हो चुका है और बकोड़ा कृषि उपज मंडी से ही कार्यालय का संचालन हो रहा है। वहीं करीब 5 वर्ष पूर्व मंडी कार्यालय के नवीन भवन में स्थानांतरित होने के बाद भी पुराने कृषि उपज मंडी भवन से निकाले गये लोहे के एंगल, टीन, बल्ली व अन्य उपयोगी सामग्रियों की नीलामी अब तक नही होने के कारण बकोड़ा कृषि उपज मंडी परिसर में खुले आसमान के नीचे रखा गया है। जिसके कारण वह धीरे-धीरे खराब होने लगी है और बरसात के दिनों में बारिश होने पर लाखों रूपये की सामग्री खराब हो सकती है किन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। अगर मंडी प्रशासन के द्वारा पुरानी कृषि उपज मंडी भवन की सामग्रियों की नीलामी कर दी जाती है तो लाखों रूपये का राजस्व मंडी प्रशासन को मिलेगा। लेकिन इस नीलामी की प्रक्रिया हेतु कोई पहल नही की जा रही है जिसके कारण पुरानी मंडी भवन से निकाले गये लोहे के एंगल, टीन, बल्ली सहित अन्य सामग्री देख-रेख के अभाव में धीरे-धीरे खराब होने लगी है। क्षेत्रीयजनों ने मंडी प्रशासन से पुरानी मंडी कार्यालय से निकाले गये लोहे के एंगल सहित अन्य सामग्री की जल्द नीलामी करवाने की मांग की है।

### राजस्व का हो रहा नुकसान

आपकों बता दे कि लालबर्रा के हाई स्कूल मार्ग के वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने पूर्व में कृषि उपज मंडी का भवन था जो पूरी तरह से जीर्णशीर्ण हो चुका था। जिसके बाद नवीन कृषि उपज मंडी के भवन निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद पुरानी कृषि उपज मंडी के भवन को तोड़ दिया गया और अस्थाई रूप से सांदीपनी स्कूल के सामने स्थित सामुदायिक भवन में मंडी कार्यालय संचालित किया जा रहा था एवं पुरानी कृषि उपज मंडी के लोहे के एंगल, टीनशेड व अन्य सामग्री को सामुदायिक भवन में रखी गई थी। जिसके बाद बकोड़ा में करोड़ों रूपयों की लागत ने नवीन कृषि उपज मंडी भवन का निर्माण किया गया और करीब 5 वर्ष पूर्व उक्त नवीन भवन में मंडी कार्यालय विस्थापित कर दिया गया है। साथ ही पुराने मंडी कार्यालय के स्थान पर 72 कमरों का मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है। वहीं पुराने कृषि उपज मंडी भवन के उपयोगी सामग्री को भी बकोड़ा कृषि उपज मंडी परिसर में रखा गया है किन्तु अब तक उक्त सामग्री की नीलामी नही होने के कारण उसे खुले आसमान के नीचे रखा गया है जो सड़ रही है और धीरे-धीरे खराब होने लगी है। अगर मंडी प्रशासन के द्वारा जल्द नीलामी की प्रक्रिया के तहत लोहे के एंगल, टीनशेड़, लकड़ी की बल्ली व अन्य उपयोगी सामग्रियों को नीलाम कर दिया जाता है। तो मंडी को राजस्व प्राप्त होने के साथ ही जरूरतमंद लोगों को कम दामों में उपयोगी वस्तुएं प्राप्त हो सकती है। किन्तु अब तक पुराने कृषि उपज मंडी भवन की उपयोगी सामग्री की नीलामी की प्रक्रिया नही होने के कारण लाखों रूपयों की लोहे के एंगल, टीनशेड सहित अन्य सामग्री खराब हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे मंडी प्रशासन को लाखों रूपये का नुकसान हो रहा है। जागरूक नागरिकों ने मंडी प्रशासन से मांग की है कि पुरानी कृषि उपज मंडी भवन की जो उपयोगी सामग्री है उसकी नीलामी की जाये ताकि जरूरतमंद उसकी खरीदी कर सकते है जिससे मंडी प्रशासन को भी आर्थिक लाभ होगा।

**इनका कहना है-**

पुरानी कृषि उपज मंडी भवन की सामग्री की नीलामी के लिए उ'चाधिकारियों को अवगत करवा चुके है। भोपाल से नीलामी की प्रक्रिया के आदेश मिलने के बाद हमारे द्वारा नीलामी की जायेगी परन्तु अब तक नीलामी के संबंध में कोई आदेश नही आये है। पुरानी कृषि उपज मंडी भवन के लोहे के एंगल, टीनशेड, बल्ली व अन्य उपयोगी सामग्री की नीलामी होती है तो लाखों रूपयें का राजस्व प्राप्त होगा।

**वायआर ठाकरे**
**सचिव**
**कृषि उपज मंडी लालबर्रा।**

# लालबर्रा से बोरी मार्ग के सर्राटी पुल का एप्रोज कार्य हुआ शुरू

## तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के तहसील कार्यालय के समीप लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग पर स्थित सर्राटी नदी का पुल करीब तीन से चार वर्ष पूर्व बाढ़ की भेंट चढ गया था। वहीं उक्त पुल के एप्रोज (पहुंच मार्ग) निर्माण के लिए करीब 2 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत हो चुकी थी, लेकिन निर्माण कार्य प्रारंभ नही हुआ था। जिससे लोगों में बरसात के दिनों में आवागमन को लेकर चिंता सता रही थी। वहीं तेज बारिश एवं नदी में बाढ़ आने पर क'चा अस्थाई मार्ग क्षतिग्रस्त होने से दर्जनों ग्रामों का संपर्क मुख्यालय से पूरी तरह टूट सकता था। जिससे दर्जनों ग्रामों से नगर मुख्यालय आना-जाना आने वाले विद्यार्थी एवं ग्रामीणों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ सकता था। वहीं राशि स्वीकृत होने के बाद भी मानपुर-बोरी मार्ग के सर्राटी पुल का एप्रोज कार्य शुरू नही होने एवं आवागमन में हो रही परेशानियों को लेकर गत माह बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये। जिसके बाद तहसील कार्यालय के समीप लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग स्थित सर्राटी नदी पुल का एप्रोज कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसका कार्य शुरू होने से अब इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों को उम्मीद है कि बरसात के पूर्व कार्य पुर्ण हो जायेगा और विगत 3-4 वर्ष से क्षतिग्रस्त पुल के कारण आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल जायेगी। वहीं ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से पुल का एप्रोज कार्य तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाने की मांग की है।

बालाघाट खबर का असर एक्सप्रेस

### क्षतिग्रस्त पुल का एप्रोज कार्य होने से आवागमन मे होगी सुविधा

आपकों बता दे कि लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग के बीच तहसील कार्यालय के आगे सर्राटी नदी पर विगत वर्ष पूर्व सड़क निर्माण के साथ ही पुल का भी निर्माण करवाया गया था। जिसके बाद इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन, पढ़ाई करने वाले ब'चें सहित राहगीर आवागमन करते है। किन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण तीन से चार साल पहले हुई भारी बारिश के कारण सर्राटी नदी का यह महत्वपूर्ण पुल दो स्थानों से क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसके बाद से ही दर्जनों गांवों के ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं और राहगीरों को आवागमन में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या को देखते हुए वर्ष 2024 में जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे और स्थानीय सरपंचों के नेतृत्व में जनसहयोग से पुल की मरम्मत कर एक वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया था। जिसके बाद अस्थाई रूप से मार्ग का निर्माण होने के बाद आवागमन शुरू हो गया था। यह कच्चा निर्माण कमजोर होने लगा था और बारिश के पूर्व पक्का निर्माण कार्य नही किया जाता तो सर्राटी नदी में अधिक पानी बहने पर धीरे-धीरे पानी के बहाव में मिट्टी कटकर बह जाती। जिसके बाद आवागमन पूरी तरह से बाधित हो सकता था। वहीं क्षेतीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के विशेष प्रयासों से क्षतिग्रस्त पुल के एप्रोज निर्माण हेतु आवश्यक बजट स्वीकृत करवाया गया था किन्तु राशि स्वीकृत होने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नही हो रहा था। यानि कि प्रशासनिक लेट-लतीफी के कारण निर्माण कार्य में प्रारंभ नहीं हो पा रहा था। राशि स्वीकृत होने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नही होने एवं आवागमन में हो रही परेशानी की समस्या को लेकर गत माह बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित करवाकर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। जिसके बाद करीब दो करोड़ रूपयों की लागत से मानपुर से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पुल पर एप्रोज निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। जिसका कार्य हो जाने से आवागमन में सुविधा होगी।

**इनका कहना है-**

लालबर्रा से मानपुर-बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पुल के क्षतिग्रस्त स्थान पर एप्रोज कार्य के लिए शासन से करीब 2 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत हुई है। उक्त राशि से एप्रोज कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और बरसात के पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया जायेगा।

**निलेश बरडे**
**उपयंत्री**
**प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग बालाघाट।**

# रबी धान की कटाई में जुटे किसान

## बार-बार मौसम परिवर्तन होने से किसान रबी धान की फसल को लेकर चिंतित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में इस वर्ष जिन किसानों के पास सिंचाई का साधान है ऐसे किसानों ने रबी सीजन में रबी धान की फसल लगाये है और जिन किसानों की धान पककर तैयार हो चुकी है उनके द्वारा युध्द स्तर पर कटाई का कार्य किया जा रहा है मौसम को देखते हुए। वहीं जिन किसानों की धान की फसल को पकने में समय है और ग्रामीण क्षेतों में बिजली कटौती होने व पानी के अभाव से वे अपनी फसल में सिंचाई समय पर नही कर पा रहे है। ऐसी स्थिति में उनकी फसल को पकने में समय अधिक लग रहा है और बार-बार मौसम परिवर्तन एवं नियमित रूप से बिजली नही मिलने के चलते सिंचाई नही करने से उनकी फसल प्रभावित हो रही है परन्तु जिन किसानों की फसल पककर तैयार हो चुकी है। ऐसे किसान धान की फसल की कटाई कार्य में जुट गये है। साथ ही कुछ किसानों के द्वारा बड़ी हारवेस्टर मशीन से गहानी का कार्य किया जा रहा है तो वहीं कुछ किसानों के द्वारा मशीन से कटाई कर थ्रेसर एवं बैलगाड़ी से धान को चुरने का काम कर रहे है। साथ ही बार-बार मौसम परिवर्तन होने एवं मौसम विभाग ने 20 मई तक बदलीनुमा मौसम व बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। अगर अचानक तेज बारिश होती है तो किसानों की पकी फसल गीली हो सकती है जिससे उन्हे आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। साथ ही वर्तमान समय में दोपहर के समय में लग रही भीषण गर्मी से हलाकान होते नजर सभी नजर आ रहे है और उन्हे लग रहा है कि अब बारिश नही होगी परन्तु बुधवार को दोपहर के बाद आसमान में बदलीनुमा मौसम बन गया था। जिससे ऐसा लग रहा था कि बारिश हो सकती है। वहीं किसानों का मानना है कि मई माह भर मौसम परिवर्तन एवं बारिश नही होती है तो सभी किसान रबी धान की फसल को सुरक्षित कर लेगें। किसानों ने बताया कि इस वर्ष लालबर्रा क्षेत में जिन किसानों के पास सिंचाई का पर्याप्त साधन है ऐसे ही किसानों के द्वारा धान की फसल लगाई गई है। जिसमें से जिन किसानों ने पूर्व में रोपा लगाये थे और सिंचाई का साधन था उनकी फसल पककर तैयार हो चुकी है और वे कटाई कर रहे है परन्तु जिन लोगों ने बाद में लगाये है। उनकी फसल को पकने में समय है और बार-बार मौसम परिवर्तन होते रहता है जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी भी फसल में लग रही है। जिसकी रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी किया जा रहा है। वहीं मौसम परिवर्तन होने के साथ ही बारिश होती है तो जिनकी फसल पककर कटाई लायक तैयार हो चुकी है उन्हे सबसे अधिक नुकसान होगा। वहीं किसानों ने शासन-प्रशासन से खरीफ धान की तरह रबी सीजन की धान की फसल को भी समर्थन मूल्य में खरीदने की मांग की है ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

# मोहगांव खुर्द में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह जारी

## भक्ति के रस में डूबा मोहगांव भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव की धूम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मोहगांव खुर्द में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन आज पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन में धर्म पथिक राष्ट्रीय प्रवक्ता पूज्य शैलेंद्र कृष्ण वृन्दावन धाम ने अपनी अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को निहाल कर रहे हैं। १० मई को यहां श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ भव्य दिव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने शिरकत कर अपने सर पर मंगल कलश धारण कर शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंची। जहां शोभायात्रा का समापन कर ग्राम देवता पूजन और भागवत माहात्म्य कथा के साथ भक्ति पर्व का आगाज हुआ। कथा के दूसरे दिन सोमवार को श्री परीक्षित जन्म और श्री शुकदेव के आगमन का प्रसंग सुनाया गया जिसने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी प्रकार मंगलवार को ध्रुव चरित्र, जड़ भरत और प्रहलाद चरित्र के माध्यम से भक्त और भगवान के अटूट संबंध की व्याख्या की गई। वहीं बुधवार को कथा के चौथे दिन पूज्य महाराज श्री ने गजेंद्र मोक्ष, समुद्र मंथन और बलि वामन संवाद के मर्मस्पर्शी प्रसंगों का वर्णन किया। जिसके बाद श्री राम जन्म और श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन हुआ इस दौरान पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भाव.विभोर होकर झूम उठे। जैसे ही भगवान श्री कृष्ण का प्राकट्य हुआ पूरा परिसर नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। वहीं श्री राम जन्म पर लोगों ने काफी उत्सव मनाते हुए जय जय श्री राम के उद्घोष लगाकर उत्सव मनाया। इस आयोजन में प्रतिदिन शाम ४ बजे से प्रभु इच्छा तक चलने वाली इस ज्ञान गंगा में ना केवल मोहगांव बल्कि आसपास के ग्रामों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इसमें गुरुवार को भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाएं माखन चोरी और गोवर्धन पूजन का उत्सव मनाया जाएगा। वहीं १५ मई को महारास लीला और रुक्मणी विवाह का भव्य आयोजन होगा। समापन शनिवार १६ मई को सुदामा चरित्र और महाप्रसाद वितरण के साथ होगा। इस अवसर पर आधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील आयोजन गणों ने की हैं।

# गिरता भूजल स्तर चिंता का विषय, बूंद-बूंद को तरस रहे ग्रामीणजन

# नदी किनारे बसे खंडवा गांव में गहराया जल संकट, दम तोड़ रही नल जल योजना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

**वारासिवनी मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत खंडवा इन दिनों भीषण जल संकट के दौर से गुजर रही है। विडंबना यह है कि चंदन नदी के तट पर बसे होने के बावजूद इस ग्राम में भू.जल स्तर इतनी तेजी से गिरा है कि गांव के पारंपरिक जल स्त्रोत पूरी तरह जवाब दे चुके हैं। पिछले १५ दिनों से बनी इस स्थिति ने ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं।**

## सूख गए कुएं हांफ रहे हैंडपंप

ग्राम खंडवा की स्थिति वर्तमान में काफी विकट है। गांव के लगभग सभी कुएं सूख चुके हैं। जो हैंडपंप ग्रामीणों की प्यास बुझाते थे वे भी अब काफी मशक्कत के बाद बमुश्किल दो डब्बा पानी उगल पा रहे हैं। ग्रामीणों को घंटों लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है तब कहीं जाकर उन्हें जरूरत भर का पानी मिल रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई नल जल योजना भी गिरते जल स्तर के आगे असहाय नजर आ रही है। वर्तमान में पूरे गांव में मात्र १५ मिनट पानी की सप्लाई की जा रही है जो पीने के लिए भी पर्याप्त नहीं है। जल स्तर नीचे जाने के कारण बोरवेल की मोटर बार बार जल रही है जिससे योजना एक से दो सप्ताह तक बंद पड़ जाती है। ग्रामीणों के लिए सबसे हैरत की बात यह है कि खंडवा ग्राम चंदन नदी के किनारे स्थित है। प्राकृतिक रूप से नदी किनारे का जल स्तर अच्छा होना चाहिए लेकिन यहाँ का भू.जल स्तर अचानक गिरने से भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत मिल रहा है। निस्तार के लिए ग्रामीण पूरे गांव में बचे मात्र एक दो कुओं पर निर्भर हैं या फिर भीषण गर्मी में एक किलोमीटर का सफर तय कर खेतों या अन्य स्त्रोतों से पानी लाने को विवश हैं। खंडवा के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि केवल तात्कालिक राहत नहीं बल्कि एक ठोस जल प्रबंधन नीति बनाई जाए। यदि अभी यह हाल है तो आने वाले वर्षों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। हमें एक ऐसी योजना चाहिए जो टिकाऊ हो और हमें इस प्यास से मुक्ति दिला सके।

## मोटरों पर प्रतिबंध बाल्टी रस्सी का सहारा

जल संकट की भयावहता को देखते हुए ग्राम पंचायत खंडवा ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पंचायत के द्वारा गांव के सार्वजनिक कुओं में लगी पानी की मोटरों को निकलवा दिया गया है। साथ ही अब कुओं से मोटर के जरिए पानी खींचने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है। ग्रामीणों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे केवल बाल्टी और रस्सी के माध्यम से ही पानी निकालें ताकि सीमित जल का दोहन अनियंत्रित तरीके से ना हो और सभी को थोड़ा बहुत पानी मिल सके।

## जल संकट बना हुआ है पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है- कोमलप्रसाद पटले

ग्रामीण कोमल प्रसाद पटले ने बताया कि हमारे यहां जल संकट है पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है पंचायत के द्वारा अभी २ दिन से पानी दिया जा रहा है। १५ दिनो से बहुत ज्यादा स्थिति खराब है कुएं सूख गए हैं हैंडपंप का पानी निकालने काफी देर तक मेहनत करना पड़ता है तब जाकर पानी मिल रहा है। सभी हैंडपंप की यही स्थिति है नल जल योजना का पानी मिल रहा है परंतु वह पर्याप्त नहीं है। जिला प्रशासन को कोई योजना लाकर इस जल संकट को खत्म करना चाहिए।

## ग्राम के १२ कुएँ सूख गए है जिससे पानी की समस्या बनी हुई है- अशोक कावरे

ग्रामीण अशोक कावरे ने बताया कि हमारे ग्राम में करीब १२ कुएँ सूख गए हैं वहां पर एक बूंद पानी नहीं है। हैंडपंप चालू है पर वह बहुत कम पानी उगल रहे हैं नल जल योजना पिछले १५ दिनों से बंद थी अभी २ दिन से पानी दे रहे है। उसमें भी १५ मिनट पानी मिलता है जिसमें अधिकतम १० बाल्टी पानी लोगों को मिल पाता है जो पीने के लिए भी पर्याप्त नहीं होता है। बाकी निस्तार के लिए करीब १ किलोमीटर दूर जाते हैं जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को इस नल जल योजना का उद्धार करना चाहिए ताकि ग्राम के लोगों को इस समस्या से निजात मिल सके।

## पूरे ग्राम का जल स्तर बहुत ज्यादा गहराई में चल गया है-ईश्वरी बुरे

ग्रामीण ईश्वरी बुरे ने बताया कि ग्राम के किसी एक क्षेत्र में नहीं पूरे ग्राम का जल स्तर बहुत ज्यादा गहराई में चल गया है। यही कारण है कि कुएं सूख गए हैं हैंडपंप बराबर पानी नहीं उगल रहे नल जल योजना से पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। हमें पानी लाने के लिए आधा किलोमीटर से अधिक दूर जाना हो रहा है कुछ हैंडपंप चालू है जिसमें कड़ी मेहनत के बाद दो डब्बा पानी निकलता है फिर १५ मिनट इंतजार करना पड़ता है रुक.रुक कर पानी निकलता है। पहली बार इतनी खराब स्थिति ग्राम के अंदर निर्मित हुई है प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

## भीषण गर्मी के कारण ग्राम का तेजी से जल स्तर घट गया है- स्वरूप मरठे

सरपंच पति स्वरूप मरठे ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण ग्राम का तेजी से जल स्तर नीचे चले गया है बोरवेल में पर्याप्त पानी नही होने से ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। नल जल योजना की मोटर भी बार बार खराब हो रही है जिससे हर किसी को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। जिला प्रशासन को इस समस्या पर गंभीरता से विचार कर नई योजना लाकर ग्रामीणों को लाभान्वित करना चाहिए। हमारा गांव नदी किनारे है परंतु नदी बहुत नीचे जा चुकी है जिससे जलस्तर और नीचे जा चुका है। फिर भी पंचायत के द्वारा ग्राम में लोगों को पानी उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

# आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी का सीबीएसई कक्षा बारहवी का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

### विज्ञान संकाय में लवी बाहेश्वर और वाणिज्य संकाय में अनुष्का बोकड़े ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** बुधवार को घोषित किये गये सीबीएसई कक्षा बारहवी बोर्ड परीक्षा सत्र २०२५-२६ में आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी के विद्यार्थीयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की मेहनत, विषय शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा विद्यालय प्रबंधन के सतत प्रयासों का शानदार परिणाम इस वर्ष देखने को मिला है।

गौरतलब है की कक्षा दसवी के बाद कक्षा बारहवीं में भी इस विधालय का परीक्षा परिणाम १०० प्रतिशत रहने से विशेषकर अभिभावकगणो में हर्ष का विषय देखा जा रहा है। जिसमें विज्ञान संकाय में लवी बाहेश्वर ९१.६ प्रतिशत , श्रेया मेश्राम ८८.२ प्रतिशत, प्राची घोडेश्वर ८६.८, अर्श सतदेवे ८६.६, प्रिंस खांडेकर ८३.८, अर्चित्य झा ८०.६, पूजा अडे ७९.४, श्रस्ती बिसेन ७९.४, अरुषि बोकड़े ७८.४, आरोही मेश्राम ७६.८, शिरीष वासनिक ७४.४, खानक मेश्राम ७२.८, शौर्य बासिने ७२, अफिफ़ कुरैशी ७१ प्रतिशत , माही दुबे ७० प्रतिशत ने उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की। इसी तरह वाणिज्य संकाय में अनुष्का बोकड़े ७७.४ प्रतिशत, रिद्धिमा चित्रिव ७७.२ प्रतिशत ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. दयावंता राउत एवं संचालक अब्दूल रब कुरैशी ने सभी विद्यार्थीयो, विषय शिक्षको, एवं अभिभावको को बधाई देते हुये कहा है की सभी की मेहनत और समर्पण आज सफल हुयी है। विद्यालय परिवार सफल विद्यार्थीयों के उज्जवल भविष्य की कामना भी करता है।

# बगीचे के भीतर मॉर्निंग में वाकिंग करने वालो और बेहतर सुविधा होगी-प्रदीप जायसवाल

### गांधी बाल उद्यान का पूर्व मंत्री ने किया निरीक्षण

**पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।** नगर के गांधी बाल उद्यान का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने अधिकारियों के साथ निरिक्षण किया। जिसमें गार्डन में नये स्वरूप के विषय में नीतिगत फैसले लिए गए। गर्मी के मौसम में प्रातः काल और शाम के समय उद्यान में बच्चो की भारी भीड़ व पंसदीदा जगह होने के कारण जनप्रतिनिधीयो ने इसके स्वरूप को नया रूप देने का प्रयास किया है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की गांधी बाल उद्यान में प्रात व शाम के समय वाकिंग करने वाले नागरिको की संख्या में तेजी से इजाफा होते देखा जा रहा है। अत अब उनकी सुविधा के मद्धेनजर सबसे पहले बगीचे के चारो ओर मॉर्निंग वॉक,ईवनिंग वाक करने वालो के लिये चारो तरफ के गार्डन पाथ को गट्टू से सुसज्जित कर प्रकाश व्यवस्था को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। श्री जायसवाल ने बताया कि साथ ही बगीचे के पीछे के दो बड़े हिस्से को घास के लॉन में परिवर्तित कर उसकी बाउंड्री को फूलों की क्यारी से सजावट करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे है। इन घास के मैदान के निर्माण के पश्चात एक बडा हरा भरा परिसर उक्त उद्यान की सुदरंता को भी बढ़ावा देता नजर आयेगा। श्री जायसवाल ने कहा की गर्मी के मौसम में अपने दादा, मामा व विभिन्न रिश्तेदारो के यहा आयें महानगरो के बच्चे भी इस गार्डन को घूमने का हिस्सा बन रहे है। बच्चो का प्रथम आकर्षण विभिन्न प्रकार के झूले साबित हो रहे है। अत बच्चो की खुशियों को देखते हुये अब इस उद्यान में बच्चों के झूलों को दुरस्त कर नए प्रकार के आधुनिक झूलों को भी क्रय करने का निर्णय नपा परिषद के द्वारा लिया गया। उद्यान का सबसे बड़ा आकर्षण बच्चो की टाय रेल आज भी बनी हुयी है। रंग बिरंगी यह टाय रेल जब अपनी पटरी पर सीटी बजाते हुये उद्यान के भीतर चलती है तो बच्चो की किलकिलारीयां इस आकर्षण की सफलता की गाथा कहते हुये प्रतित होती है।

# खैरलाँजी में चक्रवाती तूफान ने मचाई तबाही

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** खैरलाँजी किन्ही क्षेत्र में बुधवार की दोपहर करीब ३ बजे प्रकृति का एक ऐसा रौद्र रूप देखने को मिला जिसने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। अचानक बदले मौसम के मिजाज के साथ आए भीषण चक्रवाती तूफान और मूसलाधार बारिश ने देखते ही देखते पूरे क्षेत्र को तहस नहस कर दिया। महज कुछ ही मिनटों के तांडव ने क्षेत्र की सूरत बिगाड़ दी और करोड़ों के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। तूफान की रफ्तार इतनी जबरदस्त थी कि सड़क किनारे लगे दशकों पुराने विशालकाय पेड़ तिनकों की तरह जड़ से उखड़ गए। कई स्थानों पर ये पेड़ सीधे लोगों के मकानों और दुकानों पर जा गिरे जिससे निर्माण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। तूफान के कारण बिजली के खंभे जमीन पर आ गिरे और तार टूटकर बिखर गए जिसके चलते पूरे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। अंधेरे में डूबे ग्रामीणों के बीच अफरा तफरी का माहौल बना रहा। गरीबों और मध्यमवर्गीय परिवारों पर यह तूफान कहर बनकर टूटा। कई मकानों के टीन शेड और अस्थाई झोपड़े हवा में उड़कर दूर जा गिरे। सबसे ज्यादा चोट किसानों को पहुंची है खेतों में खड़ी रबी की धान की फसल तेज बारिश और हवा के कारण जमीन पर बिछ गई और खेतों में पानी भर गया। किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर को अचानक आसमान काला पड़ गया और चक्रवात जैसी स्थिति बन गई। लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। जान बचाने के लिए कोई घरों में दुबक गया तो कोई सुरक्षित पक्के मकानों की ओर भागता नजर आया। प्रकृति के इस प्रहार ने लोगों के मन में डर पैदा कर दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है ताकि प्रभावितों को राजस्व विभाग जल्द से जल्द क्षेत्र का सर्वेक्षण कर नुकसान का आकलन करे। पीडीत परिवारों और किसानों को उचित मुआवजा प्रदान कर अंधेरे में डूबे गाँवों में बिजली व्यवस्था को युद्धस्तर पर बहाल किया जाए। इस चक्रवाती तूफान ने खैरलाँजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे को गहरा घाव दिया है।

# पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में १०० प्रतिशत परीक्षा परिणाम सभी छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय का कक्षा १२वीं का परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के प्राचार्य रणवीर सिंह के मार्गदर्शन में यह उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल हुई। सीबीएसई प्रभारी अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल ७४ छात्र छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए थे और सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। विज्ञान संकाय में ४१ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। विद्यालय की छात्रा भावना चौधरी ने ९५.२ प्रतिशत अंक

ऋषिकेश ठाकरे ९५.२ एवं राजवर्धन ९५.२ ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए तीनों ने समान अंक प्राप्त किए। इस शानदार परिणाम पर प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

# वृक्ष से गिरने के कारण मजदूर आशीष भगत की दर्दनाक मौत

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम डोंगरमाली में बुधवार की दोपहर एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहाँ के निवासी ४५ वर्षीय आशीष भगत की एक पेड़ से गिर जाने के कारण मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद मृतक के परिवार और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष पिता पिता स्व. कैलाश भगत ४५ वर्ष जो पेशे से मजदूरी का कार्य करता था जो बुधवार को पास के ही ग्राम भेंडारा में एक पड़ोसी के खेत पर मजदूरी का कार्य करने गया हुआ था। दोपहर करीब ४.३० बजे वह एक आँजन के पेड़ पर चढ़कर उसकी शाखाएं छाँटने का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण वह अनियंत्रित होकर ऊंचाई से सीधे जमीन पर आ गिरा। ऊंचाई अधिक होने के कारण आशीष को गंभीर चोटें आई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जब वह गिरा तो उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़कर वहां पहुंचे। लोगों ने देखा कि आशीष खेत में पेड़ के नीचे मृत अवस्था में पड़ा था और पास में ही पेड़ की टूटी हुई शाखाएं बिखरी हुई थीं। घटना की सूचना मिलते ही रामपायली पुलिस बल मौके पर पहुँचा। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया और शव को अपने कब्जे में लिया। मृतक के शव को फिलहाल उपस्वास्थ्य केंद्र रामपायली के शव विच्छेदन गृह मर्चूरी के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा कर मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। इसका पोस्टमार्टम आज गुरुवार की सुबह किया जाएगा।

# प्रधानमंत्री की सात अपीलें और नागरिक धर्म

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से सात महत्वपूर्ण मुद्दों पर जन भागीदारी की अपील की है। इन अपीलों का संबंध केवल व्यक्तिगत व्यवहार से नहीं बल्कि भारत की आर्थिक स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा संरक्षण और आत्मनिर्भरता से जुड़ा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, वैश्विक तेल संकट और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच प्रधानमंत्री की यह अपील एक व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि प्रस्तुत करती है। प्रधानमंत्री की सात अपीलों में डीजल पेट्रोल की बचत, वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा, ऑनलाइन बैठकों को प्राथमिकता, कार पुलिंग, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचाव तथा सोने की खरीद में संयम जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने सोने की खरीद को लेकर यह अपील भी की है कि कम से कम 1 वर्ष तक देशवासी सोना ना खरीदें। प्रधानमंत्री की इन सात बिंदुओं की अपील को केवल सरकारी सलाह मानकर टाल देना उचित नहीं होगा। इन्हें वर्तमान समय की राष्ट्रीय आवश्यकता के रूप में देखना होगा। भारत दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा आयातक देश में शामिल है। देश अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में यदि वैश्विक स्तर पर युद्ध या तनाव बढ़ता है तो इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। प्रधानमंत्री द्वारा पेट्रोल-डीजल के संयमित प्रयोग की अपील इसी संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि नागरिक अनावश्यक वाहनों का उपयोग कम करें, सार्वजनिक परिवहन अपनाएं और कार पुलिंग को बढ़ावा दें। इससे केवल ईंधन की बचत ही नहीं होगी बल्कि प्रदूषण और यातायात की समस्या में भी कमी आएगी। यह अपील पर्यावरणीय दृष्टि से भी दूरदर्शी है। कोविड काल ने यह सिद्ध कर दिया था कि अनेक कार्य डिजिटल माध्यमों से सफलतापूर्वक संचालित किये जा सकते हैं। एक बार फिर कोविड काल में बरती गई सतर्कताओं को लेकर प्रधानमंत्री ने पुनः वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन बैठकों को प्राथमिकता देने की बात कही है। इसका उद्देश्य केवल सुविधा नहीं बल्कि ईंधन और समय दोनों की बचत है। हालांकि यह भी सत्य है कि हर क्षेत्र में वर्क फ्रॉम होम संभव नहीं है। निर्माण, उत्पादन, चिकित्सा और सेवा क्षेत्र में प्रत्यक्ष उपस्थिति आवश्यक रहती है। इसलिए प्रधानमंत्री की अपील को लचीले और व्यावहारिक तरीके से लागू करने की आवश्यकता है। भारत में सोना केवल आभूषण नहीं बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। लेकिन यह भी सच है कि सोने का भारी आयात विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ाता है। प्रधानमंत्री द्वारा एक वर्ष तक सोना ना खरीदने या संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। यह अपील सीधे तौर पर देश की विदेशी मुद्रा बचत से जुड़ी है। यदि नागरिक निवेश के वैकल्पिक साधनों की ओर बढ़ें तो इससे घरेलू पूंजी बाजार को भी मजबूती मिल सकती है। प्रधानमंत्री की इन अपीलों पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। विपक्ष का कहना है कि सरकार अपनी जिम्मेदारियों का बोझ जनता पर डाल रही है जबकि समर्थकों का तर्क है कि राष्ट्रीय संकट के समय नागरिक सहयोग आवश्यक होता है। लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है किंतु यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रीय हित के प्रश्नों को केवल राजनीतिक चश्मे से ना देखा जाए। इतिहास गवाह है कि संकट के समय वही राष्ट्र मजबूत बनकर उभरते हैं जहां सरकार और समाज ने मिलकर जिम्मेदारी निभाई।

# नीट पेपर लीक-शिक्षा व्यवस्था पर कलंक

## टूटते सपने और व्यवस्था की भयावह विफलता

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल एक परीक्षा नहीं होतीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य, परिवारों की उम्मीदों और वर्षों की मेहनत का परिणाम होती हैं। मेडिकल जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं। कई छात्र गांवों की कठिन परिस्थितियों से निकलकर, आर्थिक अभाव झेलकर और मानसिक दबाव सहकर परीक्षा की तैयारी करते हैं। ऐसे में जब नीटजैसी राष्ट्रीय परीक्षा में पेपर लीक, सॉल्वर गैंग और करोड़ों की डील का खुलासा होता है, तो यह केवल एक परीक्षा घोटाला नहीं रह जाता, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न बन जाता है।

भारत पहले भी कई बड़े पेपर लीक घोटाले देख चुका है। उत्तर प्रदेश शिक्षक भर्ती परीक्षा, रेलवे भर्ती परीक्षा, राजस्थान शिक्षक भर्ती, मध्यप्रदेश व्यापमं घोटाला और 2024 के नीट विवाद ने पहले ही युवाओं का भरोसा कमजोर कर दिया था। 2024 में बिहार और झारखंड में पेपर लीक के आरोप सामने आए थे। कई गिरफ्तारियां हुईं, लेकिन तब भी पूरी परीक्षा रद्द नहीं हुई। छात्रों के मन में यह सवाल रह गया कि क्या मेहनत का कोई मूल्य बचा है? अब 2026 में फिर वही कहानी सामने आई है, लेकिन इस बार मामला और भी गंभीर दिखाई देता है।

नीट 2026 परीक्षा रद्द होने के पीछे बिहार और राजस्थान से सामने आए खुलासों ने पूरे देश को झकझोर दिया। बिहार के नालंदा में पुलिस ने जिस सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ किया, उसने यह साबित कर दिया कि परीक्षा माफिया कितनी गहराई तक अपनी जड़ें जमा चुका है। 50 से 60 लाख रुपये में एक सीट की डील होना केवल अपराध नहीं, बल्कि शिक्षा के व्यवसायीकरण का भयावह चेहरा है। यह गिरोह असली अभ्यर्थियों की जगह सॉल्वर बैठाने की तैयारी कर रहा था। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इसका मास्टरमाइंड एक मेडिकल कॉलेज का छात्र निकला। जिस युवा को भविष्य में डॉक्टर बनकर लोगों की जान बचानी थी, वही शिक्षा व्यवस्था को संक्रमित करने में लगा था।

राजस्थान में सामने आए हाथ से लिखे गेस पेपर ने इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया। जांच में पता चला कि परीक्षा से पहले छात्रों तक ऐसे प्रश्न पहुंच चुके थे, जिनमें से बड़ी संख्या असली परीक्षा में आई। यदि यह केवल संयोग माना जाए, तब भी इतने बड़े स्तर पर सवालों का मिलान होना सामान्य नहीं कहा जा सकता। इससे यह आशंका और मजबूत हो जाती है कि परीक्षा प्रणाली के भीतर कहीं न कहीं गंभीर सेंध लगी है।

सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों छात्रों का हुआ है जिन्होंने ईमानदारी से तैयारी की थी। करोड़ों परिवारों ने अपने बच्चों को कोचिंग दिलाने के लिए जमीन बेची, कर्ज लिया और अपनी जरूरतों को त्याग दिया। कई छात्र दिन में 12-14 घंटे पढ़ाई करते हैं। वे सामाजिक जीवन छोड़ देते हैं, मनोरंजन छोड़ देते हैं और केवल एक लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं। लेकिन जब परीक्षा रद्द होती है, तो उनकी महीनों की मेहनत और मानसिक संतुलन दोनों पर गहरा आघात पड़ता है।

एक छात्र की मानसिक स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। परीक्षा की तैयारी पहले ही तनाव, चिंता और भय से भरी होती है। छात्र लगातार तुलना, प्रतियोगिता और असफलता के डर में जीते हैं। जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो उनके भीतर यह भावना जन्म लेती है कि मेहनत से ज्यादा महत्व पैसे और पहुंच का है। यह भावना युवाओं को भीतर से तोड़ देती है। कई छात्र अवसाद में चले जाते हैं। कुछ खुद को असफल मानने लगते हैं। कई बार यही मानसिक दबाव आत्मघाती विचारों तक पहुंच जाता है।

2020 में मध्यप्रदेश की छात्रा विधि सूर्यवंशी का मामला आज भी लोगों को झकझोरता है। गलत रिजल्ट आने के बाद उसने आत्महत्या कर ली थी, जबकि बाद में ओएमआर जांच में उसके अंक कहीं अधिक निकले। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि परीक्षा संबंधी त्रुटियां केवल तकनीकी गलती नहीं होतीं, बल्कि किसी परिवार के जीवन का विनाश बन सकती हैं। जब एक छात्र वर्षों की मेहनत के बाद भी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर पाता, तो यह केवल व्यक्तिगत दुख नहीं, बल्कि राष्ट्रीय असफलता है।

नीट परीक्षा रद्द होने से प्रशासनिक और आर्थिक नुकसान भी बहुत बड़ा हुआ है। देशभर में लाखों छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था, परिवहन, प्रश्नपत्र छपाई, निगरानी, तकनीकी प्रबंधन और कर्मचारियों की तैनाती पर करोड़ों रुपये खर्च हुए। अब दोबारा परीक्षा कराने में फिर उतना ही खर्च होगा। यह पैसा आखिरकार जनता के टैक्स से आता है। यानी भ्रष्टाचार और लापरवाही का बोझ अंततः देश की जनता ही उठाती है।

इतने बड़े स्तर पर परीक्षा आयोजित होने के बावजूद यदि पेपर लीक, सॉल्वर गैंग और फर्जीवाड़ा रोका नहीं जा सका, तो यह हमारी प्रशासनिक निगरानी की गंभीर विफलता को दर्शाता है। प्रश्न यह उठता है कि जब डिजिटल निगरानी, बायोमेट्रिक सिस्टम और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक साधन मौजूद हैं, तब भी परीक्षा माफिया इतनी आसानी से सक्रिय कैसे हो जाते हैं? क्या व्यवस्था के भीतर कहीं मिलीभगत है? क्या निगरानी एजेंसियां केवल औपचारिकता निभा रही हैं? यदि हर वर्ष ऐसी घटनाएं दोहराई जा रही हैं, तो इसका अर्थ है कि सुधार केवल कागजों तक सीमित हैं।

यह स्थिति देश की प्रतिभा के लिए भी खतरनाक है। जब योग्य छात्र निराश होकर पीछे हटने लगते हैं और धनबल या अपराध के जरिए लोग आगे बढ़ने लगते हैं, तब पूरे समाज की गुणवत्ता प्रभावित होती है। चिकित्सा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में यदि गलत तरीके से प्रवेश पाने वाले छात्र डॉक्टर बनेंगे, तो इसका असर सीधे जनता की जान पर पड़ेगा। एक अयोग्य डॉक्टर केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि अनगिनत जिंदगियों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।

आज आवश्यकता केवल दोषियों की गिरफ्तारी की नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली के पुनर्गठन की है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर वितरण तक हर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। परीक्षा केंद्रों की निगरानी पूरी तरह तकनीक आधारित होनी चाहिए। पेपर तैयार करने वाले विशेषज्ञों और प्रिंटिंग सिस्टम की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होनी चाहिए। साथ ही, ऐसे मामलों में त्वरित न्याय और कठोर दंड भी जरूरी है, ताकि भविष्य में कोई इस तरह के अपराध का साहस न कर सके।

सरकार और एजेंसियों को यह समझना होगा कि हर बार परीक्षा रद्द कर देना समाधान नहीं है। इससे छात्रों का विश्वास और कमजोर होता है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसी मजबूत व्यवस्था बनाई जाए जिसमें परीक्षा शुरू होने से पहले ही लीक की संभावना समाप्त हो जाए। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास कायम रखना किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है।

नीट 2026 विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि समय रहते कठोर और पारदर्शी सुधार नहीं किए गए, तो देश के युवाओं का भरोसा पूरी तरह टूट सकता है। यह केवल परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि भविष्य का संकट है। करोड़ों छात्रों की आंखों में जो सपने हैं, उन्हें बचाने के लिए व्यवस्था को अब जागना ही होगा। क्योंकि जब मेहनत हारने लगे और भ्रष्टाचार जीतने लगे, तब किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता।

-कांतिलाल मांडोत

# मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे ब?ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव ब?रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है। इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है। एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

-ललित गर्ग

## प्रोजेक्ट चीता की नई उड़ान, कूनो बन रहा है चीतों का नया किंगडम

-हर्षवर्धन पान्डे

भारत में विलुप्त हो चुकी चीता प्रजाति को वापस लाने की महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट चीता के तहत मध्यप्रदेश का कूनो नेशनल पार्क की आबोहवा अब चीतों को रास आने लगी है। 1952 में भारत से चीतों के विलुप्त होने के बाद सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को कूनो में छोड़कर इस ऐतिहासिक परियोजना की शुरुआत की। आज कूनो न केवल आयातित चीतों का आश्रय स्थल है, बल्कि दूसरी पीढ़ी के भारतीय चीतों के जन्म और प्राकृतिक प्रजनन का साक्षी भी बन गया है।

कूनो नेशनल पार्क श्योपुर जिला मध्यप्रदेश लगभग 74,000 हेक्टेयर

क्षेत्र में फैला है। कूनो अभयारण्य श्योपुर जिले के विन्ध्याचल पर्वत श्रेणी के उत्तरी भाग में स्थित है। इसमें विविध शुष्क पर्णपाती वन, घास के मैदान और प्रचुर शिकार चितल, सांभर, नीलगाय, चिंकारा आदि भी उपलब्ध हैं। चीतों के लिए उपयुक्त खुले मैदान और कम मानवीय हस्तक्षेप इसे आदर्श स्थल बनाते हैं। सितम्बर 2022 में दक्षिण अफ्रीका से चीता प्रोजेक्ट के तहत नामीबिया से 9 चीते जहाँ एमपी में लाये गए वहीँ फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते आये। बोत्सवाना से लाये गए नौ चीतों में 6 मादा और 3 नर शामिल हैं। कूनो में कई मादा गामिनी, ज्वाला आदि के शावकों को जन्म दिया और अब तक दर्जनों शावक यहाँ पैदा हो चुके हैं। यह 'प्रोजेक्ट चीता' के अंतर्गत तीसरा बड़ा अंतर्राष्ट्रीय चरण है। इस वर्ष बोत्सवाना से अतिरिक्त चीते आने से अब इनकी आबादी में इजाफे के आसार दिखाई दे रहे हैं। मोहन सरकार की वन्य जीव संरक्षण की मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है कूनो की इस परियोजना ने मध्यप्रदेश में तेजी से प्रगति की है जिसके परिणाम अब धरातल पर दिखाई दे रहे हैं।

अप्रैल 2026 में कूनो ने वन्य जीव संरक्षण में इतिहास रचा। गामिनी की बेटी केजीपी-2 ने खुले जंगल में चार शावकों को जन्म दिया। यह पहला मामला है जब भारत में जन्मी चीता ने जंगली परिवेश में संतान दी। इससे पहले शावक मुख्यतः बाड़े वाले क्षेत्रों में पैदा होते थे। इस सफलता के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या 57 पहुंच गई है जिनमें से लगभग 37 भारत में जन्मे हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि परियोजना अब पुनर्वास से आगे बढ़कर स्थायी प्रजनन की ओर अग्रसर हो रही है। कूनो नेशनल पार्क देश में वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिकी पुनर्स्थापना का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है।कूनो में हिरण, चीतल, सांभर, नीलगाय और जंगली सुअरों की पर्याप्त संख्या चीतों के लिए अनुकूल साबित हो रही है। यही वजह है कि चीते यहां आराम से रह रहे हैं।

दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन्यजीव संरक्षण को सांस्कृतिक विरासत, जैव विविधता, पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया है जिसके चलते मध्यप्रदेश में वन्य जीव संरक्षण और संवर्धन की दिशा में कई अभूतपूर्व निर्णय लिए गए। रातापानी टाइगर रिजर्व को देश का 8वां और प्रदेश का नया टाइगर रिजर्व घोषित करना मोहन का सबसे ब?ा मास्टर स्ट्रोक रहा। 2008 में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से अनुमति मिलने के बावजूद यह प्रस्ताव दशकों से लटका रहा लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में इसे मंजूरी मिली। इतना ही नहीं पुरातत्वविद् विष्णु श्रीधर वाकणकर के नाम पर इसका नामकरण कर उन्होंने इसे सांस्कृतिक गौरव से भी जोड़ा। मार्च-2025 में माधव टाइगर रिजर्व को प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व घोषित किया गया।

चीतों का पुनर्वास घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है, शिकार प्रबंधन में मदद करता है और अन्य वन्यजीवों के लिए भी लाभ पैदा करता है। कूनो में चीतों की आमद बढ़ने के साथ ही इसे अब पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रोजेक्ट चीता' की अपार सफलता के बाद भारत में दशकों बाद चीतों की वापसी ने यह संदेश दिया है कि यदि सही वैज्ञानिक प्रबंधन और राजनीतिक प्रतिबद्धता हो तो विलुप्त प्रजातियों का पुनर्वास संभव है। चीतों को क्वारंटीन एवं अनुकूलन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद गांधी सागर एवं नौरादेही जैसे अन्य अभयारण्यों में भी बसाने की भी सरकार ने पूरी तैयारी की जा रही है। अब कूनो को ग्लोबल ब्रीडिंग सेंटर के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। इसके साथ ही गांधी सागर वाइल्डलाइफ सेंचुरी को चीतों के दूसरे आवास और नौरादेही वाइल्डलाइफ सेंचुरी को तीसरे बड़े चीता लैंडस्केप के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। बीते दिनों श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़े से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दो मादा चीतों को कूनो नदी के समीप स्थित साइट से खुले जंगल में मुक्त किया जिसने मध्यप्रदेश के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक नया अध्याय जो?ने का काम किया है। ये चीते भी अब कूनो के वातावरण में तेजी से घुल-मिल जाएंगे।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती ने चीतों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर उन्हें पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर अपने परिवार का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगभग साढ़े तीन वर्ष पहले कूनो में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोत्सवाना से लाए गए चीतों के पुनर्स्थापन को निरंतर सफलता मिल रही हैं और आज प्रदेश ने देशभर में चीता स्टेट के रूप में पहचान बनाई है। कूनो में इन चीतों के सफल प्रजनन से भरोसा बढ़ा है कि यह परियोजना न केवल वन्यजीव संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि भारत की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता और वैश्विक सहयोग का उदाहरण अनुपम उदाहरण भी पूरे देश के सामने प्रस्तुत करता है। कूनो में प्रोजेक्ट चीता की सफलता हर नए शावक के जन्म के साथ मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और पर्यटन को नई गति देगी।

## पश्चिम एशिया संकट से भारत के भुगतान संतुलन पर बढ़ा दबाव

**नई दिल्ली। एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी संकट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक वास्तविक दबाव परीक्षण है, जिसका भुगतान संतुलन, मुद्रास्फीति और चालू खाते पर सीधा असर पड़ रहा है। यह बात वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने आज कही। उन्होंने इस स्थिति को अस्थायी नहीं बल्कि ढांचागत बताया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में नागेश्वरन ने कहा कि चालू खाते का विश्वसनीय प्रबंधन, वित्तपोषण और विनिमय दर में गिरावट रोकना वित्त वर्ष 2026-27 की प्रमुख आर्थिक अनिवार्यताएं होंगी। उन्होंने बताया कि यह संकट दुनिया के अहम ऊर्जा गलियारों में लगातार आ रही रुकावट का नतीजा है। अधिकतर अर्थशास्त्रियों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत के चालू खाते के घाटे का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद के 1.5 फीसदी से 2.4 फीसदी तक बढ़ा दिया है। हालांकि, भारत की मजबूत राजकोषीय नीति और बुनियादी ढांचा निवेश मौजूदा संघर्ष से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। एक अलग सत्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया कि ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन किसी भी बढ़ोतरी का फैसला चुनावों से जुड़ा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को प्रतिदिन 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिससे इस तिमाही में उनकी अंडर-रिकवरी 2 लाख करोड़ रुपये और नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह नुकसान पिछले साल के पूरे मुनाफे को खत्म कर सकता है। हालांकि, पुरी ने आश्वस्त किया कि भारत के पास पर्याप्त ईंधन भंडार है, जिसमें 60 दिनों का कच्चा तेल, 60 दिनों की एलएनजी और 45 दिनों की एलपीजी शामिल है। देश में एलपीजी उत्पादन भी संघर्ष-पूर्व स्तर से बढ़कर 54,000 टन प्रतिदिन हो गया है।

## रेलवन एप का एआई फीचर अब बताएगा, वेटिंग टिकट कन्फर्म होगी या नहीं

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारतीय रेलवे में कन्फर्म सीट की बढ़ती किल्लत और यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेल मंत्रालय ने एक नया डिजिटल समाधान पेश किया है। रेलवन नामक यह मोबाइल ऐप यात्रियों को न सिर्फ एक ही प्लेटफॉर्म पर ढेरों सुविधाएं देगा, बल्कि इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फीचर से अब यह भी जानना संभव होगा कि आपकी वेटिंग लिस्ट टिकट कन्फर्म होने की कितनी संभावना है। यह अभिनव सुविधा यात्रियों को टिकट बुक करने से पहले ही वेटिंग लिस्ट टिकट के कन्फर्म होने का अनुमान देती है। शुरुआत में 53 फीसदी की सटीकता के साथ शुरू हुआ यह एआई-आधारित सिस्टम अब 94 फीसदी तक की विश्वसनीयता के साथ काम करता है, जिससे यात्री सोच-समझकर अपनी यात्रा योजना बना सकते हैं। यह एआई पुराने डेटा और बुकिंग पैटर्न का विश्लेषण कर सटीक भविष्यवाणी करता है। रेलवन ऐप सिर्फ आरक्षण टिकटों के लिए ही नहीं, बल्कि एक ऑल-इन-वन समाधान के तौर पर काम करेगा। इसमें जनरल/अनरिजर्व्ड टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने की सुविधा, ट्रेन का लाइव लोकेशन ट्रैक करना और रेलवे हेल्पलाइन पर सीधे शिकायत दर्ज करना जैसी सेवाएं शामिल हैं। पहले इन सुविधाओं के लिए अलग-अलग ऐप्स का इस्तेमाल करना पड़ता था। ऐप के जरिए अनरिजर्व्ड टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 फीसदी की छूट भी मिल रही है, जो डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देगा।

## सोने पर शुल्क वृद्धि से तस्करी बढ़ेगी, निर्यात घटेगा-जीजेईपीसी

नई दिल्ली। एजेंसी। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार द्वारा सोने, चांदी और प्लेटिनम पर आयात शुल्क में की गई हालिया वृद्धि का कड़ा विरोध किया है। परिषद ने बुधवार को कहा कि यह कदम न केवल कीमती धातुओं की कीमतें बढ़ाएगा, बल्कि तस्करी को बढ़ावा देगा और देश के निर्यात कारोबार के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को गंभीर नकदी संकट में धकेल देगा। जीजेईपीसी ने सरकार से इस मुद्दे पर उद्योग के हितधारकों के साथ तत्काल बातचीत कर एक स्थायी समाधान खोजने की अपील की है। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है, जबकि प्लेटिनम पर यह कर 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 15.4 प्रतिशत हो गया है। जीजेईपीसी ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अतीत में यह देखा गया है कि आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है; इसके बजाय यह केवल कीमतें बढ़ाता है। परिषद ने इस बात पर जोर दिया कि हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में कम नहीं हुआ है।

## भारत में डीएपी खाद 40 फीसदी हुई महंगी, किसानों पर बढ़ा बोझ

**मुंबई। एजेंसी।** मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय कृषि पर दिखने लगा है। देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण उर्वरक डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की खरीद लगभग 40 प्रतिशत अधिक कीमत पर करनी पड़ रही है, जिससे मानसून से पहले किसानों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। फरवरी में करीब 667 डॉलर प्रति टन मिलने वाला डीएपी अब भारत को 930 से 935 डॉलर प्रति टन की दर से खरीदना पड़ रहा है। इंडियन पोटाश लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए कुल 13 लाख टन से अधिक डीएपी खरीदने का समझौता किया है। इस भारी मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित आपूर्ति बाधा है, क्योंकि फॉस्फेट उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले सल्फर की बड़ी आपूर्ति इसी क्षेत्र से होती है। उर्वरकों की बढ़ती कीमत सीधे खेती की लागत बढ़ाएगी। यदि सरकार सब्सिडी में पर्याप्त वृद्धि नहीं करती है, तो धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को बड़ा झटका लगेगा। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में लगभग 25 लाख टन यूरिया भी दोगुनी कीमत पर खरीदा है। यदि उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में आटा, चावल और दाल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे आम उपभोक्ता भी प्रभावित होगा। हालांकि, अंतिम प्रभाव सरकारी सब्सिडी और वैश्विक हालात पर निर्भर करेगा।

# शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

**मुंबई। एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार को सकारात्मक माहौल में कारोबार की शुरुआत की। गिफ्ट निफ्टी के मजबूत संकेतों के अनुरूप, प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में हरे निशान में खुले, जहां बीएसई सेंसेक्स 74,586 के स्तर पर और एनएसई निफ्टी 23,468 के आसपास कारोबार करते दिखे। बाजार में सकारात्मक धारणा के चलते निवेशकों का रुझान खरीदारी की ओर रहा। सेंसेक्स और निफ्टी के साथ-साथ, बैंकिंग सेक्टर भी गुलजार रहा। निफ्टी बैंक इंडेक्स 216 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 53,771 पर पहुंच गया। निफ्टी नेक्स्ट 50 और फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स भी तेजी से आगे बढ़े, जो बाजार में चौतरफा मजबूती का संकेत दे रहे थे। शुरुआती कारोबार में एशियन पेंट्स ने लगभग 3.73 प्रतिशत की छलांग लगाकर सबसे बड़े गेनर का खिताब अपने नाम किया। इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और बीईएल में भी क्रमशः 1.32 प्रतिशत, 1.06 प्रतिशत और 0.77 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई। एलएंडटी, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गजों ने भी हरे निशान में कारोबार किया, जिससे बैंकिंग, मेटल और ऑटो सेक्टर में जोरदार खरीदारी देखने को मिली। दूसरी ओर, कुछ शेयरों में शुरुआती मुनाफावसूली देखने को मिली। पावरग्रिड लगभग 0.91 प्रतिशत गिरकर टॉप लूजर बना, जबकि टाइटन, इटरनल और बजाज फाइनेंस में भी कमजोरी दर्ज की गई। आईटी सेक्टर के शेयरों पर हल्का दबाव दिखा, जहां इंफोसिस और टेक महिंद्रा जैसे बड़े नाम लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। एनटीपीसी में भी मामूली गिरावट रही, हालांकि बाजार की कुल प्रवृत्ति सकारात्मक बनी रही। बुधवार को कई बड़ी कंपनियां अपने चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। इनमें भारती एयरटेल, सिप्ला, डीएलएफ, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, टाटा मोटर्स, टीवीएस मोटर और रेडिंगटन जैसी कंपनियां शामिल हैं।

## पाम तेल की अगुवाई में भारत का वनस्पति तेल आयात 13 फीसदी उछला

**नई दिल्ली। एजेंसी।** दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल उपभोक्ता भारत का वनस्पति तेल आयात तेल वर्ष 2025-26 के पहले छह महीनों (नवंबर-अप्रैल) में 13 प्रतिशत बढ़कर 79.4 लाख टन हो गया है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पाम तेल की खेप में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 70.4 लाख टन से अधिक है। इस अवधि में आयात का कुल मूल्य सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 87,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 73,000 करोड़ रुपये था। कुल आयात में 78.2 लाख टन खाद्य तेल और 1.21 लाख टन गैर-खाद्य तेल शामिल है। एसईए के आंकड़ों के मुताबिक, पाम तेल का आयात लगभग दोगुना होकर 27.4 लाख टन से 39.7 लाख टन पर पहुंच गया। वहीं, सोया तेल और सूरजमुखी तेल जैसे नरम तेलों की खेप 41.3 लाख टन से घटकर 38.5 लाख टन रह गई। इंडोनेशिया और मलेशिया पाम तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं, जबकि अर्जेंटीना व ब्राजील सोया तेल तथा रूस व यूक्रेन सूरजमुखी तेल के मुख्य स्रोत बने हुए हैं। पिछले एक वर्ष में खाद्य तेलों की कीमतों में 14 से 22 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये में 9.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने आयात लागत को और बढ़ा दिया है, जिसे आयातकों और रिफाइनरों के लिए चिंता का विषय बताया गया है। इसी अवधि में नेपाल ने भी भारत को लगभग 2.17 लाख टन परिष्कृत तेल, मुख्य रूप से सोया तेल, निर्यात किया। मई 2026 तक कुल वनस्पति तेल भंडार बढ़कर 21.2 लाख टन हो गया है, जो तेल वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर आपूर्ति का संकेत देता है।

## आधार नियमों में बड़ा बदलाव, अब दस्तावेज़ों की लंबी सूची मान्य, सत्यापन सख्त

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इनका उद्देश्य आधार बनवाने और अपडेट करने की प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित, आधुनिक और पारदर्शी बनाना है। नए नियमों के तहत, आधार के लिए स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची का व्यापक विस्तार किया गया है। अब ई-वोटर आईडी, ई-राशन कार्ड, बैंक पासबुक, मैरिज सर्टिफिकेट, यूटिलिटी बिल और रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट जैसे कई अन्य दस्तावेज भी मान्य होंगे। इससे उन लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी जिन्हें पहले सीमित दस्तावेज़ों के कारण परेशानी होती थी। हालांकि, दस्तावेजों की जांच अब पहले से अधिक सख्ती से की जाएगी। केवल वैध, एक्सपायर न हुए और आवेदक के नाम पर दर्ज दस्तावेज़ ही स्वीकार्य होंगे। पहचान प्रमाण में नाम और फोटो दोनों का होना अनिवार्य है। यदि परिवार आधारित आवेदन किया जाता है, तो परिवार प्रमुख और आवेदक दोनों का नाम संबंध प्रमाण पत्र में होना आवश्यक होगा। बच्चों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है, साथ ही माता-पिता या अभिभावक के दस्तावेज भी देने होंगे। वहीं, 5 से 18 साल तक के बच्चों के लिए परिवार प्रमुख के जरिए आधार बनवाने की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर दस्तावेज आधारित आवेदन भी स्वीकार किया जाएगा।

# आज का राशिफल

**मेष**- आज खुशियों की हल्की-हल्की दस्तक आपके दिन को खास बना सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाही खबर मिल सकती है, वहीं सिंगल लोगों की किसी खास इंसान से मुलाकात दिल की धड़कन बढ़ा सकती है। परिवार और रिश्तेदार हर कदम पर आपका साथ देंगे। बेवजह के विवादों से दूरी बनाकर रखें, तभी मन की शांति बनी रहेगी। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलने के संकेत हैं।

**वृषभ**- आज मन किसी बात को लेकर थोड़ा बेचैन रह सकता है, लेकिन आपकी मेहनत आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगी। पैसों से जुड़ी बातें किसी से शेयर करने से बचें। शेयर मार्केट में सोच-समझकर कदम बढ़ाना फायदेमंद रहेगा। कोई करीबी अचानक मिलने आ सकता है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी। दोस्तों के साथ पार्टी या घूमने-फिरने की योजना दिन को और मजेदार बना सकती है।

**मिथुन**- आज सफलता आपके कदम चूम सकती है। पुराने दोस्त से मुलाकात आपको भावुक और खुश दोनों कर सकती है। मेहनत का फल धीरे-धीरे मिलना शुरू होगा। संतान की खुशी के लिए कोई नई खरीदारी संभव है। खर्च बढ़ने से थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन समझदारी से सब संभल जाएगा। किसी अनजान व्यक्ति पर आंख बंद करके भरोसा करना नुकसान दे सकता है।

**कर्क**- आज का दिन थोड़ी उलझनों के साथ आगे बढ़ सकता है, इसलिए हर फैसला सोच-समझकर लें। परिवार के मुद्दों को प्यार और समझदारी से सुलझाने की जरूरत होगी। प्रॉपर्टी या लोन से जुड़े मामलों में अच्छी प्रगति हो सकती है। सरकारी कामों में थोड़ी देरी से मन निराश हो सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। पुराने कर्ज से छुटकारा पाने की कोशिश सफल हो सकती है।

**सिंह**- आज आर्थिक मामलों में किस्मत आपका साथ देती नजर आएगी। रुके हुए काम पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। बिजनेस में पार्टनर के साथ नई योजनाओं पर चर्चा लाभदायक साबित हो सकती है। स्वादिष्ट भोजन और सुख-सुविधाओं का आनंद मिलेगा। निवेश के नए मौके मिल सकते हैं, लेकिन जल्दबाज़ी से बचें। धन लाभ से मन बेहद प्रसन्न रहेगा।

**कन्या**- आज बड़े सपनों को हकीकत में बदलने की शुरुआत हो सकती है। किसी जरूरतमंद की मदद करके आपको आत्मिक खुशी मिलेगी। यात्रा की योजना फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। माता-पिता की सलाह आज आपके लिए सफलता की चाबी साबित हो सकती है। संतान के भविष्य को लेकर लिया गया फैसला आगे चलकर गर्व का कारण बनेगा। आपकी सकारात्मक सोच आज चमत्कार कर सकती है।

**तुला**- आज सतर्कता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत होगी। विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन समझदारी से आप हर स्थिति संभाल लेंगे। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने के संकेत हैं। आय बढ़ाने का नया मौका हाथ लग सकता है। सामाजिक कार्यों में सम्मान या पुरस्कार मिलने से आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा।

**वृश्चिक**- आज परिवार और सेहत दोनों पर खास ध्यान देने की जरूरत है। जीवनसाथी के साथ छोटी नोकझोंक हो सकती है, लेकिन प्यार से बात करेंगे तो रिश्ता और मजबूत होगा। बिजनेस में आपकी मेहनत रंग लाएगी और बड़े ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। वाहन चलाते समय सावधानी बेहद जरूरी रहेगी। खर्चों को कंट्रोल में रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

**धनु**- आज आपका प्रभाव और सम्मान दोनों बढ़ते नजर आएंगे। घर में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम से खुशियों का माहौल बनेगा। सरकारी कामों में प्रगति मिलने की संभावना है। दूर रहने वाले किसी प्रियजन की याद मन को भावुक कर सकती है। संतान के करियर को लेकर लिया गया फैसला भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

**मकर**- आज अधूरी इच्छाएं पूरी होने के संकेत हैं और मेहनत रंग लाती दिखाई देगी। बॉस आपकी कार्यशैली से खुश रहेंगे। समाज सेवा या परोपकार के कार्यों से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। किसी पुरानी गलती से मिली सीख आज काम आएगी। कार्यक्षेत्र में कोई आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें। लेन-देन में सावधानी बरतना जरूरी होगा।

**कुंभ**- आज लाभ और नए अवसर आपके आसपास मंडराते दिखाई देंगे। नया काम शुरू करने का विचार फायदेमंद साबित हो सकता है। रिश्तेदारों के साथ छोटी बहस हो सकती है, लेकिन बड़ों का सहयोग आपको संभाल लेगा। महिला मित्रों से व्यापार में अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। यात्रा या घूमने के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है। नया वाहन खरीदने का सपना भी पूरा हो सकता है।

**मीन**- आज मन में चल रहा संशय आपको थोड़ा उलझन में डाल सकता है। कोई महत्वपूर्ण डील आखिरी समय में अटक सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग तनाव बढ़ा सकते हैं। नई नौकरी के अवसर आपकी जिंदगी में नई उम्मीद लेकर आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ बहस से बचें और सेहत का खास ध्यान रखें। खानपान में लापरवाही परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए संतुलन बनाए रखें।

## शब्दजाल - 8258

*शब्द जाल में ब शब्द से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बं | ज | गा | र | ग | ब | ज | क | ब | ल | क |
| ब | बा | ब | लि | दा | न | का | मौ | स | ल | ड़ |
| ई | ह | ब | बं | दा | न | वा | ज | जा | य | मा |
| का | व | वं | र | दे | वी | व | वा | ल | श | ब |
| म | इ | दि | म | सं | व | र | श | र | वू | ल |
| रा | ता | नी | ई | र | द | क | फ | बा | श | ज |
| टा | बं | दि | श | द | क | स | सी | ग | प | ब |
| जा | र | ब | बं | ब | ज | र | ब | न | प | बं |
| क | ब | त | ज | न | ना | ठी | ऐ | ज | प | जा |
| क | मी | ल | प | ब | या | स | मा | ब | प | र |
| का | न | बं | ध | न | क | ना | ठी | ग | प | न |

बनारसी बाबू, बलमा, बलिदान, बंधन, बंदिनी, बंद दरवाजा, बंदानवाज, बंदिश, बंजारन, बंबई का महाराजा.

### शब्दजाल - 8257 का हल

## फिल्म वर्ग पहेली- 7202

**बायें से दायें:-**

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. असित, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली [illegible] की फिल्म-५
१४. [illegible] 'इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'दुल दुल रे दुल दुल' गीत वाली [illegible], काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की [illegible] गीत वाली फिल्म-४
२०. एन. एन. हुसैन की फिल्म [illegible] की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का ख्वाब' गीत वाली [illegible] की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की [illegible] गीत वाली फिल्म-२
२७. [illegible] गीत वाली फिल्म-२
२८. मिथुन, रेखा की 'पीली छतरी वाली' [illegible] फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. टीनो मालिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेरॉय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू कहा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथुन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२१. राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. रवीन्द्रनाथ, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 7201

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

14 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2026 वर्ष का 134 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण [illegible]
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण
तिथि द्वादशी 11.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 22.34 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 17.53 बजे को समाप्त।

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः आम आदमी

एक बार प्रसिद्ध विद्वान हजरत अबू बकर सिद्दिकी को मदीना का वजीर नियुक्त किया गया। नियुक्ति के बाद प्रश्न उठा कि इतने बड़े विद्वान की तनख्वाह कितनी हो। वहां के बादशाह भी कोई निर्णय नहीं ले सके। काफी देर माथापच्ची करने के बाद अंत में यह निर्णय हुआ कि उनसे पूछ कर ही उनका वेतन तय किया जाए। बादशाह स्वयं उनके पास गए और उनके सामने अपनी समस्या रखी। अबू बकर ने कहा, 'जहांपनाह, यह तो कोई समस्या है नहीं। मैं कोई जनता से अलग तो हूं नहीं। बताइए, मदीना का एक औसत मजदूर महीने में कितना कमा लेता है?' बादशाह ने कहा, 'तकरीबन एक दीनार तो कमा ही लेता है।' अबू बकर ने कहा, 'ठीक है। मेरी तनख्वाह एक दीनार रखी जाए।' बादशाह हैरत में पड़ गए। बोले, 'क्या कहा आपने? एक दीनार! इससे ज्यादा तो मेरा नौकर कमाता है। आपकी बराबरी एक नौकर से नहीं हो सकती।' अबू बकर ने कहा, 'आप मेरी बात नहीं समझ रहे हैं। आपने मुझे मुल्क का वजीर इसलिए बनाया है कि मैं यहां की गरीब जनता के हित में काम करूं। देश को तरक्की पर ले जाऊं। लेकिन जब मुझे यहां के आवाम के दर्द का पता ही नहीं चलेगा तो मैं कैसे उनके हित की बात सोचूंगा। एक मजदूर के बराबर तनख्वाह लेने से मुझे इतना तो पता रहेगा कि यहां साधारण लोग किस हाल में रहते हैं। वे अपना गुजर-बसर किस तरह से करते हैं और उनकी भलाई कैसे हो सकती है। हमारी तनख्वाह ज्यादा होगी तो हमें पता ही नहीं चलेगा कि देश में क्या हो रहा है।' बादशाह ने फिर जोर देकर कहा, 'यह नियम के खिलाफहोगा। आप की तनख्वाह एक मजदूर के बराबर नहीं हो सकती।' अबू बकर ने मुस्कराकर कहा, ' फिक्र मत करिए। मैं हमेशा कोशिश करता रहूंगा कि यहां के मजदूरों की आमदनी जल्दी-जल्दी बढ़ती रहे। इससे मेरी तनख्वाह अपने आप बढ़ती जाएगी।' यह सुनकर बादशाह निरुत्तर हो गए। उन्होंने शाही खर्च में भारी कटौती कर दी।

## सूडोकु नवताल- 7511

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2 | | | | | 4 |
| | | | 6 | | | | | 1 |
| | 5 | | 8 | | | 2 | | 3 |
| | | 7 | | | | | 6 | |
| | | | | | | | | |
| | 3 | | | | | 8 | | |
| 1 | | 6 | | | 3 | | 7 | |
| 2 | | | | | 5 | | | |
| 8 | | | | | 4 | | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7510 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 4 | 3 | 1 | 9 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 2 | 3 | 5 | 8 | 4 | 9 | 6 | 1 |
| 8 | 9 | 1 | 7 | 2 | 6 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 3 | 2 | 5 | 9 | 4 |
| 4 | 3 | 8 | 9 | 6 | 5 | 1 | 7 | 6 |
| 5 | 6 | 9 | 4 | 7 | 1 | 8 | 3 | 2 |
| 2 | 8 | 7 | 1 | 4 | 3 | 6 | 5 | 9 |
| 9 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 | 4 | 8 | 3 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 9 | 8 | 2 | 1 | 7 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8726

**बाएँ से दाएँ**

1. इच्छा, मन्नत-2
3. आश्रय, शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब, स्वप्न-3
17. घर, आवास-3
19. लोच-3
21. भस्म, खाक-2
23. निगाह, दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग, हिलोर-3
32. गुंडा, बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी, कै-3
41. मां के पिता-2

**ऊपर से नीचे**

1. सप्तम, सातवां-2
2. पृथ्वी, वसुंधरा-3
4. घ्राणेंद्रिय-2
5. वासना, लालसा-3
7. खुमार, सरूर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर, तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल, खानदान, वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि, शरीर का मध्यांग-3
22. इमामदस्ता-3
24. नकद राशि, रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी, विदा होना-3
31. राशि, धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

### शब्द पहेली -8725 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

# करोड़ों रुपये खर्च होने होने के बाद भी बिसोनी वासियों को नल-जल योजना का नहीं मिल रहा लाभ

**पद्मेश न्यूज। लांजी।**

शासन की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई नल-जल योजनाएं कई स्थानों पर अब भी अपेक्षित लाभ नहीं दे पा रही हैं। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत बिसोनी में भी ऐसी ही स्थिति सामने आई है, जहां अधूरे कार्य, तकनीकी समस्याएं और बढ़ते बिजली बिल के कारण ग्रामीणों को पर्याप्त पेयजल सुविधा नहीं मिल पा रही है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2020-21 में ग्राम बिसोनी में लगभग 2.7 करोड़ रुपये की लागत से नल-जल योजना स्वीकृत हुई थी। योजना के अंतर्गत बड़ी पानी टंकी का निर्माण किया गया, लेकिन कुछ छोटी टंकियों का कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। वहीं कई स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी अधूरा बताया जा रहा है, जिसके चलते अनेक वार्डों तक नियमित जलापूर्ति नहीं पहुंच पा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना प्रारंभ होने के समय घर-घर नल कनेक्शन के माध्यम से नियमित पानी उपलब्ध कराने की उम्मीद जगी थी, लेकिन वर्तमान में कई इलाकों में नल सूखे पड़े हैं। गर्मी के मौसम में पेयजल संकट और अधिक गहरा गया है, जिससे लोगों को वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि योजना के संचालन में विद्युत संबंधी दिक्कतें भी सामने आ रही हैं। मोटर संचालन और विद्युतीकरण कार्य पूरी तरह व्यवस्थित नहीं होने के कारण जलापूर्ति प्रभावित हो रही है। वहीं बिजली बिल का बढ़ता भार भी पंचायत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। ग्राम पंचायत द्वारा प्रशासन को पत्र भेजकर अधूरे कार्य शीघ्र पूर्ण कराने, तकनीकी समस्याओं के निराकरण तथा जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए जाने की मांग की गई है।

# रोड़ पार कर रहे युवक को कार ने मारी टक्कर, युवक की मौत

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टेडवा में मोटर सायकल में पेट्रोल भराकर रोड पार कर रहे एक युवक को एक कार ने टक्कर मार दी। हालांकि घटना के बाद वाहन चालक ने मानवता का परिचय देते हुए हादसे में घायल बुजुर्ग को उसी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती किया और उसके बाद अपने वाहन को थाना ले जाकर सुपुर्द कर दिया। घटना में घायल हुए महेंद्र पिता चमारूलाल निकोसे को चिकित्सकों द्वारा परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया गया। घटना बुधवार 13 मई की शाम तकरीबन 5 से 5.30 बजे के बीच की है, बताया जाता है कि मोहझरी निवासी महेन्द्र पिता चमारूलाल निकोसे 55 वर्ष अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमएच 35 एडी 4446 से अपनी परिचित महिला मीराबाई पंद्रे के साथ मोहझरी से टेडवा एक विशेष धर्म की बैठक में शामिल होने आए थे। जहां से शाम को घर लौटने के दौरान उनके वाहन का पेट्रोल खत्म हो गया था। ग्राम टेडवा में ही एक दुकान से बॉटल में पेट्रोल लेकर रोड के दूसरी तरफ खड़ी अपनी मोटर सायकल के पास जा रहा था कि तभी बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार में लांजी की ओर जा रही एक कार क्रमांक एमपी 50 जेसी 2645 ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसके बाद कार चालक ने ही घायल महेंद्र को सिविल अस्पताल लांजी लाया, लेकिन उसे को बचाया नहीं जा सका। घटना के बाद से उनके साथ बैठक में पहुंची महिला बदहवास है,जो कुछ बताने की हालत में नहीं है। मृतक महेन्द्र निकोसे का पीएम 14 मई को कराया जाएगा। लांजी पुलिस ने बताया कि शव बरामद कर मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। लांजी क्षेत्र में बीते 24 घंटे में दर्जन भर से ज्यादा लोगों के सड़क हादसे में घायल हो गए है और दो लोगों की मौत हो गई।

# तेज रफ्तार ट्रेक्टर चालक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर - दो लोग गंभीर रूप से घायल

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी थाना क्षेत्र में बढ़ते सड़क हादसे के बीच मंगलवार की रात तकरीबन 9.30 से 10 बजे के बीच, तेज रफ्तार ट्रेक्टर चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटर सायकिल को टक्कर मार दी। जिससे, मोटर सायकिल में पीछे बैठे वृद्ध के बांय पैर के घुटने के पास चमड़ी को फाड़ती हड्डी बाहर निकाल गई। जबकि वाहन चला रहे नाबालिग को चोटें आई है। जिन्हें जानकारी के बाद एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल बसंत पिता नर्मदा पंद्रे 55 को प्राथमिकी उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए रिफर पर परिजन, पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गोंदिया लेकर गए है। जबकि घायल युवराज पिता विजय पालेवार 17 वर्ष का सिविल अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना लांजी थाना क्षेत्र के कदमटोला की है, बताया जाता है कि मामा बसंत पंद्रे अपने भांजे समीर पालेवार के साथ विवाह समारोह में शामिल होने टेमनी से चिखलामाली जा रहे थे। इस दौरान ही कदमटोला में सामने से आ रहे एक ट्रेक्टर ने उनकी मोटर सायकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटनास्थल पर ही वृद्ध बसंत पंद्रे के घुटने के पास पैर की हड्डी चमड़ी और पेंट को फाड़ते हुए बाहर आ गई। घायलो को एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल लाए जाने के बाद लांजी पुलिस भी अस्पताल पहुंची। हालांकि पुलिस ने बताया कि फिलहाल घायलों का उपचार चल रहा है, उपचार के बाद ही इनके बयान लेने के बाद ही घटना की जानकारी का पता चल पाएगा।

# चौपहिया वाहन की तेज रोशनी से मोटरसाइकिल चालक अनियंत्रित होकर खेत के फेंसिंग पोल में टकराया,

## हेलमेट की वजह से युवक की बची जान, दो जगह से पैर की हड्डी टूटी

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** सड़क पर सामने से आ रहे वाहन की तेज रोशनी एक बार फिर हादसे का सबब बन गई। लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुम्हारी खुर्द के पास एक मोटर सायकिल अनियंत्रित होकर खेत की फेंसिंग तार से जा टकराई, जिसमें बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। गनीमत रही कि उसने हेल्मेट पहन रखा था, जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के भंडारपुर निवासी शेर सिंह पिता अमृतलाल पारधी (25 वर्ष) अपने साथी शिवा पिता गुलाब पारधी (15 वर्ष) के साथ मोटर सायकिल से बिझलगांव से लांजी की ओर आ रहा था। इसी दौरान कुम्हारी खुर्द ग्राम के समीप सामने से आ रहे एक चौपहिया वाहन की तेज रोशनी के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया और मोटर सायकिल सड़क किनारे लगे खेत के फेंसिंग तार से जा भिड़ी। हादसे में शेर सिंह के दाएं पैर में दो जगह फैक्चर हो गया। घटना की सूचना मिलते ही 112 डायल मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाकर भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिफर कर दिया। घायल शेर सिंह ने बताया कि यदि उसने हेल्मेट नहीं पहना होता तो हादसा और भी भयावह हो सकता था। उसने कहा कि हेल्मेट की वजह से उसकी जान बच गई, हालांकि पैर में गंभीर चोट आई है। वहीं बाइक में पीछे बैठा उसका साथी शिवा पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और रात्रि के समय वाहनों की तेज रोशनी को लेकर फिर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने वाहन चालकों से डिपर का उपयोग करने और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

# खड़े डेकोरेशन के वाहन से जा टकराई तेज रफ्तार मोटर साइकिल - युवक की मौत

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** क्षेत्र में लगातार सड़क हादसे सामने आ रहे हैं, जिनमें युवाओं की जान जाने की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। मंगलवार देर रात 12 मई को लांजी थाना क्षेत्र के लांजी-आमगांव रोड स्थित कटंगी में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक की बाइक सड़क किनारे खड़े डेकोरेशन वाहन से जा टकराई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नीमटोला निवासी विजय पिता राधेश्याम वाकड़े (25) मंगलवार दोपहर अपने एक परिचित को छोड़ने आमगांव गया था। परिचित को छोड़कर वह देर रात वापस अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान कटंगी के पास सड़क किनारे खड़े डेकोरेशन वाहन क्रमांक एमएच 35 एजे 0209 से उसकी बाइक क्रमांक एमपी 50 जेडएफ 9624 पीछे से जा भिड़ी। बताया जा रहा है कि डेकोरेशन वाहन में सामान भरा हुआ था और वह सड़क किनारे खड़ा था। तेज रफ्तार में आ रहे विजय को वाहन दिखाई नहीं दिया और वह सीधे वाहन से जा टकराया। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और लांजी पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। गुस्साए लोगों ने डेकोरेशन वाहन में मामूली तोड़फोड़ भी की। पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाने में खड़ा करा दिया है तथा मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं बुधवार 13 मई को युवक के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजनों एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में स्थानीय मोक्षधाम में युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

# राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** राष्ट्रीय कैडेट कोर के दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर सीएटीसी-95 का समापन बुधवार, 13 मई 2026 को बालाघाट के गोंगलई स्थित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 439 कैडेटों ने सहभागिता की। शिविर के सफल आयोजन में कलेक्टर श्री मृणाल मीना, सहायक आयुक्त शकुन्तला डामोर तथा शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, गोंगलई के प्राचार्य का विशेष सहयोग रहा। कैडेटों के लिए दस दिनों तक परिसर उपलब्ध कराया गया। समापन अवसर पर शिविर संचालक विनीत कमल गुप्ता ने कैडेटों को एकता एवं अनुशासन का महत्व बताते हुए जीवन में इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं में नेतृत्व क्षमता, चरित्र निर्माण, अनुशासन तथा धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण का विकास करता है, जिससे उनमें राष्ट्रसेवा की भावना मजबूत होती है। शिविर के दौरान पुलिस विभाग द्वारा कैडेटों के लिए वाहन एवं निशानेबाजी प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। प्रतिदिन योग साधना का आयोजन तनु काटेकर द्वारा कराया गया। साथ ही विभिन्न विषयों पर विशेष मार्गदर्शन सत्र आयोजित हुए, जिनमें राज्य आपदा मोचन बल द्वारा आपदा प्रबंधन, जबलपुर सेना भर्ती कार्यालय द्वारा सेना भर्ती प्रक्रिया, परमाणु ऊर्जा संबंधी जानकारी, बैंकिंग व्यवस्था तथा प्राथमिक उपचार जैसे विषय शामिल रहे। शिविर में कटंगी, वारासिवनी, बिरसा, बैहर, मलाजखंड तथा बालाघाट क्षेत्र के कैडेटों ने सहभागिता की। शिविर को सफल बनाने में मेजर हेमंत कुमार मंडाले, राजेन्द्र सिंह कुसराम, गजानन कटरे, श्रवण बोदेले, कल्पना थोंबरे, धीरेंद्र दत्त आर्या, सूबेदार तरसेम सिंह सहित अन्य अधिकारियों एवं जवानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# खैरलांजी में जनगणना-2027 कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

## प्रगणकों को कार्य में तेजी लाने एवं लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले में जनगणना-2027 की तैयारियां तेज़ी से प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को तहसील खैरलांजी में जनगणना कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन ने की। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव तथा जनगणना निदेशालय द्वारा बालाघाट जिले के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारी रोहित पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जनगणना-2027 के अंतर्गत अब तक पूर्ण किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा फील्ड स्तर पर आ रही समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा कर उनके निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने प्रगणकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिला जनगणना अधिकारी श्री बर्मन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन प्रगणकों द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है या कार्य सही ढंग से नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी प्रगणकों से जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# मोहन सरकार एक बार फिर 7.86 प्रतिशत ब्याज पर 1800 करोड़ कर्ज लेने जा रही

## सरकार के खाते में आज आएंगे 1800 करोड़; डेढ़ महीने में बाजार से उठाए 6400 करोड़

भोपाल। मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार एक बार फिर बाजार से बड़ा कर्ज लेने जा रही है। राज्य सरकार आज कुल 1800 करोड़ रुपए का ऋण उठाएगी। इसमें 1200 करोड़ रुपए और 600 करोड़ रुपए के दो अलग-अलग राज्य विकास ऋण (सडरू) शामिल हैं। इससे पहले सरकार चालू वित्त वर्ष के अप्रैल महीने में ही 4600 करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है।

वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सरकार ने 7.86 मध्यप्रदेश राज्य विकास ऋण 2042' के तहत 1200 करोड़ रुपए का बॉन्ड जारी किया है। इसके साथ ही 600 करोड़ रुपए का एक अन्य ऋण भी लिया जा रहा है। यह ऋण 15 अप्रैल 2026 से प्रभावी माना जाएगा, जबकि इसकी नीलामी 12 मई 2026 को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुंबई कार्यालय के माध्यम से की गई थी। ऋण राशि का भुगतान आज किया जाएगा।

### बॉन्ड की अवधि 16 वर्ष तय

सरकार द्वारा जारी बॉन्ड की अवधि 16 वर्ष तय की गई है और इसकी मैच्योरिटी 15 अप्रैल 2042 को होगी। निवेशकों को इस पर 7.86 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिलेगा। ब्याज का भुगतान हर वर्ष 15 अक्टूबर और 15 अप्रैल को अर्धवार्षिक आधार पर किया जाएगा।

नीलामी प्रक्रिया आरबीआई के ई-कुबेर (ई-कुबेर) सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन संपन्न हुई। राज्य सरकार ने कुल अधिसूचित राशि का 10 प्रतिशत हिस्सा गैर-प्रतिस्पर्धात्मक बोलीदाताओं के लिए आरक्षित रखा है। साथ ही किसी एकल बोलीदाता को अधिकतम 1 प्रतिशत राशि तक ही आवंटन किया जा सकेगा।

### विकास योजनाओं में होगा उपयोग

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस ऋण से प्राप्त राशि का उपयोग प्रदेश की उत्पादक विकास योजनाओं और विभिन्न परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार से आवश्यक अनुमति भी प्राप्त कर ली गई है।

वित्तीय एवं बजटीय स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश को 1573.12 करोड़ रुपए का राजस्व अधिशेष प्राप्त हुआ था, जबकि वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमान में 7.26 करोड़ रुपए का राजस्व अधिशेष दर्शाया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च 2025 तक मध्य प्रदेश सरकार पर कुल 4 लाख 14 हजार 611.56 करोड़ रुपए का ऋण बकाया है। इसमें बाजार ऋण, वित्तीय संस्थानों से लिए गए कर्ज, केंद्र सरकार से प्राप्त ऋण और अन्य देनदारियां शामिल हैं।

पिछले माह भी लिया था 4600 कर्ज

सरकार इससे पहले अप्रैल 2026 में 4600 करोड़ रुपए का कर्ज बाजार से उठा चुकी है। अब फिर 1800 करोड़ रुपए का अतिरिक्त ऋण लिया जा रहा है। सरकार लगातार बाजार से उधारी लेकर विकास कार्यों और योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने में लगी हुई है।

# प्रदेश में आगामी 4 दिन 11 जिलों में लू का अलर्ट

## सिंवनी में बारिश, ओले भी गिरे; भोपाल, इंदौर-शाजापुर में तेज धूप

भोपाल । मध्य प्रदेश में बुधवार को सिवनी में तेज हवा के साथ बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों में ओले भी गिरे। भोपाल में सुबह बादल छाए रहे। फिर तेज धूप निकली। आगर-मालवा में बादलों की वजह से उमस बनी रही। वहीं, बालाघाट में काले बादल छाए रहे। हवा चलने से तपन से लोगों को हल्की राहत मिली। शाजापुर में तपिश बरकरार रही।

मौसम विभाग के मुताबिक, इंदौर और उज्जैन संभाग के 15 में से 11 जिले अगले 4 दिन तक लू की चपेट में रहेंगे। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में भी हीट वेव चलेगी। विभाग ने सिवनी, छिंदवाड़ा और बालाघाट में ओले गिरने का अलर्ट भी जारी किया है। पांढुर्णा, बैतूल, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, नरसिंहपुर, जबलपुर, देवास, सतना, रायसेन, सागर और दमोह में भी मौसम बदला रह सकता है।

### रतलाम में पारा 46.5 डिग्री, उज्जैन में 44 पार

मंगलवार को कई शहरों में भीषण गर्मी का दौर भी रहा। रतलाम लगातार तीसरे दिन प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रतलाम के बाद धार प्रदेश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री रहा। श्योपुर-शाजापुर में 44 डिग्री, खरगोन में 43.6 डिग्री, गुना में 43.3 डिग्री, सागर में 43.2 डिग्री दर्ज किया गया।

खंडवा में 43.1 डिग्री, आगर-मंडला में 43 डिग्री, रायसेन, नर्मदापुरम, दतिया-दमोह में 42.6 डिग्री, नौगांव में 42.5 डिग्री, खजुराहो में 42.4 डिग्री, उमरिया में 42.1 डिग्री, बैतूल, सतना-टीकमगढ़ में अधिकतम तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के 5 बड़े शहरों में उज्जैन सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.4 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में 43.6 डिग्री, भोपाल में 42.6 डिग्री, जबलपुर में 42 डिग्री और ग्वालियर में 41.5 डिग्री रहा।

### मई में 11 दिन लगातार गिरा पानी

प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था। लगातार 11 दिन यानी, 10 मई तक प्रदेश में बारिश हुई। कभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर देखने को मिला तो कभी चक्रवात और टर्फ का।

इस वजह से मई के पहले सप्ताह में बारिश हुई। 11 मई को आंधी-बारिश का दौर थमा, लेकिन 12 मई को फिर से मौसम का मिजाज बदल गया। इस तरह मई के 12 में से 11 दिन आंधी, बारिश या ओलावृष्टि का असर रहा। बुधवार को कहीं भी बारिश का अलर्ट नहीं है।

# मुलताई नगर पालिका अध्यक्ष नीतू परमार भाजपा में शामिल

## भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने नीतू को दिलाई भाजपा की सदस्यता

बैतूल/भोपाल । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बुधवार को बैतूल में बैतूल जिले की मुलताई नगर पालिका अध्यक्ष नीतू परमार एवं उनके पति प्रहलाद सिंह परमार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। खण्डेलवाल ने कहा कि मुलताई नगर पालिका अध्यक्ष नीतू परमार ने भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे विकास व जनकल्याण के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन एक परिवार है। हम सभी कार्यकर्ता परिवार भाव से मिलकर संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे और सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाएंगे।

खण्डेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है, यहां सभी का स्वागत है। सभी कार्यकर्ता परिवार भाव के साथ जनता की सेवा और संगठन के कार्यों को बुलंदियों तक पहुंचाते हैं। कांग्रेस पार्टी में जनता की सेवा करने वाले कार्यकर्ताओं के लिए कोई स्थान नहीं है। देश और प्रदेश की जनता लगातार भाजपा पर भरोसा कर रही है। भाजपा संगठन साफ सुथरी राजनीति करने वालों को काम करने के लिए अनुकूलता प्रदान करना और मौका देने का कार्य करता है।

### भाजपा मेरा परिवार, मैं इसकी सदस्य- नीतू सिंह परमार

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद मुलताई नगर पालिका अध्यक्ष नीतू परमार ने कहा कि मैं पहले भी भाजपा की सदस्य रही हूं। वर्षों तक भाजपा संगठन में एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह रहकर कार्य किया है। भाजपा मेरा परिवार है और मैं इसकी सदस्य हूं। मुलताई नगर पालिका क्षेत्र में रहने वाली देवतुल्य जनता की सेवा और अधिक प्रभावी रूप से कर सकूं, इसलिए भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुधाकर पंवार, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, जिला मंत्री वर्षा गढ़ेकर उपस्थित रहीं।

# इंदौर की फाइव स्टार कन्वेंशन सेंटर में नहीं, अब भोपाल के वन भवन में 15 मई को होगी कार्यशाला

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अपील को ध्यान में रखते हुए 15 मई को इंदौर की फाइव स्टार कन्वेंशन सेंटर में प्रस्तावित क्षेत्रीय कार्यशाला अब वन भवन भोपाल में आयोजित की जावेगी। इस कार्यशाला में केवल संबंधित वन वृत्तों इंदौर, खण्डवा एवं उज्जैन वन वृत्त के भारसाधक अधिकारी मुख्य वन संरक्षक एवं वन संरक्षक ही उपस्थित होकर अपने वृत्त का प्रस्तुतीकरण देंगे। वन मंडलाधिकारी अपने मुख्यालय पर रहकर इस कार्यशाला से ऑनलाइन जुड़ेंगे।

पीसीसीएफ विकास पुरुषोत्तम धीमान ने बुधवार को जारी संशोधित आदेश के अनुसार विभिन्न वृत्तों में किये गये नवाचार एवं अनुभवों का लाभ लेने के लिये अन्य समस्त मुख्य वन संरक्षक एवं वन संरक्षक, क्षेत्र संचालक, कार्यआयोजना अधिकारी, वन मंडलाधिकारी (सामान्य, उत्पादन, सामाजिक वानिकी) एवं उपसंचालक अपने मुख्यालय से ऑनलाइन इस कार्यशाला में उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। कार्यशाला में ऑनलाइन सम्मलित होने के लिये लिंक पृथक से प्रदाय की जायेगी।

15 मई को इंदौर के पांच सितारा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में आयोजित एक दिन की कार्यशाला में सैकड़ों लीटर पेट्रोल को व्यर्थ में फूंकने और अफसरों के स्वागत-सत्कार में लाखों रुपए खर्च होते, अब वन भवन भोपाल में कार्यशाला आयोजित होने से फिजूल खर्चों पर अंकुश लगेगा।

कार्यशाला में इन बिंदुओं पर होगा प्रस्तुतीकरण

शाखावार क्रम विकास, ग्रीन इंडिया मिशन, बांस मिशन, वन्य प्राणी, कैम्पा, कार्य आयोजना, उत्पादन, वित्त/बजट, मानव संसाधन एवं विकास, अनुसंधान विस्तार एवं लोकवानिकी, लघुवनोजपज संघ, ईकोपर्यटन बोर्ड, सतर्कता शिकायत, प्रशासन-1, प्रशासन- ।। एवं भू प्रबंध।

# चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग ने मचाया तांडव

## - इलाके में फैली दहशत, शोरुम के जनरेटर में हुए शार्ट सर्किट से आग लगने की आंशका

भोपाल। शहर के निशातपुरा थाना इलाके में बीती दोपहर को उस समय हड़कंप मच गया जब भानपुर रोड पर पीपुल्स हॉस्पिटल के सामने स्थित एक चार मॉजिला इमारत की पहली मॉजिल पर अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया और आग की लपटें और धुआं दूर से नजर आने लगा। हालांकि सूचना मिलने पहुचीं दमकलो ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया। हादसे में कोई जनहानि की सूचना नहीं हैं, लेकिन आग की चपेट में आकर लाखों रुपए नुकसान हो गया। जानकारी के अनुसार चार मंजिला बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर अचानक आग लग गई। इस बिल्डिंग में केएफसी आउटलेट और क्रोमा का इलेक्ट्रॉनिक शोरूम संचालित है। फायर फायटरो के अनुसार बिल्डिंग में क्रोमा इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के पास में रखे जनरेटर में आग लगी थी। इस वजह से कई एसी भी जल गए। जहां आग लगी थी, वहां पर केएफसी का आउटलेट भी है। हालांकि, उसे नुकसान नहीं पहुंचा। आग लगने की सूचना मिलते ही पीपुल्स हॉस्पिटल की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास शुरु कर दिये। सूचना मिलने पर निशातपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसी दौरान नगर निगम की दमकल भी आ गई। दोनों ने मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। जिस कारण आग ज्यादा नहीं फैल सकी। हादसे में कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपए का नुकसान हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के दौरान बिल्डिंग में भीड़ नहीं थी। इस वजह से बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग से लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

# रिटायर्ड आईएएस मनोज श्रीवास्तव बोले-बर्र के छत्ते में हाथ न डालें

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत दिनों उदेश वासियों से पेट्रोल ओर डीजल की बचत के साथ ही एक साल तक सोने की खरीदारी नहीं करने की अपील के बाद सोशल मीडिया पर देश के बड़े मॅदिरों में मौजूद सोने को लेकर सोशल मीडिया से लेकर हर जगह बहस छिड़ गई है। कई लोग मॅदिरों के स्वर्ण भंडार का हवाला देते हुए सरकार से उसे अधिग्रहित करने की मांग कर रहे हैं। इसी बीच मध्यप्रदेश के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी मनोज श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

पूर्व अपर मुख्य सचिव और वर्तमान राज्य निर्वाचन आयोग अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि सिर्फ एक वर्ष सोना न खरीदने को कहा गया तो लोग मॅदिरों के सोने की सूची सोशल मीडिया में घुमाने लगे। और कहने लगे कि सरकार को उसे अधिग्रहीत कर लेना चाहिए। लेकिन उनसे न तो स्वर्ण मॅदिर के स्वर्ण का नाम लेते बना न अलीगढ़ की जामा मस्जिद का जिसे गोल्डन मॉस्क ऑफ एशिया कहा जाता है। न नामद्रोलिंग मठ (स्वर्ण मॅदिर),बायलाकुप्पे, कूर्ग का या बोधगया के महाबोधि मॅदिर का और न वेलंकन्नी बेसिलिका या केरल के कुछ कैथेड्रल्स में मुकुट/आभूषण का। और यह तो हिन्दू धर्म का खुलापन है कि उसका स्वर्ण लोगों को पता है पर दूसरे मज़हबों के बारे में पूछने पर कह देते हैं कि मात्रात्मक सार्वजनिक डेटा नहीं है। मैंने पूछा कि है नहीं या उनकी ट्रांसपेरेंसी नहीं है तो खिसिया गये।

और मैंने पूछा कि वैटिकन को प्रत्येक सूबा से कितनी राशि जाती है? उन्होंने कहा पता नहीं। इनकी कोई केंद्रीकृत लेखापरीक्षा रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होती। और जब संपत्ति पर ही बात आ गई है तो लैंड भी गोल्ड में कन्वर्ट हो सकती है न। सरकार के बाद भारत का सबसे बड़ा नॉन-गवर्नमेंटल लैंडओनर तो चर्च को बताया जाता है और वक्फ भूमियों के किस्सों का अंत ही नहीं।

इसलिए ऐसे सज्जनों से मेरा कहना है अपनी औकात में रहें। बर्र के छत्ते में हाथ न डालें।

# रिटायर्ड महिला जज की प्रेग्नेंट बहू ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। शहर के कटारा हिल्स थाना इलाके में रिटायर्ड महिला जज की प्रेग्नेंट बहू द्वारा शादी के एक साल बाद ही अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। फिलहाल आत्महत्या का ठोस कारण साफ नहीं हो सका है, लेकिन मृतका के मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर उसे मानसिक रुप से प्रताड़ित करने और दबाव बनाने के आरोप लगाए है। मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से नोएडा दिल्ली की रहने वाली 31 वर्षीय पीयूषा शर्मा की शादी करीब एक साल पहले भोपाल के कटारा हिल्स निवासी सामर्थ शर्मा से हुई थी। पीयुषा का भाई भारतीय सेना में मेजर है। पति सामर्थ पेशे से वकील है, जबकि उसकी सास रिटायर्ड जज है।

मृतक के भाई मेजर हर्षित शर्मा का कहना है कि मंगलवार रात बहन पीयूषा ने उन्हें फोन कर बताया थाकी उसका पति बीते 8 दिनों से उसे छोटी-छोटी बातों पर उसे अपमानित कर मानसिक रुप से प्रताड़ित कर रहा था। हर्षित के मुताबिक, फोन पर बहन की बातचीत से अहसास हुआ की वह काफी तनात और परेशान लग रही थी। बहन ने बताया था, कि वह भोपाल छोड़कर मायके लौटना चाहती थी। परिवार के अनुसार, उसने नोएडा आने के लिए रिजर्वेशन भी करा लिया था। परिवार वालो का आरोप है की पीयूषा से

फोन पर बात होने के कुछ समय बाद ही उसकी सास का फोन कर बताया कि पीयूषा ने घर में फांसी लगा ली और उसकी मौत हो चुकी है, इसके बाद मायके वाले भोपाल पहुंचे।

भाई मेजर हर्षित का आरोप है, कि शादी के थोड़े समय तक तक ठीक चल रहा था। लेकिन बहन के नौकरी छोड़ने के बाद पति और ससुराल वालो को व्यवहार उसके प्रति बदल गया। उसे ꣼नाकारा꣼ कहने के साथ ही परिवार और उसकी परवरिश को लेकर भी अपमानित किया जाता था। परिजनो का आरोप है कि लगातार मानसिक प्रताड़ना और अपमान के कारण पीयूषा तनाव में चली गई थी। भाई के मुताबिक, मार्च में पीयूषा की अनप्लांड प्रेग्नेंसी हुई थी। परिवार का दावा है कि वह उस समय बच्चे के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन ससुराल पक्ष उस पर बच्चा पैदा करने का दबाव बना रहा था। परिजन ने आरोप लगाया कि पति इस बात को लेकर भी उसे ताने देता था।

सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस टीम ने घटनास्थल की तलाशी ली लेकिन फिलहाल मौके से सुसाइड नोट या ऐसा अन्य कोई सुराग नहीं मिला जिससे आत्महत्या का कारण साफ हो सके।

# पीएम मोदी की अपील का सीएम डॉ. यादव ने किया पालन, अपने ही काफिले से कम की गाड़ियां

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पेट्रोल-डीजल का संयमित उपयोग करने की अपील के बाद एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने काफिले में 7 वाहन रहेंगें। सीएम के कारकेड में अब तक 13 वाहन चलते थे जिसमें से 6 कम कर दिए गए है। भोपाल से नरसिंहपुर रवाना होते वक्त सीएम डॉ. मोहन यादव के काफिले में आज सिर्फ सात वाहन ही नजर आए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव केंद्र सरकार के साथ जन कल्याण के लिए कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। इसी तारतम्य में उन्होंने एक और बड़ा फैसला किया है। उनके काफिले में अब कम के कम और जरूरी गाड़ियां ही होंगी। साथ ही, उनके दौरे के दौरान किसी तरह की कोई वाहन रैली नहीं होगी। उनके इस फैसले की व्यक्तिगत और राजनीतिक दृष्टि से तारीफ हो रही है। सीएम डॉ. यादव ने राज्य के मंत्रियों से भी कम के कम गाड़ियों का इस्तेमाल करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मध्यप्रदेश राष्ट्रहित में पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए संकल्पित है। आगामी आदेश तक मेरे कारकेड में सुरक्षा की दृष्टि से न्यूनतम वाहन होंगे और भ्रमण के दौरान कोई वाहन रैली नहीं होगी। सभी मंत्रीगण भी यात्रा के समय न्यूनतम वाहनों का उपयोग करेंगे। साथ ही, नवनियुक्त निगम-मंडल पदाधिकारी सादगी से कार्यभार ग्रहण करेंगे।

# नीट परीक्षा घोटाले, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ - जीतू पटवारी

## केन-बेतवा परियोजना में आदिवासियों के शोषण एवं केंद्र-राज्य सरकार की नीतियों पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का भाजपा पर तीखा हमला

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्र की भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर युवाओं, किसानों, आदिवासियों और देश के भविष्य के साथ विश्वासघात करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज देश जिन दो बड़े संकटों से गुजर रहा है, उनमें पहला युवाओं के भविष्य से जुड़ा नीट परीक्षा घोटाला और दूसरा केन-बेतवा परियोजना के नाम पर आदिवासियों का शोषण है। ये केवल राजनीतिक मुद्दे नहीं, बल्कि देश की आत्मा और भविष्य से जुड़े गंभीर प्रश्न हैं।

पटवारी ने कहा कि लगभग 24 लाख विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा दी, लेकिन एक बार फिर पेपर लीक और धांधली ने मेहनतकश विद्यार्थियों और उनके परिवारों के सपनों को तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी 2017, 2021 सहित कई परीक्षाओं में इस प्रकार की घटनाएं सामने आती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की कार्यप्रणाली में राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति शामिल है। हर बार सरकार और भाजपा नेताओं को बचाकर पूरा दोष कर्मचारियों और अधिकारियों पर डाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि देश में जितनी भी बड़ी परीक्षा धांधलियां हुई हैं, उनमें किसी न किसी रूप में भाजपा से जुड़े लोग, कार्यकर्ता या राजनीतिक संरक्षण सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा शिक्षा व्यवस्था में हस्तक्षेप कर अपने लोगों को विभिन्न संस्थानों में स्थापित करने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि इस बार नीट प्रकरण में पकड़े गए व्यक्ति के परिजनों को पूर्व की परीक्षाओं में चयन मिला था, जिससे पूर्व की परीक्षाओं की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

पटवारी ने कहा कि एक मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चे को डॉक्टर बनाने के लिए वर्षों तक संघर्ष करता है। माता-पिता अपनी जरूरतें काटकर लाखों रुपये कोचिंग पर खर्च करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार की नीतियां और भ्रष्ट व्यवस्था उन सपनों को नष्ट कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश की पूरी परीक्षा प्रणाली और ऑनलाइन प्रक्रियाओं में लगातार हेराफेरी हो रही है। भाजपा सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में सर्वाधिक पेपर लीक और भर्ती घोटाले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश में लगातार पेपर लीक की घटनाएं हुईं, लेकिन दोषियों तक कभी निष्पक्ष जांच नहीं पहुंच सकी क्योंकि उन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने विशेष रूप से मध्यप्रदेश के व्यापम घोटाले का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा शासन में युवाओं के भविष्य को व्यवस्थित तरीके से बर्बाद किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस पूरे मामले की कड़ी निंदा करती है और देश के अभिभावकों से अपील करती है कि वे समझें कि उनके बच्चों के भविष्य के साथ कितना बड़ा अन्याय हुआ है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी युवाओं, रोजगार, शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर व्यापक रणनीति तैयार कर रही है। आगामी 16 मई को कांग्रेस पार्टी एक विस्तृत प्रेस वार्ता कर युवाओं और रोजगार से संबंधित आंदोलन, सुझाव और समाधान आधारित कार्यक्रमों की घोषणा करेगी। इसके लिए विशेषज्ञों की एक बड़ी समिति का गठन किया गया है।

पत्रकार वार्ता के दौरान पटवारी ने बुंदेलखंड दौरे और केन-बेतवा परियोजना का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि वे पिछले कई दिनों से परियोजना प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर हैं, जहां आदिवासी परिवार वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 11 मई को पन्ना में उन्होंने आंदोलनरत विस्थापित परिवारों से मुलाकात की और पन्ना जेल में बंद किसानों एवं आंदोलनकारियों की समस्याओं को लेकर प्रशासन से चर्चा की। इसके बाद 12 मई को छतरपुर में प्रशासन ने उन्हें प्रभावित परिवारों से मिलने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी के दबाव के बाद प्रशासन को झुकना पड़ा और प्रभावित लोगों से मुलाकात संभव हो सकी। उन्होंने कहा कि माननीय राहुल गांधी जी ने स्वयं उन्हें प्रभावित आदिवासी परिवारों के बीच भेजा था और कांग्रेस पार्टी इस संघर्ष में पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केन-बेतवा परियोजना के नाम पर हजारों आदिवासी परिवारों को विस्थापित किया जा रहा है, लेकिन उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया गया। न घर का उचित मूल्य मिला, न जमीन का और न ही पेड़-पौधों का उचित प्रतिफल। उन्होंने कहा कि कई वर्षों पूर्व तय की गई मुआवजा राशि आज पूरी तरह मूल्यहीन हो चुकी है। जिन परिवारों के सदस्य उस समय नाबालिग थे, उन्हें पुनर्वास और मुआवजे के अधिकार से बाहर कर दिया गया। आज वे परिवार अत्यधिक गरीबी और असुरक्षा में जीवन जीने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन, पुलिस और वन विभाग पूरी तरह कंपनी के पक्ष में काम कर रहे हैं।

पटवारी ने कहा कि जिस नागार्जुन कंपनी को परियोजना का ठेका दिया गया है, वही कंपनी भाजपा का विशाल कार्यालय भी बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा मामला कमीशन, भ्रष्टाचार और राजनीतिक संरक्षण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा चाहे तो वे किसी भी मंच पर दस्तावेजों सहित इस विषय पर बहस के लिए तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना क्षेत्र में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की पोस्टिंग तक पैसों के आधार पर की जा रही है ताकि कंपनी को संरक्षण दिया जा सके। उन्होंने कहा कि आदिवासियों, किसानों और गरीबों के अधिकारों को कुचलकर भाजपा सरकार कॉर्पोरेट हितों की रक्षा कर रही है। पटवारी ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री लगातार जनता को त्याग और बचत की सलाह दे रहे हैं, जबकि देश की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा लोकतंत्र की खरीद-फरोख्त बंद कर दे, विधायकों की खरीद बंद कर दे और संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, तो देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति स्वत- सुधरने लगेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लोकतंत्र, चुनाव आयोग, न्याय व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि देश आर्थिक संकट, बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक विभाजन की ओर बढ़ रहा है, जिसके लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिम्मेदार हैं।

अंत में पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी युवाओं, किसानों, आदिवासियों और गरीबों के अधिकारों की लड़ाई लगातार सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी तथा अन्याय, भ्रष्टाचार और दमन के खिलाफ संघर्ष को और तेज करेगी।

# प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करना चाहेगी पंजाब

धर्मशाला । पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस सत्र की शुरुआत में नंबर एक पर रही पंजाब की टीम पिछले चार मैच में लगातार हार से अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। उसके अब तक 13 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे पिछले मैचों में की गयी गलतियों से बचना होगा। उसके ऊपर दबाव भी रहेगा और ऐसे में अब देखना होगा कि वह किस प्रकार से खेलती है। इस मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। पिछले मैच में उसे इन दोनों क्षेत्रों की कमजोर से हार का सामना करना पड़ा था। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए दो मैचों को हर हाल में जीतना होगा।

टीम का अब तक का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उसे शुरुआत में लगातार जीत मिली पर फिर टीम एकाएक हारने लगी।

टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां नजर नहीं आई पर बल्लेबाजी के असफल होने ही टीम हारने लगी। दिल्ली के खिलाफ मैच में टीम जीत के करीब पहुंच गई थी पर अंतिम पांच ओवरों में तेज गेंदबाज अपनी लेंथ बरकरार नहीं रख पाये। अर्शदीप सिंह सहित अन्य गेंदबाजों का इकॉनमी रेट सबसे खराब रहा है। जहां पहले हाफ में जेवियर बार्टलेट और अर्शदीप ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया। वहीं लॉकी फर्ग्युसन की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बेन ड्वार्शियस सहित बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा पर ये सभी महंगे साबित हुए। अर्शदीप ने जिन 11 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें से अधिकांश में उन्होंने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं।

इसके अलावा टीम की फील्डिंग भी खराब रही है। वहीं अगर पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो प्रभसिमरन सिंह को निरंतरता रखते हुए लंबी पारी खेलनी होगी जिससे वह शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्य के साथ बड़ी साझेदार कर सकें। टीम ने पिछले मैचों में काफी कैच छोड़े हैं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ है।

वहीं दूसरे और मुंबई इंडियंस पहले ही पलेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह इस मैच में बिना किसी दबाव के उतरेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने उतरेंगे। ऐसे में वह बेहतर प्रदर्शन कर पंजाब के प्लेऑफ का समीकरण बिगाड़ सकती है। जिसको ध्यान में रखते हुए पंजाब को सतर्क रहना होगा।

मुम्बई के कप्तान हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे और इस मैच में उनके उतरने की संभावना है। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों के बीच अबतक 34 मैच हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 17 जबकि पंजाब ने 16 जीते हैं।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं-

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रियान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, विल जैक, कॉर्बिन बॉश, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डीकॉक, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, एएम गज़नफ़र, मयंक रावत, रघु शर्मा, मोहम्मद सलाउद्दीन इज़हार, रॉबिन मिंज।

## सुदर्शन ने लगातार तीसरे आईपीएल सत्र में 500 से अधिक रन बनाये

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। सुदर्शन आईपीएल सत्र में लगातार तीसरी बार 500 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही सुदर्शन ने आईपीएल में विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। विराट ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीबी) की ओर से लगातार तीन सत्र में 500 से अधिक रन बनाये हैं।

सुदर्शन ने 2024 और 2025 के बाद अब 2026 में यह शानदार कारनामा किया है। है। इसी के साथ ही वह विराट के साथ तीसरे पायदान पर संयुक्त रूप से आ गये हैं। विराट ने साल 2023, 2024 और 2025 में यह रिकार्ड बनाया था। वहीं वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने साल 2011, 2012, 2013 और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने साल 2019, 2020 और 2021 में भी लगातार तीन बार 500 से अधिक रन बनाये हैं।

हालांकि, आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाने का ओवरऑल रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर के नाम दर्ज है, जिन्होंने छह बार यह उपलब्धि हासिल की है।

इस सत्र में साई सुदर्शन का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक 12 मैचों में 41.75 की शानदार औसत से कुल 501 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वह ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी दूसरे पायदान पर हैं, जहां सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 12 मैचों में 50.80 के औसत से 508 रन बनाकर उनसे थोड़ा आगे हैं। वहीं, विराट कोहली इस सूची में 13वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 11 मैचों में 42.11 के औसत से 379 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

## टेनिस खिलाड़ी पुरस्कार राशि के मामले में अब पीछे नहीं हटेंगे- पेगुला

रोम । टेनिस जगत में खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। अब इस अभियान का नेतृत्व कर रही अमेरिकी महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कहा है कि खिलाड़ी अब अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेंगे। पेगुला ने कहा कि यह सही समय है जब खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व में एक बड़ा मिलना चाहिए। वहीं इससे पहले विश्व नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग की नंबर-1 खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने भी कहा था कि पुरस्कार राशि बढ़ायी जानी चाहिये। गई है।

पेगुला खिलाड़ियों को इस मामले को लेकर एक मंच पर लाने का प्रयास भी कर रही हैं। । उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से इस मामले में सीधे बात करने और उन्हें एकसाथ लाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। पेगुला ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर पूछ सकती हूं कि क्या वह इस मामले में हमसे सहमत है या नहीं । साथ ही कहा कि कुछ खिलाड़ी शायद इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी पूरी तरह से समर्थन में हैं। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ियों से लगातार संपर्क कर रही हैं और उन्हें इस अभियान में शामिल कर रही हैं।

पेगुला ने संकेत दिया कि अन्य प्रमुख पेशेवर खेलों की तुलना में टेनिस खिलाड़ियों को उनके योगदान के बदले काफी कम हिस्सा मिलता है। उन्होंने एनएफएल (नेशनल फुटबॉल लीग) और एनएचएल (नेशनल हॉकी लीग) जैसी लीगों का उदाहरण देते हुए कहा कि उसमें खिलाड़ियों को लीग के कुल राजस्व का लगभग 50 फीसदी हिस्सा मिलता है। इसके विपरीत, अधिकतर टेनिस टूर्नामेंटों में खिलाड़ियों का यह हिस्सा बहुत कम रहता है। खिलाड़ियों द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, फ्रेंच ओपन जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भी खिलाड़ियों को कुल राजस्व का 14.9 फीसदी से भी कम हिस्सा मिलता है, जो कि अन्य खेलों की तुलना में एक बड़ा अंतर है।

वहीं पिछले सप्ताह बेलारूस की, एरीना सबालेंका ने भी इस मामले को उठाया था और कहा था कि यदि खिलाड़ियों को उनका उचित हिस्सा नहीं मिलता, तो उन्हें बहिष्कार जैसे कड़े कदमों पर भी विचार करना चाहिए। वहीं यानिक सिनर ने टूर्नामेंट आयोजकों पर खिलाड़ियों के प्रति सम्मान की कमी का आरोप लगाया था। पेगुला ने इन दोनों शीर्ष खिलाड़ियों के समर्थन की सराहना करते हुए कहा कि जब दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी किसी मुद्दे पर खुलकर बोलते हैं, तो उनकी बात को नजरअंदाज करना असंभव हो जाता है। उनका समर्थन इस अभियान को एक मजबूत आवाज देता है।

## काउंटी चैम्पियनशिप में सफल वापसी के साथ ही स्टोक्स ने साबित की फिटनेस

### न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए हैं तैयार

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने चोट से वापसी करते हुए काउंटी चैम्पियनशिप में अच्छी गेंदबाजी कर साबित कर दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से फिट हैं। स्टोक्स की वापसी से इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने राहत की सांस ली है। टीम को आने वाले समय में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। ऐसे में स्टोक्स की वापसी से घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे स्टार खिलाड़ियों के संन्यास के बाद से ही स्टोक्स की भूमिका और भी अहम हो जाती है। स्टोक्स ने डरहम काउंटी क्रिकेट क्लब की ओर से वॉर्सेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के खिलाफ डिवीजन टू मुकाबले में खेला है। चोट से वापसी के बाद से ही यह उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। इंग्लैंड का इस साल एक व्यस्त घरेलू टेस्ट सत्र है, जिसमें उसे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के तहत जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट और अगस्त-सितंबर में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजी विकल्पों की कमी को देखते हुए, स्टोक्स को इन महत्वपूर्ण श्रृंखलाओं के दौरान नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए देखा जा सकता है। एंडरसन, ब्रॉड और क्रिस वोक्स के संन्यास के बाद, टीम अभी भी एक आदर्श नई गेंद के आक्रमण की तलाश में है। ब्रायडन कार्स और मार्क वुड की चोटें, साथ ही जोफ्रा आर्चर की फिटनेस को लेकर चल रही चिंताओं ने चयनकर्ताओं के सामने 4 जून को लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट से पहले बड़े फैसले लेने की चुनौती खड़ी कर दी है।वर्तमान तेज गेंदबाजी विकल्पों में ओली रॉबिन्सन, मैथ्यू पॉट्स, सैम कुक और सन्नी बेकर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, लेकिन काउंटी क्रिकेट में स्टोक्स की हालिया नई गेंद की गेंदबाजी से उन्हें इस अहम भूमिका में वापसी का मौका मिल सकता है।

## दक्षिण अफ्रीकी महिला तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल संन्यास से वापसी कर रहीं

जोहांसबर्ग । इग्लैंड में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप महिला विश्वकप क्रिकेट से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल ने खेल में वापसी की घोषणा कर दी है। शबनम की वापसी से दक्षिण अफ्रीकी टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार शबनम ने दक्षिण अफ्रीका के निदेशक एनोक न्कवे और मुख्य कोच मंडला माशिम्बी के साथ बातचीत के बाद वापसी की बात कही है। कोच माशिम्बी ने कहा, सच कहूं तो, हमारी गेंदबाजी में इस्माइल जैसी बेहतरीन खिलाड़ी का होना बहुत अच्छा होगा।

गौरतलब है कि शबनम इस्माइल ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को अपने ही धरती पर टी20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था। वहीं उनके जाने के बाद से ही टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। टीम तभी से उनकी जैसी गेंदबाज को शामिल करना चाह रही थी पर सफल नहीं हो रही थी। माशिम्बी ने हाल के महीनों में माना था कि टीम के पास तेज गेंदबाजी के अच्छे विकल्प नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के दौरे के बाद उन्होंने फिर से दोहराया था कि टीम की गेंदबाजी में और ज्यादा तेजी की जरूरत है। उन्होंने इशारों-इशारों में यह भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस्माइल अपने संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेंगी। उनकी यह उम्मीद अब एक वास्तविकता में बदल गई है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर होने के बावजूद, इस्माइल दुनिया भर में होने वाले फ्रैंचाइजी टूर्नामेंट्स में सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक बनी हुई हैं। वह महिला प्रीमियर लीग, द हंड्रेड और महिला बिग बैश लीग जैसे टूर्नामेंट्स में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। महिला क्रिकेट में उनकी रफ्तार और आक्रामकता का कोई मुकाबला नहीं है, और महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड आज भी उन्हीं के नाम है। उनकी वापसी से दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी नई गेंद की जोड़ी, मारिज़ाने कैप के साथ फिर से एक साथ आ सकती हैं। वहीं पूर्व कप्तान डेन वैन नीकेर्क के भी पिछले साल संन्यास से वापसी करने के बाद टीम में शामिल होने की खबरें हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम 13 जून को मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से अपने महिला टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेंगी।

## जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता।

मैच के बाद शुभमन ने कहा, हमें अच्छी तरह पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर बनाना

काफी कठिन होगा और उसका बचाव करना उससे भी मुश्किल रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने इस दौरान जबरदस्त खेल दिखाया। हमने मैच से पहले अपनी गेंदबाजी रणनीति को लेकर एक स्पष्ट योजना बनाई थी, जिसपर अमल करने में हम सफल रहे। विशेष रूप से देखा जाये तो हमारी गेंदबाजी बेहतीन रही।

उन्होंने बल्लेबाजों साई सुदर्शन 61 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतकों की भी प्रशंसा की है। शुभमन के अनुसार इन शानदार पारियों से ही टीम 170 रन के अच्छे स्कोर तक पहुंची। साथ ही कहा, उनके बिना, 170 तक पहुंचना वाकई मुश्किल होता। अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचने के बारे में कप्तान ने बताया कि यह लगातार अच्छे प्रदर्शन से संभव हुआ है। अपनी टीम की पहचान को लेकर उन्होंने कहा, हम उस तरह की टीम नहीं हैं जो किसी खास स्टाइल या ब्रांड का क्रिकेट खेलती हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो हालातों का आंकलन करते हुए खेले।

होल्डर के योगदान को लेकर उन्होंने कहा, वह बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं। जिस लेंथ पर वह गेंद फेंकते हैं, वह हमारे लिए बेहतरीन साबित होती है। होल्डर ने लगभग हर मैच में चार ओवर की गेंदबाजी की है, जो इस मौसम में बिल्कुल भी आसान नहीं है, लेकिन वह टीम के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

## पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अभ्यास करते दिखे पांड्या

मुंबई । मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं। हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है। मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए।

## प्रीमियर लीग फुटबॉल में टॉटेनहम और लीड्स का मुकाबला बराबरी पर रहा

लंदन। यहां खेले गये प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले में टॉटेनहम हॉटस्पर और लीड्स यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। इससे टॉटेनहम के अब 38 अंक हो गये हैं और वह तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं दूसरी ओर लीड्स 14वें स्थान पर बनी है। इस ड्रॉ से दोनों ही टीमों की स्थिति में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ है।

इस मैच में टॉटेनहम के मैथिस टेल ने 50वें मिनट में एक गोल दागकर अपनी टीम टॉटेनहम को 1-0 से बढ़त दिलाई पर कुछ ही देर में मैथिस की गलती से लीड्स यूनाइटेड को 74वें मिनट में पेनल्टी मिल गयी।

जिस पर लीड्स के फुटबॉलर कैल्वर्ट लेविन ने गोल दाग दिया। इससे स्कोर 1-1 से बराबरी पर आ गया। टॉटेनहम ने अपनी बढ़त वापस लेने के लिए काफी प्रयास किए पर लीड्स यूनाइटेड ने गोल कर विपक्षी टीम पर दबाव बनाये रखा।

## इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया जाना चाहिये - मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसे हटा दिया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार इस नियम से खिलाड़ियों के ऑलराउंड विकास में बाधा आ रही है क्योंकि खिलाड़ी एक ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत ज्यादातर खिलाड़ियों को बल्लेबाज के रूप में रखा जाता है। जिससे उनको केवल बल्लेबाजी का ही अनुभव होता है जबकि खेल में सभी क्षेत्रों का अनुभव होना जरुरी है। इससे पहले भी कई दिग्गजों ने स नियम पर सवाल उठाये थे।

अधिक लोगों का मानना है कि यह नियम मुख्य रूप से बल्लेबाजों को ही फायदा पहुंचा रहा है और खेल में संतुलन बिगाड़ रहा है। मांजरेकर ने कहा, मैं अब यह सोचने लगा हूं कि हमें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी बल्लेबाज का एक ही पक्ष सामने आता है।वहीं एक क्रिकेटर केवल बल्लेबाजी नहीं क्योंकि उसे फील्डिंग भी करनी होती है।

मांजरेकर ने कहा कि खेल का असली दबाव और उसकी समझ मैदान पर फील्डिंग करने से ही आती है। उन्होंने कहा, अगर वह (वैभव) शानदार बल्लेबाज है, लेकिन फील्डिंग में कमजोर है, तो मैं देखना चाहूंगा कि विरोधी टीम उस कमजोरी का फायदा कैसे उठाती है। कैच छोड़ने का दबाव क्या होता है, यह हर खिलाड़ी को महसूस करना चाहिए। सिर्फ बल्लेबाजी करके आराम करना क्रिकेट के सबसे बड़े स्तर पर सही नहीं है। उनका मानना है कि यह नियम खिलाड़ियों को खेल के हर विभाग में अपने को परखने और सुधारने का मौका नहीं देता।

## टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव - द्रविड़

डबलिन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं।

द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी । उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 क्रिकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसके लिए विकेट को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाना होगा ताकि गेंदबाजों को भी सहायता मिले। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा बदलाव जो गेंदबाजों की सहायता करें वह किया जाना चाहिये। तभी गेंद और बल्ले में संतुलन आयेगा।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पक्ष में झुका नजर नहीं आना चाहिये। उन्होंने खेल में संतुलन के महत्व पर बल दिया और कहा, हम नहीं चाहते कि संतुलन किसी एक तरफ बहुत ज्यादा झुक जाए। खेल तभी रोमांचक होगा जब दोनो के बीच संतुलन रहेगा।

# सीएम के लिए वेणुगोपाल के नाम पर भड़के लोग

वायनाड। केरल में हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को मिली शानदार जीत के बावजूद, मुख्यमंत्री पद के चयन को लेकर गठबंधन में गतिरोध जारी है। सत्ता में आने के 10 दिन बाद भी, इस खींचतान ने पार्टी के भीतर गहरी फूट पैदा कर दी है, जिसका गुस्सा अब वायनाड की सड़कों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सीएम पद के चेहरे को लेकर चल रही इस तनातनी के बीच, वायनाड डीसीसी कार्यालय के पास राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को निशाना बनाने वाले गुमनाम पोस्टर सामने आए हैं।केरल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में केसी वेणुगोपाल को आगे बढ़ाने के संभावित कदम के खिलाफ जनता का विरोध लगातार बढ़ रहा है। अंग्रेजी में लिखे इन पोस्टरों में राहुल और प्रियंका पर आरोप लगाया गया है कि वे केसी वेणुगोपाल को केरल पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनके खिलाफ व्यापक जनभावना मौजूद है।

इनमें से एक पोस्टर चेतावनी देता है कि केरल आपको कभी माफ नहीं करेगा, जबकि दूसरा पोस्टर एक अशुभ घोषणा करता है कि वायनाड दूसरा अमेठी बन जाएगा। यह सीधे तौर पर उस शर्मनाक चुनावी हार की याद दिलाता है जो राहुल गांधी को 2019 में उत्तर प्रदेश में झेलनी पड़ी थी। वायनाड, जो कभी राहुल गांधी का राजनीतिक गढ़ हुआ करता था और अब संसद में इसका प्रतिनिधित्व प्रियंका गांधी करती हैं, इसी निर्वाचन क्षेत्र से उभरने वाला यह गुस्सा केरल में कांग्रेस के मामलों पर गांधी भाई-बहन के अधिकार के लिए एक सीधी चुनौती बन गया है। ये पोस्टर वेणुगोपाल का मज़ाक उड़ाते हुए उन्हें केवल राहुल गांधी का बैग उठाने वाला बताते हैं। साथ ही, ये चेतावनी देते हैं कि यदि नेतृत्व ने जनमत की अनदेखी की तो राहुल और प्रियंका दोनों का वायनाड में अब और स्वागत नहीं किया जाएगा। हालांकि किसी भी संगठन ने इन पोस्टरों की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इनका सामने आना इस बात का व्यापक प्रमाण माना जा रहा है कि कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी अब बंद दरवाजों के पीछे होने वाली लॉबिंग से आगे बढ़कर एक खुले राजनीतिक विद्रोह का रूप ले चुकी है। पोस्टरों में लिखा है कि हो सकता है कि केसी कभी-कभी आपके अपने आदमी हों लेकिन केरल की जनता आपको माफ नहीं करेगी। यह कोई धमकी नहीं है बल्कि अब हमारा सब्र जवाब दे चुका है। सिर्फ चुनाव जीतने के लिए वायनाड मत आइए। वायनाड को भूल जाइए, अब आप यहां से दोबारा कभी नहीं जीत पाएंगे। विडंबना यह है कि जहां एक ओर केरल के एक बड़े तबके में वेणुगोपाल की उम्मीदवारी को लेकर विरोध का भाव दिखाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर खबरों के मुताबिक, उन्हें कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों के बहुमत का जबरदस्त समर्थन हासिल है। इस विरोधाभास ने पार्टी के हाईकमान को एक मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। दिल्ली में लंबी चर्चाओं के दौर के बाद भी, अब तक कोई अंतिम घोषणा सामने नहीं आई है, जिससे अनिश्चितता और बढ़ गई है।

## श्रीनगर में लश्कर के दो मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत श्रीनगर के बाबा डेम इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के दो सक्रिय मददगारों को गिरफ्तार किया है। रूटीन नाका चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार इन संदिग्धों को रोककर जब तलाशी ली गई, तो उनके पास से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्तौल, तीन मैगजीन, 21 कारतूस, दो मोबाइल फोन और लश्कर-ए-तैयबा के 10 धमकी भरे पोस्टर जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान फैसल अहमद भट (निवासी मलपोरा हब्बाकदल) और फैसल अहमद गुरू (निवासी राजोरी कदल) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके खिलाफ यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी क्षेत्र में लश्कर के आतंकियों के लिए काम कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घाटी में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पिछले 25 दिनों में कश्मीर के विभिन्न इलाकों से अब तक 16 आतंकी मददगारों को दबोचा जा चुका है। इससे पहले 18 अप्रैल को हवल में चार, 23 अप्रैल को एक महिला समेत चार, और फिर 26 अप्रैल व 2 मई को भी गिरफ्तारियां की गई थीं। सुरक्षाबलों का कहना है कि आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

# अटल इच्छाशक्ति का प्रतीक पोखरण परमाणु परीक्षण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए 1998 में हुए पोखरण परमाणु परीक्षणों को याद किया। उन्होंने कहा कि इन परीक्षणों ने दुनिया को भारत की अटल इच्छाशक्ति से अवगत कराया और यह साबित किया कि दबाव के बावजूद भारत अपनी संप्रभुता से कोई समझौता नहीं करता।

प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, 1998 में इसी दिन भारत ने जो परमाणु परीक्षण किए थे, उनसे दुनिया को पता चला कि हमारे देश की इच्छाशक्ति कितनी अटल है! 11 मई के टेस्ट के बाद पूरी दुनिया का दबाव भारत पर था, लेकिन हमने दिखाया कि कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती। उन्होंने एक संस्कृत श्लोक भी साझा किया- एवं परस्परापेक्षा शक्तिशक्तिमतोः स्थिता। न शिवेन विना शक्तिर्न शक्त्या विना शिवः ।।

इस श्लोक का अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि शक्ति और सामर्थ्य एक-दूसरे के पूरक होते हैं। केवल क्षमता होना पर्याप्त नहीं, उसे कार्यरूप देने वाली शक्ति भी आवश्यक है, और शक्ति भी तभी सार्थक होती है जब उसके पीछे समर्थ आधार हो। जैसे शिव और शक्ति का अस्तित्व परस्पर अविभाज्य माना गया है, वैसे ही सामर्थ्य और ऊर्जा के समन्वय से ही सृजन, प्रगति और सफलता संभव होती है। गौरतलब है कि 13 मई 1998 का दिन भी भारत के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी दिन राजस्थान के पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के तहत भारत ने दो और सफल परमाणु परीक्षण किए थे, जिन्हें शक्ति-4 और शक्ति-5 नाम दिया गया था। ये परीक्षण 11 मई 1998 को हुए पहले तीन परीक्षणों की श्रृंखला का ही आगे का हिस्सा थे, जिन्होंने देश की सामरिक क्षमताओं को एक नई ऊंचाई दी।

इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को और मजबूत करना था। यह भी बताया गया कि सभी परीक्षण भूमिगत और पूरी तरह नियंत्रित थे, जिससे किसी भी तरह की रेडियोएक्टिविटी बाहर नहीं फैली। इन सफल अभियानों से मिले आंकड़ों का उपयोग कंप्यूटर सिमुलेशन और भविष्य की परमाणु तकनीक को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। इस पूरे साहसिक अभियान का नेतृत्व तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने किया था। इन सफल परीक्षणों के बाद भारत को दुनिया में एक परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली, जिसने देश की सुरक्षा और संप्रभुता को और मजबूत किया।

## हंता वायरस का तांडव : क्रू ज पर 3 की मौत, एक जिंदगी-मौत से जूझ रही

नई दिल्ली। एमवी होंडियस नामक जहाज पर हंता वायरस की चपेट में आई एक फ्रांसीसी महिला की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है और पेरिस के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया है। डॉक्टरों ने बताया कि महिला के फेफड़ों और हृदय में गंभीर समस्या है, इस गहन उपचार का अंतिम चरण बताया जा रहा है। इस घातक वायरस से अब तक जहाज पर सवार तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें नीदरलैंड का एक जोड़ा भी शामिल है। संक्रमण के कुल 11 मामलों में से 9 में हंता वायरस की पुष्टि हो चुकी है।

स्वास्थ्य अधिकारियों का मानना है कि दक्षिण अमेरिका की यात्रा के दौरान यही डच जोड़ा सबसे पहले इस वायरस के संपर्क में आया था। सभी 87 यात्रियों और चालक दल के 35 सदस्यों को सुरक्षित निकालने के बाद, अब जहाज नीदरलैंड की ओर बढ़ रहा है, जहां इस पूरी तरह साफ और संक्रमण मुक्त किया जाएगा।

नीदरलैंड पहुंचे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को आइसोलेशन में रखा गया है। ब्रिटेन में भी, जहाज से वापस लाए गए 20 ब्रिटिश नागरिकों सहित अन्य को मर्सीसाइड के एरो पार्क अस्पताल में निगरानी में रखा जा रहा है और वे 45 दिनों के आइसोलेशन में रहने वाले हैं। स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि जहाज से निकाले गए एक स्पेनिश यात्री में हंता वायरस की पुष्टि हुई है, जिसे मैड्रिड के एक सैन्य अस्पताल में आइसोलेशन में रखा गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा है कि अब तक संक्रमण के कंफर्म और संदिग्ध मामले केवल जहाज के यात्रियों या चालक दल के सदस्यों में ही पाए गए हैं। उन्होंने कहा, फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं है कि यह किसी बड़े प्रकोप की शुरुआत है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि स्थिति बदल सकती है और संक्रमण के लक्षण उभरने में लगने वाले लंबे समय को देखते हुए आने वाले हफ्तों में और मामले सामने आ सकते हैं। लेकिन राहत की बात यह है कि भारत में अब तक इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया है। स्पेन स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है कि क्रूज पर सवार दो भारतीय नागरिक पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं। भारतीय राजदूत स्पेनिश अधिकारियों और दोनों भारतीय क्रू सदस्यों के संपर्क में हैं, साथ ही उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति पर नियमित निगरानी रखी जा रही है।

## सोनिया गांधी रूटीन चेकअप के बाद घर लौटीं

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रूटीन चेकअप के लिए गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि जांच के बाद वह घर लौट आई हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी को मंगलवार रात करीब 10:30 बजे मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अस्पताल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे पहले 24 मार्च को बुखार और संक्रमण के कारण उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां वह 7 दिन तक डॉक्टरों की निगरानी में रही थीं। राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को जनवरी से अब तक तीसरी बार भर्ती होना पड़ा है। इससे पहले मार्च में उन्हें सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया था।

# क्लीन पॉलिटिक्स करने वाले अब डर्टी पॉलिटिक्स करने पर उतारु - स्टालिन

### देखना होगा कि अन्नाद्रमुक के विधायकों को क्या मिलता है

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में विश्वास मत के बाद नया सियासी घमासान छिड़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार पर गंदी राजनीति (डर्टी पॉलिटिक्स) करने का गंभीर आरोप लगा दिया है। डीएमके नेता स्टालिन ने कहा कि डीएमके ने पहले ही यह रुख अपना लिया था कि वह टीवीके सरकार के गठन या उसके बने रहने में कोई बाधा नहीं डालेगी। इसी के तहत डीएमके विधायकों ने विश्वास मत का बहिष्कार किया और सदन से वॉकआउट कर गए। स्टालिन ने बताया कि विधानसभा में उनके गठबंधन सहयोगियों प्रेमलता विजयकांत, प्रोफेसर जवाहरुल्लाह, थमिमुन अंसारी और नित्यानंदन ने भी सदन से वॉकआउट कर उनका साथ दिया। वहीं, सीपीआई, सीपीआई (एम), आईयूएमएल और वीसीके जैसे सहयोगी दलों ने राष्ट्रपति शासन की संभावना को रोकने के लिए सरकार के पक्ष में मतदान किया, जिसके लिए स्टालिन ने दोनों निर्णयों का सम्मान व्यक्त किया। हालांकि, स्टालिन ने आरोप लगाया कि अब टीवीके सरकार उन लोगों का भरोसा तोड़ रही है, जिन्होंने सरकार बनने की मदद की। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में सत्ताधारी दल की गतिविधियों और सहयोगी दलों के बयानों से साफ हो गया है कि सरकार स्वच्छ राजनीति के अपने वादे से भटक चुकी है। डीएमके प्रमुख ने टीवीके पर अन्नाद्रमुक के अंदरूनी विवाद का फायदा उठाकर उसके विधायकों को अपने पक्ष में करने का आरोप लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग क्लीन पॉलिटिक्स का नारा देकर सत्ता में आए थे, वे अब डर्टी पॉलिटिक्स में शामिल हुए हैं।

स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय को संबोधित कर कहा कि तमिलनाडु की जनता सरकार की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है और यह भी देख रही है कि अन्नाद्रमुक से जुड़े विधायकों को किस तरह का रिटर्न गिफ्ट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीएमके अपनी विचारधारा से पीछे नहीं हटेगी और राज्य में एक मजबूत व रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाती रहेगी। उनके इस बयान के बाद तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है।

## ममता ने कहा- अकेले आए थे, अकेले ही जाना है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में ममता बनर्जी का 15 साल पुराना शासन समाप्त हो गया है। तृणमूल कांग्रेस की इस बड़ी हार और सत्ता गंवाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब एक अलग ही भावनात्मक और कूटनीतिक अंदाज में नजर आ रही हैं। चुनाव परिणामों के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी लिखी एक कविता साझा की है, जिसका शीर्षक है ब्रेव यानी बहादुर। इस कविता के माध्यम से उन्होंने न केवल हार से निराश कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की है, बल्कि जीवन के शाश्वत सत्य का भी उल्लेख किया है।

ममता बनर्जी ने अपनी कविता में संदेश दिया है कि असली ताकत इंसान के भीतर होती है। उन्होंने लिखा, बहादुर और मजबूत बनो। अगर आपको खुद पर भरोसा है, तो दुनिया की कोई ताकत आपको छू नहीं सकती। आपकी ताकत आपके भीतर है, इसे गरिमा के साथ बनाए रखें। कायर हमेशा कायर ही रहेंगे, लेकिन मजबूत लोग हमेशा टिके रहते हैं। कार्यकर्ताओं को जीवन का दर्शन समझाते हुए उन्होंने आगे लिखा कि मनुष्य इस दुनिया में अकेले आता है और उसे अकेले ही जाना पड़ता है, केवल उसके अच्छे कर्म ही जीवित रहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बुराई अधिक समय तक नहीं टिक सकती और अंत में जीत अच्छाई की ही होगी। गौरतलब है कि इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस 293 सीटों में से केवल 80 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा ने 207 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। इस करारी हार के बाद तृणमूल खेमे में भारी असंतोष देखा जा रहा है। पार्टी के कई दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कई नेताओं ने नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जिसके जवाब में पार्टी ने कोहिनूर मजूमदार और रिजु दत्ता सहित कई प्रवक्ताओं को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है।

## नई दिल्ली में ब्रिक्स : विदेश मंत्रियों की बैठक का आगाज

नई दिल्ली। नई दिल्ली में 14 और 15 मई को ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक शुरू हो गई है। भारत इस साल 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, और इसी कड़ी में इस दो दिवसीय आयोजन में सदस्य देशों तथा कई आमंत्रित राष्ट्रों के वरिष्ठ राजनयिकों का जमावड़ा लगा है। बैठक का उद्देश्य वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करना। इस बैठक में ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के विदेश मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। संयुक्त अरब अमीरात का प्रतिनिधित्व उप-विदेश मंत्री स्तर पर होने की उम्मीद है, जबकि चीन के शेरपा का प्रतिनिधिमंडल इसमें शिरकत करेगा। दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध मंत्री रोनाल्ड ओजी लामोला मंगलवार को और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगिओनो बुधवार को नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। ईरान ने भी अपने विदेश मंत्री अब्बास अराघची के शामिल होने की सूचना दी है, हालांकि क्षेत्रीय स्थिति के कारण उनकी योजना में बदलाव संभव है।

## मुस्लिम देशों के बीच पाकिस्तान हुआ अलग-थलग

### भारत-यूएई संबंधों में दिखे नए आयाम

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा कूटनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पिछले एक दशक में भारत और यूएई के रिश्तों में आई प्रगाढ़ता ने न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया है, बल्कि मुस्लिम देशों के बीच पाकिस्तान को काफी हद तक अलग-थलग करने में भी सफलता हासिल की है।

यूएई वर्तमान में मुस्लिम देशों के बीच भारत का सबसे भरोसेमंद साझीदार बनकर उभरा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जहाँ यूएई भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा, वहीं भारत ने भी यूएई पर हुए हमलों का मुखर विरोध किया। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2019 में पाकिस्तान के कड़े विरोध के बावजूद यूएई ने इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठक में भारत को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। दूसरी ओर, यूएई और पाकिस्तान के संबंधों में तल्खी बढ़ी है, जिसका प्रमाण पाकिस्तान का वीजा बंद करना और अरबों डॉलर का कर्ज वापस मांगना है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा के दौरान ऊर्जा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना है। एचपीसीएल के साथ हुए एलएनजी समझौते के तहत 2028 से होने वाली आपूर्ति को मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर जल्दी शुरू करने पर बातचीत हो सकती है। व्यापारिक दृष्टि से दोनों देशों के बीच 2022 में हुआ मुक्त व्यापार समझौता एक मील का पत्थर साबित हुआ है। वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर को पार कर चुका है, जिसे वर्ष 2032 तक 200 अरब डॉलर तक पहुँचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। भारत-यूएई संबंधों के चार प्रमुख स्तंभ—कूटनीति, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और प्रवासी भारतीय हैं। यूएई में रहने वाले 45 लाख भारतीय वहां के विकास के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। अब यह सहयोग केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष, हरित तकनीक, परमाणु ऊर्जा और रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी तेजी से विस्तार ले रहा है। यह यात्रा दर्शाती है कि भारत ने अपनी दूरदर्शी रणनीति से खाड़ी देशों के साथ संबंधों को केवल लेन-देन से ऊपर उठाकर एक गहरी सामरिक साझेदारी में बदल दिया है।

# सीबीआई डायरेक्टर चयन पर राहुल गांधी की असहमति

### बोले- विपक्ष का नेता 'रबर स्टैंप' नहीं, चयन प्रक्रिया को बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास पर मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए सीबीआई डायरेक्टर के चयन को लेकर अपनी असहमति जताई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया को महज औपचारिकता बनाकर रख दिया गया है और विपक्ष की भूमिका को नजरअंदाज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और राहुल गांधी शामिल हुए। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा करते हुए चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीआई डायरेक्टर के चयन के लिए सरकार की ओर से 69 उम्मीदवारों की सूची दी गई, लेकिन उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों की सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट और 360-डिग्री मूल्यांकन रिपोर्ट देने से साफ इनकार कर दिया गया।

राहुल ने अपने पत्र में लिखा कि विपक्ष के नेता को चयन समिति में इसलिए शामिल किया जाता है ताकि संस्थाओं पर किसी एक पक्ष का नियंत्रण न हो और प्रक्रिया निष्पक्ष बनी रहे। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक दस्तावेज और मूल्यांकन रिपोर्ट ही साझा नहीं की जाएंगी, तो विपक्ष की भूमिका केवल 'रबर स्टैंप' बनकर रह जाएगी।

उन्होंने केंद्र सरकार पर सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि बिना किसी कानूनी आधार के जानकारी देने से इनकार करना चयन प्रक्रिया का मजाक उड़ाने जैसा है और इससे यह संदेश जाता है कि सरकार पहले से तय उम्मीदवार को ही चुनना चाहती है। राहुल गांधी ने यह भी बताया कि उन्होंने इससे पहले 5 मई 2025 और 21 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के सुझाव दिए थे, लेकिन अब तक उन पत्रों का कोई जवाब नहीं मिला।

गौरतलब है कि वर्तमान सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 24 मई को समाप्त हो रहा है। ऐसे में नए निदेशक के चयन को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, सीबीआई निदेशक के चयन की प्रक्रिया में प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। समिति द्वारा नाम तय किए जाने के बाद गृह मंत्रालय की सिफारिश पर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) नियुक्ति का औपचारिक आदेश जारी करता है।

## सीएम सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट रखी पास, नंदीग्राम छोड़ी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में बुधवार को नवनिर्वाचित विधायकों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस दौरान मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम सीट छोड़ने का फैसला किया। सुवेंदु ने भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को हराया है।

शपथ लेने के बाद सीएम सुवेंदु ने पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ अपनी पहली बैठक की। इसमें निर्देश दिया कि राज्य में सभी धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं होगा। नियम नहीं मानने पर हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन माना जाएगा। वहीं भाजपा सांसद राहुल सिन्हा ने कहा लाउडस्पीकर पर रोक का आदेश ममता बनर्जी की सरकार के दौरान हाईकोर्ट ने दिया था, लेकिन ममता की सरकार में धार्मिक गतिविधियों के लिए माइक पर कोई रोक नहीं थी। बंगाल सरकार ने महिला सुरक्षा और राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा, गुंडागर्दी व रंगदारी पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का निर्देश दिया है। महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध, खासकर 2021 और 2024 के चुनाव के बाद दर्ज हुए रेप, रेप के प्रयास और छेड़छाड़ के मामलों को फिर से खोला जाएगा। जरूरत पड़ने पर 2021 की हिंसा की उन शिकायतों की फिर से जांच होगी, जो केवल जनरल डायरी में दर्ज की गई थीं। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल ने बिना सरकारी मंजूरी चल रहे सभी टोल गेट, ड्रॉप गेट और बैरिकेड को बंद करने का आदेश दिया। सभी जिला प्रशासन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध वसूली केंद्रों की पहचान कर उन्हें तुरंत हटाने के आदेश दिए। साथ ही राज्य के सभी वैध और अवैध टोल केंद्रों की सूची तैयार कर 15 मई दोपहर 12 बजे कर अंडर सेक्रेटरी को सौंपने के आदेश दिए।

## न्यूज गैलरी

### पिता ने दो मासूम बच्चों के साथ कुएं में लगाई छलांग, गांव में पसरा मातम

#### व्हाट्सएप स्टेटस डालने के बाद उठाया आत्मघाती कदम, कटंगी क्षेत्र के लाखीटोला की हृदयविदारक घटना

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** कटंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जराहमोहगांव के लाखीटोला में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ कुएं में कूदकर

आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और सनसनी का माहौल है। पुलिस ने तीनों शव बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार लाखीटोला निवासी श्याम नागेन्द्र ने अपने पांच वर्षीय पुत्र वंश नागेन्द्र और तीन वर्षीय पुत्री भूरी नागेन्द्र को कमर में रस्सी से बांधकर कुएं में छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि आत्मघाती कदम उठाने से पहले उन्होंने अपने व्हाट्सएप पर एक भावुक स्टेटस लगाया था, जिसमें लिखा था , नहीं है जिंदा रहने की आरजू, नहीं चाहिए कोई वादा और रिश्ता। जब परिजनों और ग्रामीणों ने यह स्टेटस देखा तो उन्हें किसी अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद परिवार और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की तथा पुलिस को भी सूचना दी गई। मंगलवार रातभर गांव और आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार सुबह गांव के पटबर्रा मैदान स्थित पुराने कुएं में तीनों के शव दिखाई दिए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शवों को कुएं से बाहर निकलवाया गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है और गांव के लोग इस दर्दनाक घटना से स्तब्ध हैं। बताया जा रहा है कि श्याम नागेन्द्र पहले एक निजी कंपनी में कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कार्य कर चुके थे और बाद में एलआईसी अभिकर्ता के रूप में काम कर रहे थे। मंगलवार को गांव में दो स्थानों पर शादी समारोह होने के कारण परिजनों को लगा कि वह बच्चों को लेकर किसी कार्यक्रम में गए होंगे, लेकिन व्हाट्सएप स्टेटस देखने के बाद चिंता बढ़ गई थी। ग्रामीणों के अनुसार मृतक का किसी से कोई विवाद नहीं था और न ही वह मानसिक रूप से परेशान दिखाई देता था। ऐसे में उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, यह फिलहाल रहस्य बना हुआ है। पुलिस अब पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

#### पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है - धर्मेंद्र कुसराम

कटंगी थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुसराम ने दूरभाष पर बताया कि जराहमोहगांव के लाखीटोला में एक व्यक्ति और उसके दो बच्चों के शव कुएं में मिले हैं। मृतक द्वारा आत्महत्या से पहले सोशल मीडिया पर स्टेटस डाला गया था। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

# नीट पेपर लीक मामले को लेकर जिले में विरोध तेज, भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

## कालीपुतली चौक पर आम आदमी पार्टी की रैली, यूथ कांग्रेस ने किया पुतला दहन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

हाल ही में सामने आए नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर प्रदेशभर में राजनीतिक विरोध तेज होता जा रहा है। अब इस मुद्दे को लेकर जिले में भी विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा प्रदर्शन शुरू कर दिए गए हैं। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित अन्य संगठनों ने भाजपा सरकार और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। स्थानीय कालीपुतली चौक में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और युवाओं का शिक्षा व्यवस्था से भरोसा टूटता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी विरोध प्रदर्शन करते हुए शिक्षा मंत्री और भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल रही है। उनका कहना था कि लाखों छात्र कठिन मेहनत से परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाओं से उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर पुलिस बल भी तैनात रहा।

हाल ही में आयोजित नीट परीक्षा को लेकर देशभर में विवाद और विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। परीक्षा के पेपर लीक होने और बाद में परीक्षा रद्द किए जाने की खबर सामने आने के बाद लाखों छात्रों और अभिभावकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। छात्र लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि जब वे पूरे वर्ष कठिन मेहनत और मानसिक दबाव के बीच पढ़ाई कर परीक्षा देते हैं, तो आखिर उनकी मेहनत की जिम्मेदारी कौन लेगा। इसी मुद्दे को लेकर अब राजनीतिक दल भी मैदान में उतर आए हैं और केंद्र सरकार को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश सहित बालाघाट जिले में भी इस पूरे मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। छात्र संगठनों के साथ-साथ राजनीतिक दलों द्वारा भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए जा रहे हैं। 13 मई को शहर के स्थानीय काली पुतली चौक में पहले आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार गड़बड़ियां सामने आ रही हैं, जिससे छात्रों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग भी की।

### यूथ कांग्रेस ने किया पुतला दहन

इसके बाद शाम करीब 4 बजे यूथ कांग्रेस द्वारा भी काली पुतली चौक में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा और पुलिस की मौजूदगी में ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध दर्ज कराया। यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता सागर विश्वकर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि आज देश में छात्रों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नीट जैसी परीक्षा देश के लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी हुई है। छात्र पूरे वर्ष कठिन परिश्रम करते हैं, कोचिंग संस्थानों में लाखों रुपए खर्च करते हैं, मानसिक तनाव झेलते हैं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते हैं। लेकिन जब परीक्षा होने के बाद पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं और परीक्षा रद्द करनी पड़ती है, तो सबसे ज्यादा नुकसान उन मेहनती छात्रों का होता है जिन्होंने ईमानदारी से तैयारी की होती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से केवल छात्रों का मानसिक मनोबल नहीं टूटता, बल्कि उनका एक पूरा वर्ष भी बर्बाद हो जाता है। कई छात्र आर्थिक और सामाजिक दबावों के बीच तैयारी करते हैं। ऐसे में परीक्षा रद्द होने से उनके परिवारों पर भी बड़ा असर पड़ता है। सागर विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि देश की सबसे बड़ी परीक्षाओं में पेपर लीक होना कोई सामान्य बात नहीं है। उन्होंने कहा कि बिना बड़े स्तर की लापरवाही और मिलीभगत के इस प्रकार की घटनाएं संभव नहीं हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को संभालने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। यूथ कांग्रेस ने मांग की कि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी को तत्काल ब्लैकलिस्ट किया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग भी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि छात्रों के भविष्य के साथ इसी तरह खिलवाड़ होता रहा तो आने वाले समय में आंदोलन और उग्र किया जाएगा। वहीं प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने छात्र विरोधी सरकार मुर्दाबाद, पेपर लीक बंद करो और शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो जैसे नारे लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

## पति ने मोबाइल बेचने से रोकने पर पत्नी की लकड़ी से की मारपीट

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेवरगांव के स्कूल टोला में घर का सामान बेचने से मना करना एक महिला को महंगा पड़ गया। पति ने गुस्से में आकर पत्नी की जामुन की लकड़ी से बेरहमी से पिटाई कर दी। घायल महिला की शिकायत पर मलाजखंड पुलिस ने आरोपी पति अनिल मरावी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 33 वर्षीय मनीषा मजदूरी कर परिवार चलाती है। वह पति अनिल मरावी और दो बच्चों के साथ रहती है। आरोप है कि अनिल पहले भी जरूरत बताकर घर की साइकिल और बर्तन बेच चुका है।12 मई की रात करीब 8-30 बजे मनीषा घर के आंगन में खड़ी थी। तभी अनिल आया और बोला कि उसे पैसों की जरूरत है। इसलिए वह मोबाइल बेचने जा रहा है। मनीषा ने विरोध करते हुए कहा की तुम हमेशा पैसों के लिए घर का सामान बेच देते हो। पहले साइकिल-बर्तन बेच दिए, पैसों का करते क्या हो इस बात पर अनिल भड़क गया। उसने गाली-गलौज करते हुए जामुन की लकड़ी से मनीषा को पीटना शुरू कर दिया। मनीषा के चिल्लाने पर देवर राधेश्याम मरावी, ननद नीलू मरावी और पड़ोसी दौड़कर आए और बीच-बचाव कर झगड़ा छुड़ाया। मारपीट के बाद अनिल ने मनीषा को दोबारा जुबान लड़ाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। घायल मनीषा रिपोर्ट करने मलाजखंड थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। मलाजखंड पुलिस ने उसे बिरसा अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। जहा उसका इलाज किया गया। मलाजखंड पुलिस ने मनीषा की शिकायत पर आरोपी पति अनिल मरावी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## बैहर में आकाशीय बिजली का कहर आधा दर्जन मवेशियों की मौत

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले के बैहर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। अलग-अलग गांवों में हुई इस प्राकृतिक घटना में आधा दर्जन मवेशियों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 मई की दोपहर बैहर क्षेत्र के ग्राम मदनपुर और चँदिया के जंगलों में ग्रामीण अपने मवेशियों को चराने ले गए थे। इसी दौरान मौसम अचानक बदल गया और तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई। खराब मौसम के बीच अचानक आकाशीय बिजली गिरने से ग्राम मदनपुर में चार बकरियां और एक बकरा उसकी चपेट में आ गए जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।वहीं दूसरी ओर ग्राम चँदिया में जंगल क्षेत्र में चर रहा एक बैल भी बिजली गिरने की चपेट में आ गया। तेज धमाके के साथ गिरी बिजली से बैल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक मौसम खराब होने के कारण उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला।घटना की सूचना मवेशी मालिकों द्वारा बैहर पुलिस थाने में दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके की जानकारी लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।


पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट